RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, मंगलवार

11.8.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 290

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

श्रावण के सोमवार को केदारनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 14.45 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी, रुद्रप्रयाग । श्रावण माह के सोमवार के पावन अवसर पर केदारनाथ धाम में बाबा केदार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचते रहे। केदारनाथ धाम में अब तक 14,45,946 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। श्रावण के सोमवार को केदारनाथ धाम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर और यात्रा मार्ग पर भक्तिमय माहौल बना रहा। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के मार्गदर्शन में केदारनाथ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

भारतीय मुक्केबाजों का ऐसा दबदबा, विरोधी मुकाबले से पहले ही डरने लगे

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल-2026 में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के अपने अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। भारतीय मुक्केबाजों ने बताया कि उनके लगातार शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीमों में ऐसा दबाव बना कि कई खिलाड़ी भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले ही घबराने लगे थे।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने कुल 10 पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण पदक शामिल रहे। महिला मुक्केबाज साक्षी ने बताया कि भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन का विरोधियों पर काफी असर पड़ा। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर पहले से ही आशंकित थे और उन्हें लगता था कि शुरुआती मुकाबले में हार के साथ उनका पदक जीतने का सपना खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन से भी उनके अनुभव पूछे। लवलीना ने स्वर्ण पदक की उम्मीद के बावजूद रजत पदक हासिल किया। प्रधानमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि अब दुनिया के मुक्केबाज निश्चित रूप से भारतीय खिलाड़ियों से सावधान रहते हैं। उन्होंने कहा कि लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने और देश से मिले समर्थन ने भारतीय मुक्केबाजों के आत्मविश्वास को काफी मजबूत किया है। उन्होंने यह भी बताया कि कई युवा खिलाड़ी खेलो इंडिया कार्यक्रम से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू के भावुक क्षणों का भी जिक्र किया। मीराबाई ने बताया कि पेरिस ओलंपिक में पदक से चूकने का दर्द उनके मन में था। इसके बाद चार वर्षों तक चोट और पारिवारिक परेशानियों के बीच उन्होंने लगातार मेहनत की। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रमंडल खेलों में वह पोडियम पर खड़ी थीं, तिरंगा ऊपर उठ रहा था और राष्ट्रगान बज रहा था, तब वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। प्रधानमंत्री ने उनकी उपलब्धि को व्यक्तिगत सफलता से आगे बताते हुए कहा कि मीराबाई की जीत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां देश के युवाओं में खेल के प्रति नया उत्साह पैदा करती हैं।

विधानसभा घेराव के दौरान वाटर कैनन की बौछार के बीच झूमे छात्र, बैरिकेड पर चढ़कर किया डांस

एजेंसी, रांची

झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में सोमवार को छात्र अभ्यर्थियों के विधानसभा घेराव मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई के बीच प्रदर्शनकारियों का अनोखा अंदाज भी देखने को मिला। पुलिस के लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल के बावजूद कई छात्र पीछे हटने के बजाय उत्साह के साथ झूमते और नारेबाजी करते नजर आए। वाटर कैनन से निकल रही पानी की तेज बौछारों के बीच कुछ छात्र सड़क पर ही नाचते और झूमते रहे। वहीं, एक छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर नृत्य करता दिखाई दिया। कई प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर नारेबाजी करते हुए डांस किया। कुछ छात्रों ने तो वाटर कैनन की बौछार के बीच साबुन लगाकर नहाना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों के इस अंदाज ने मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद प्रदर्शनकारियों का एक वर्ग मौके पर डटा रहा। छात्र लगातार सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। उनका कहना था कि वे अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन केवल तत्काल विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके भविष्य और रोजगार के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है। इसी दौरान कुछ युवा स्पाइडरमैन और भालू का रूप धारण कर प्रदर्शन में पहुंचे। दोनों अलग-अलग वेशभूषा में प्रदर्शनकारियों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। उनके अनोखे अंदाज ने पुलिस कार्रवाई और नारेबाजी के बीच कुछ समय के लिए प्रदर्शन स्थल का माहौल हल्का और जीवंत कर दिया। प्रदर्शन में शामिल राहुल कुमार, प्रवीण कश्यप और रवींद्र कुमार समेत अन्य छात्रों ने कहा कि उनका आंदोलन महज विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि उनके भविष्य से जुड़ा सवाल है। छात्रों के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवा कई वर्षों तक मेहनत करते हैं और अपनी आर्थिक तथा व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को पीछे छोड़कर सरकारी नौकरी की तैयारी करते हैं। छात्रों ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार कथित अनियमितताओं और धांधली की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे राज्य के युवाओं में अपने भविष्य को लेकर असुरक्षा बढ़ रही है। उनका कहना था कि वर्षों की कड़ी मेहनत और पढ़ाई के बाद भी भर्ती प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने से अभ्यर्थियों का भरोसा प्रभावित होता है। छात्रों ने आरोप लगाया कि यदि पढ़ाई और मेहनत के बाद भी नौकरी हासिल करने के लिए रिश्वत की मोटी रकम देने जैसी शिकायतें सामने आती रहेंगी तो भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी की प्रक्रिया में पैसे के खेल से जुड़ी शिकायतें लगातार सामने आने से युवाओं का पूरी व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो सकता है।

हिन्दी वेबसाइट पर 'जिम्मेदारी नहीं' लिखकर घिरा एसबीआई, राजभाषा सम्मान और ग्राहक अधिकार का मुद्दा गरमाया

एजेंसी, दिल्ली/लखनऊ

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की आधिकारिक वेबसाइट पर एआई आधारित हिंदी अनुवाद और उससे जुड़े अस्वीकरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार जैन ने एसबीआई के कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई के अध्यक्ष, मुख्य प्रबंध निदेशक और प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) के अलावा भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, संसदीय राजभाषा समिति और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायतकर्ता ने इसे केवल तकनीकी अनुवाद का विषय न बताते हुए राजभाषा नीति, ग्राहकों के अधिकार और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। शिकायत में कहा गया है कि एसबीआई की हिंदी वेबसाइट पर स्पष्ट रूप से बताया गया है कि वेबसाइट की सामग्री का अनुवाद 'भाषिणी' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली के माध्यम से किया गया है। साथ ही, वेबसाइट पर यह भी उल्लेख होने का दावा किया गया है कि किसी अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी सामग्री को मान्य माना जाएगा। शिकायतकर्ता ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि आधिकारिक बैंकिंग वेबसाइट पर प्रकाशित हिंदी सामग्री को स्वयं बैंक द्वारा ही संदिग्ध या गैर-प्रामाणिक मानने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। उनका आरोप है कि अनुवाद में संभावित त्रुटियों की जिम्मेदारी से बैंक का अलग हो जाना ग्राहकों के हित में नहीं है।

विपक्ष के हंगामे के बीच चार विधेयक पेश, अधिकरण सुधार विधेयक लोकसभा से पारित

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच चार महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए। इनमें से अधिकरण सुधार विधेयक, 2026 को सदन ने पारित कर दिया। इसके अलावा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधिकरण सुधार विधेयक पेश किया। विधेयक में देश के विभिन्न अधिकरणों के कामकाज में एकरूपता लाने, उनकी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत करने तथा अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति एवं सेवा शर्तों के लिए समान व्यवस्था करने के वास्ते राष्ट्रीय अधिकरण आयोग गठित करने का प्रस्ताव है। विधेयक के अनुसार, आयोग अधिकरणों के अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति, उनके प्रदर्शन की समीक्षा तथा उनके खिलाफ शिकायतों की जांच से संबंधित कार्य करेगा। इसमें अध्यक्ष और सदस्यों की योग्यता, चयन, नियुक्ति, वेतन, सेवा शर्तों और पद से हटाने की प्रक्रिया के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। केंद्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पेश किया। इसमें खनिज अधिकारों, कराधान और खनिज अन्वेषण से जुड़े मौजूदा प्रावधानों में बदलाव तथा कुछ मामलों में केंद्र की मंजूरी से संबंधित प्रावधान प्रस्तावित हैं। विपक्षी सदस्य एन.के. प्रेमचंद्रन ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया।

सऊदी अरब में सोफ़ा फ़ैक्ट्री में आग लगने से 16 बांग्लादेशियों की मौत

एजेंसी, ढाका

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के खोरदाम इलाके में रविवार को एक सोफा बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने से कम से कम 16 बांग्लादेशी प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। बांग्लादेश के प्रवासी कल्याण एवं विदेशी रोजगार मंत्रालय ने सोमवार को सऊदी अरब के फायर सर्विस विभाग के हवाले से हादसे की पुष्टि की। बांग्लादेश के अंग्रेजी अखबार प्रोथोम आलो तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मृतकों में 10 लोग उत्तरी बांग्लादेश के नौगांव जिले के रहने वाले थे, जबकि अन्य मृतक नटोर और राजशाही जिलों से थे। नौगांव के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद सैफ़ुल इस्लाम ने बताया कि जिले के मृतकों में से 10 लोग अतराई उपजिला के निवासी थे। मृतकों की उम्र करीब 25 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। नटोर के नल्डांगा उपजिला के अधिकारियों ने भी तीन मृतकों की पहचान की है। इनमें सब्बीर हुसैन शुवो, शमीम हुसैन और रबिउल अव्वल हृदो शामिल हैं। तीनों खजुरा यूनियन के अलग-अलग गांवों के रहने वाले थे। बताया गया है कि फैक्टरी में आग रविवार को बांग्लादेश के समय के अनुसार दोपहर करीब 3:30 बजे लगी। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद सऊदी अधिकारियों ने राहत और बचाव अभियान चलाया। प्रवासी कल्याण और विदेशी रोजगार मंत्री आरिफ़ुल हक चौधरी ने हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि रोज़गार की तलाश में सऊदी अरब गए बांग्लादेशी नागरिकों की इस तरह असमय मौत बेहद दुखद है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शवों को बांग्लादेश लाने की प्रक्रिया तेज की जाए और पीड़ित परिवारों को आवश्यक सरकारी सहायता तथा मुआवज़ा उपलब्ध कराया जाए।

केरल का नाम 'केरलम' किए जाने वाला विधेयक लोकसभा में पेश

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने से जुड़ा विधेयक पेश किया गया। केरल विधानसभा की सर्वसम्मत मंजूरी मिलने के बाद अब इसे संसद में लाया गया है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज सदन में शोर-शराबे के बीच केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश किया। मलयालम भाषा में राज्य को पारंपरिक रूप से 'केरलम' ही कहा जाता है। इसी सांस्कृतिक पहचान को आधिकारिक दर्जा देने के लिए यह पहल की गई है। इसके तहत भारतीय संविधान की पहली अनुसूची में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। नाम परिवर्तन के साथ-साथ राज्य से संबंधित अन्य संवैधानिक तथा प्रशासनिक दस्तावेजों में आवश्यक परिणामी संशोधन भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को सर्वसम्मति से एक संकल्प पारित किया था, जिसमें केंद्र सरकार से राज्य का नाम बदलने का अनुरोध किया गया था। इस संकल्प में कहा गया था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत आवश्यक कदम उठाते हुए पहली अनुसूची में संशोधन किया जाए और राज्य का नाम 'केरल' से बदलकर 'केरलम' किया जाए।

मप्र के राजगढ़ में नाले में बही कार, 11 में से 7 के शव बरामद, दो ने तैरकर बचाई जान

एजेंसी, राजगढ़

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज बारिश के बीच पड़ाना बाइपास स्थित झिरी नाले के निर्माणाधीन पुल पर देवास जिले के सतवास क्षेत्र से कड़लावद जा रही ईको कार पानी के तेज बहाव में बह गई। कार में एक ही गांव के 11 लोग सवार थे, जिनमें से अब तक सात लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। दो लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई जबकि दो लोग अभी लापता हैं। कार सतवास के धांसड़ गांव निवासी मुकेश सिंह चौहान के नाम पंजीकृत है। कार में तीन पुरुष, चार महिलाएं और चार बच्चे सवार थे। बताया गया कि मुकेश सिंह और हुकुम सिंह हादसे के बाद किसी तरह तैरकर नाले से बाहर निकल आए। पानी का बहाव अधिक होने के कारण कार देखते ही देखते नाले में डूब गई। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह, थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी सहित प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। एसडीईआरएफ के बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। क्रेन की मदद से कार को पानी से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के दौरान सात शव बरामद किए गए। इनमें तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। बताया गया कि पड़ाना के पास झिरी नाले पर करीब 30 फीट लंबा पुल निर्माणाधीन है। तेज बारिश के कारण पुल के ऊपर पानी बह रहा था। इसी दौरान कार वहां से गुजरते समय पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गई। पुलिस ने बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल सारंगपुर भेजा है। एसडीईआरएफ की टीम शेष दो लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

यूएन ने बनाया 'फोटो ऑफ द वीक' | भारत ने यूएन को भेंट किए पांच मोर

संयुक्त राष्ट्र में भारत की खास पहल, जेनेवा पहुंचा पांच मोरों का कुनबा

एजेंसी, जेनेवा

भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा को भेंट किए गए पांच भारतीय मोर रविवार को एरियाना पार्क पहुंच गए। संयुक्त राष्ट्र ने मोरों के आगमन की तस्वीरें साझा करते हुए इसे अपना 'फोटो ऑफ द वीक' बताया है। संयुक्त राष्ट्र जेनेवा कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारत के पांच मोर एरियाना पार्क पहुंच गए हैं। यह भारत के राष्ट्रीय पक्षी से जुड़ा एक सुंदर प्रतीकात्मक उपहार है और संयुक्त राष्ट्र परिसर में चली आ रही एक सदी पुरानी मोर परंपरा को आगे बढ़ाता है। 07 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि अरिंदम बागची ने एक विशेष समारोह में पांच मोरों को संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा की महानिदेशक तात्याना वलोवाया को सौंपा था। इनमें चार नीले और एक सफेद मोर शामिल हैं। वलोवाया ने भारत सरकार की इस पहल की सराहना की। उन्होंने बताया कि मोरों के लिए फिलहाल एक अस्थायी आवास तैयार किया गया है। शुरुआती करीब तीन महीने वे सुरक्षित और बंद परिसर में रहेंगे और वयस्क होने के बाद एरियाना पार्क में स्वतंत्र रूप से विचरण कर सकेंगे। भारत के स्थायी मिशन ने बताया कि यह भेंट भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच साझेदारी तथा बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एरियाना पार्क में मोरों की मौजूदगी एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जेनेवा का यह परिसर एक सदी से अधिक समय से मोरों का घर रहा है। भारत इससे पहले भी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा को मोर भेंट कर चुका है। वर्ष 1981 में भारत ने वहां एक जोड़ी मोर दिए थे। इस बार पांच नए मोरों के आने से एरियाना पार्क की जैव विविधता में भी वृद्धि होगी। भारतीय मिशन के अनुसार, भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर सुंदरता, गरिमा और दृढ़ता का प्रतीक है। इस पहल के जरिए भारत ने अपनी समृद्ध प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया है। भारत की ओर से मोरों का यह उपहार केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। भारतीय मिशन ने इसे भारत की समृद्ध प्राकृतिक विरासत, संयुक्त राष्ट्र के साथ दीर्घकालिक साझेदारी और बहुपक्षीय व्यवस्था में विश्वास का प्रतीक बताया है। संयुक्त राष्ट्र परिसर में भारत के राष्ट्रीय पक्षी का पहुंचना दोनों संस्थाओं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश को भी रेखांकित करता है।

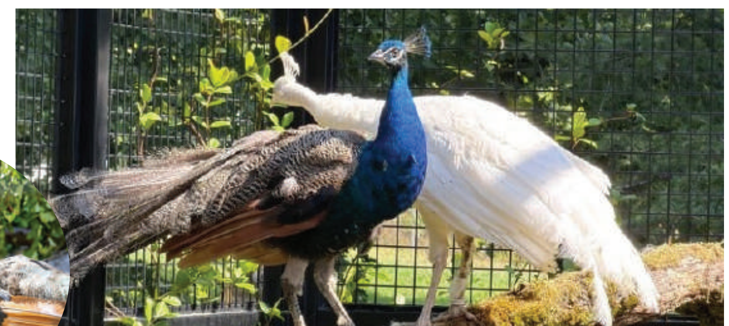

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बोंगावार में भक्ति जागरण मंडली व प्रसाद वितरण का आयोजन

कुजू। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नम्बर 03 बोंगावार मंडाटांड शिव मंदिर प्रांगण के निकट वार्ड पार्षद राजू गुप्ता उर्फ जयनारायण साव के सहयोग से भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान जागरण मंडली ग्रुप के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन की प्रस्तुति से माहौल शिवमय बना दिया। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भक्ति जागरण में शामिल हुए। कार्यक्रम आयोजन में समाजसेवी मिहिर चन्द मुंडा, फुलेश्वर महतो, तेजनारायण कुशवाहा, जोगेन्द्र गिरी, दिनेश महतो, जितेन्द्र प्रजापति, संतोष मुंडा, ललकु महतो, अनिल कुशवाहा व संतोष करमाली समेत महिला-पुरुष शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

बोकारो थर्मल में रैक लोडिंग में भारी गड़बड़ी, 26 की जगह 8 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हाइवा, दामोदर बचाओ आंदोलन ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

बोकारो थर्मल : दामोदर बचाओ आंदोलन ने बोकारो थर्मल में छाई की रैक लोडिंग के काम में बड़े पैमाने पर अनियमितता का गंभीर आरोप लगाते हुए डीवीसी प्रबंधन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। संगठन का आरोप है कि निर्धारित मार्ग और नियमों को ताक पर रखकर भारी हाइवा वाहन रिहायशी इलाकों से गुजर रहे हैं, जिससे न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा और पर्यावरण पर खतरा मंडरा रहा है, बल्कि सरकारी खजाने को भी चपत लगाई जा रही है।

दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला सह-संयोजक श्रवण सिंह ने डीवीसी अध्यक्ष को सोमवार को लिखे पत्र में बताया कि ऐश पौंड से प्लांट तक रैक लोडिंग के लिए वाहनों का निर्धारित मार्ग कुरपनिया-चार नंबर-जारंगडीह-कथारा के 26 किलोमीटर का मार्ग बतौर निविदा तय है। इसके बावजूद वाहन चालक नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सिर्फ 8 किलोमीटर वाले डीवीसी कॉलोनी के रिहायशी रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। घनी आबादी वाले इलाकों से भारी वाहनों के लगातार गुजरने के कारण सड़क दुर्घटनाओं का डर बना हुआ रहता है और धूल-प्रदूषण से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

शिकायत पत्र में वाहनों की निगरानी प्रणाली और ओवरलोडिंग पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। कहा गया है कि परिचालन में लगे किसी भी हाइवा में जीपीएस नहीं लगाया गया है, जिससे उनकी आवाजाही पर कोई निगरानी नहीं हो पा रही है। इसके अलावा एनएचएआई मार्ग पर चलने वाले इन वाहनों में तय क्षमता से अधिक ऐश भेजा जा रहा है।

सबसे बड़ा आर्थिक खेल दूरी के भुगतान में सामने आ रहा है। महज 8 किलोमीटर का रास्ता तय करने के बावजूद ठेकेदारों को 26 किलोमीटर के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है। इससे परिवहन लागत में बड़े पैमाने पर वित्तीय हेरफेर हो रहा है, जिसे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए दामोदर बचाओ आंदोलन ने डीवीसी प्रबंधन के समक्ष छह सूत्रीय मांगे रखी हैं, जिनमें सभी हाइवा वाहनों में तत्काल जीपीएस लगाना, रिहायशी क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर वास्तविक मार्ग की पुष्टि करना, कांटा घर के रिकॉर्ड को खंगालना तथा केवल तय की गई असल दूरी के हिसाब से भुगतान करना शामिल है। साथ ही, पूर्व में किए गए अतिरिक्त भुगतान की वसूली करने की भी सख्त मांग की गई है। पत्र की प्रतियां केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, झारखंड के परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ, आंदोलन के संरक्षक सरयू राय तथा डीवीसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी को भी प्रेषित कर कार्रवाई का आग्रह किया गया है।

बोकारो थर्मल में डीवीसी के संस्थापक कर्मी 96 वर्षीय सरदार महेंदर सिंह का निधन, पंडित नेहरू के हाथों हुए पावर प्लांट उद्घाटन के रहे थे साक्षी

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के एशिया प्रसिद्ध ए पावर प्लांट के संस्थापक कर्मी और 96 वर्षीय वयोवृद्ध अवकाश प्राप्त कर्मचारी सरदार महेंदर सिंह का उनके बोकारो थर्मल स्थित आवास पर निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को स्थानीय कोनार नदी घाट पर किया गया। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

सरदार महेंदर सिंह का डीवीसी और बोकारो थर्मल के इतिहास में ऐतिहासिक योगदान रहा है। उन्होंने न केवल डीवीसी के ए पावर प्लांट के निर्माण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, बल्कि संयंत्र का निर्माण पूरा होने के बाद वे इसमें बतौर नियमित कर्मचारी सेवाएं देने लगे। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा जब इस ऐतिहासिक पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया था, तब वे उस गौरवमयी क्षण के प्रत्यक्षदर्शी और साक्षी बने थे।

31 मई 1990 को अपनी दीर्घकालीन सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनकी तकनीकी दक्षता और अनुभव का सम्मान किया जाता रहा, जिसके चलते आवश्यकता पड़ने पर उन्हें अक्सर पावर प्लांट में मार्गदर्शन के लिए बुलाया जाता था। सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने लगभग 36 वर्षों तक डीवीसी से पेंशन प्राप्त की। डीवीसी के 75वें स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर एचओपी ने उन्हें पावर प्लांट में ससम्मान आमंत्रित कर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया था।

वे अपने पीछे एक भरा-पूरा और सुखी परिवार छोड़ गए हैं। उनके पुत्र रविंद्र सिंह भी अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए डीवीसी में ही कार्यरत थे, जो वर्ष 2020 में अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों, डीवीसी अधिकारियों और यूनियन प्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे एक युग का अंत बताया है।

भारती साहित्य परिषद कार्यकारिणी समिति की बैठक, काव्य संध्या आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारती साहित्य परिषद, बोकारो कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार की शाम वरिष्ठ साहित्यकार व इस संस्था के मुख्य संरक्षक सुखनंदन सिंह के को-ऑपरेटिव कालोनी स्थित आवास पर हुई। संस्था के अध्यक्ष डॉ परमेश्वर भारती की अध्क्षता में आयोजित इस बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की समीक्षा के साथ ही कार्यसमिति की समीक्षा भी की गई। साथ ही भावी कार्यक्रमों पर विचार किया गया। सर्वसम्मति से इस वर्ष का तुलसी जयंती समारोह रविवार, 23 अगस्त को सेक्टर 5 स्थित सदगुरु सदाफल देव आश्रम में अपराह्न 3:30 बजे से आयोजित करने का निर्णय लिया। कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद काव्यपाठ का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं सुनाईं। इस अवसर पर भारती साहित्य परिषद के संरक्षक व वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, उदय प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष ललन तिवारी, महामंत्री डॉ मनोज कुमार सिंह, संयुक्त मंत्री डॉ राम नारायण सिंह, परामर्शक विजय शंकर मल्लिक, दिनेश प्रसाद सिंह सहित डॉ एस एस प्रसाद, डॉ आशा पुष्प, कस्तूरी सिन्हा, कृपा नंद सिन्हा, नीतू सिसोदिया, पी ए सिसोदिया आदि उपस्थित रहे।

इंका मैप क्विज 2026 का परीक्षाफल घोषित , डीपीएस धुर्वा की टीम प्रथम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन (इंका) के झारखंड चैप्टर की ओर से 8 अगस्त को आयोजित मैप क्विज-2026 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा में राज्य के विभिन्न विद्यालयों की 14 टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें डीपीएस स्कूल धुर्वा की चार, कैराली स्कूल धुर्वा की तीन, डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर की चार, डीएवी नंदराज बरियातू की 15 तथा गवर्नमेंट प्लस-2 हाई स्कूल कांके की पांच टीम शामिल थीं। परीक्षा में डीपीएस पब्लिक स्कूल धुर्वा की रूहानी तिवारी, राज लक्ष्मी और आकांक्षा सिंह की टीम ने 91 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्रतीक रंजन, कार्तिक उरांव और गौरव कुमार वर्मा की टीम रही, जिसने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। तीसरे स्थान पर डीपीएस स्कूल रांची की अमेया देववर्षि, आशुतोष सिंह और शुभ की टीम ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। चौथे स्थान पर डीपीएस स्कूल रांची के अतुल पांडेय, अर्ध्य भारद्वाज और ध्रुव जैसवाल की टीम रही। पांचवें स्थान पर डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर के अर्पित सिंह, प्रशुन मिश्रा और निशित कश्यप तथा छठे स्थान पर नेतरहाट आवासीय विद्यालय के गौतम कुमार, नवाज अशरफ और सोहम कुमार की टीम रही। दोनों टीमों ने 89 प्रतिशत अंक हासिल किए। इंका के झारखंड चैप्टर के सचिव डॉ. शाहदेव राम के अनुसार, चयनित टीमें 12 सितंबर को रांची समेत हैदराबाद, कोलकाता, चंडीगढ़, दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद, देहरादून और बेंगलुरु में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय मैप क्विज परीक्षा में शामिल होंगी। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को 19 नवंबर को गुवाहाटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्टोग्राफिक कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

कर्ण गोष्ठी महिला समूह ने सावन में लगाए बेल के पौधे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' से प्रेरित होकर कर्ण गोष्ठी महिला समूह (बोकारो चैप्टर) की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई। पवित्र सावन माह के पावन अवसर पर संस्था की बोकारो ग्रुप अध्यक्षा पुष्पा रानी कर्ण के नेतृत्व में महिलाओं ने सेक्टर-4 स्थित स्पोर्ट्स क्लब परिसर में बेल का पौधा लगाकर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की।

धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से सावन में बेल के पौधे का अत्यंत विशेष महत्व माना जाता है।

इस अवसर पर अध्यक्षा पुष्पा रानी कर्ण ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ-साथ पशु-पक्षियों के अस्तित्व और सुरक्षा के लिए भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने हर व्यक्ति से अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत इस संस्था की महिलाओं ने इस अभियान को सफल बनाने में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विमला मल्लिक, निलिमा दत्त, माधुरी दास, रूपम रंजन, नूतन बाला, अंजना लाभ, वीणा कंठ, पूजा प्रिया, कविता कर्ण, श्वेता शरण और प्रिया कर्ण सहित कई अन्य सदस्याएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

विभागीय समस्याओं को लेकर कर्मचारियों ने उठाई आवाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के एसएमएस-2 और सीसीएस विभाग में बुनियादी सुविधाओं की कमी और स्थानीय समस्याओं को लेकर बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन विभागीय प्रतिनिधि अनिरुद्ध शर्मा ने किया। बैठक के दौरान कर्मचारियों ने कार्यस्थल की विभिन्न समस्याओं को यूनियन पदाधिकारियों के समक्ष रखा। इनमें 36 मीटर एरिया में पेयजल की अनुपलब्धता, खराब वाटर प्यूरीफायर, टूटी सड़कें, टपकते शेड, जर्जर जीसी शीट और कैंटीन की उचित व्यवस्था जैसी 15 प्रमुख मांगें शामिल हैं। इसके अलावा इंसेंटिव फॉर्मूला में संशोधन, एक्टिंग अलाउंस में सुधार, उच्च पेंशन अप्रूवल में देरी और अटेंडेंस करेक्शन में निष्पक्षता का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। यूनियन के महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप कुमार और कोषाध्यक्ष राहुल ने कर्मचारियों की समस्याओं को सूचीबद्ध करते हुए जल्द ही विभाग के मुख्य महाप्रबंधक से वार्ता कर इनके समाधान की दिशा में आगे आने का आश्वासन दिया। विभागीय प्रतिनिधि त्रिवेणी सिंह ने कहा कि एसएमएस-2 और सीसीएस विभाग बीएसएल का मुख्य केंद्र है, जहाँ कर्मचारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दिन-रात उत्पादन में जुटे हैं। उन्होंने प्रबंधन से अनुरोध किया कि कर्मचारियों की इन वाजिब समस्याओं का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए।

बहनों ने नन्हे हाथों ने बनाईं रंग-बिरंगी राखियां, डाक विभाग ने भाइयों तक पहुंचाया प्यार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डीपीएस बोकारो की प्राइमरी इकाई में लगी 'चिट्ठी-राखी' की पाठशाला

बोकारो: भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के पावन पर्व रक्षाबंधन को लेकर बच्चों में एक अलग ही उमंग और उत्साह देखने को मिल रहा है। सोमवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), सेक्टर-5 बोकारो के प्रांगण में रक्षाबंधन का त्योहार एक बेहद अनूठे और डिजिटल-दौर में भी आत्मीय अंदाज में मनाया गया। स्कूल परिसर में आयोजित विशेष गतिविधि के दौरान बच्चों ने अपनी कला, कल्पना और रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए अपने हाथों से बेहद आकर्षक और रंग-बिरंगी राखियां तैयार कीं। नन्हें हाथों से धागों और मोतियों को पिरोकर बनाई गई इन राखियों में बहनों का अपने भाइयों के लिए अपार प्रेम और आत्मीयता झलक रही थी।

इस बार रक्षाबंधन को और भी यादगार बनाया भारतीय डाक विभाग की एक सराहनीय और पहल ने।

डाक विभाग की ओर से स्कूल परिसर में ही एक विशेष व्यवस्था की गई, जहां बच्चों द्वारा तैयार की गई राखियों को वाटरप्रूफ व सुरक्षित राखी लिफाफों में पैक कराया गया। इसके बाद स्पीड पोस्ट के माध्यम से इन राखियों को देश के अलग-अलग कोनों में रहने वाले उनके भाइयों तक भेजने का इंतजाम किया गया। डाक विभाग के कर्मचारियों ने बच्चों को बड़े ही प्यार से समझाया कि कैसे राखी को सुरक्षित लिफाफे में रखा जाता है, उस पर सही पता दर्ज किया जाता है और स्पीड पोस्ट के जरिए वह कैसे समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचती है।

अपने ही हाथों से बनाई राखी को डाक विभाग के सुपुर्द कर भाइयों तक पहुंचाते देख बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने बेहद उत्साह के साथ भाग लिया। डाक विभाग की इस पहल से न केवल बच्चों में रक्षाबंधन का उत्साह कई गुना बढ़ गया, बल्कि आज की पीढ़ी में हमारी पारंपरिक और भरोसेमंद डाक सेवा के प्रति एक नई दिलचस्पी और आकर्षण भी देखने को मिला। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने उक्त आयोजन के लिए डाक विभाग के प्रयासों को सराहनीय बताया।

करमा दक्षिणी पंचायत में लाभुकों के बीच पशुओं का वितरण किया गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। क्षेत्र के करमा दक्षिणी पंचायत में सोमवार को पिपराबांध मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत ग्रामीण लाभुकों के बीच पशु पक्षी का वितरण किया गया। इस दौरान पंचायत के मुखिया खगेश्वर महतो व डॉ शैलेंद्र कुमार तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। द्वय लोगों ने मुख्यमंत्री पशुधन योजना के अन्तर्गत 20 लाभूको को बतख का चूजा व एक जोड़ी बैल का वितरण किया। साथ ही आगे भी आर्थिक रूप से मजबूत व स्वावलंबी बनाने में मदद करने का भरोसा दिलाया गया। मौके पर समाजसेवी लखीकान्त महतो, अजय मुंडा, कैलाश महतो, प्रकाश महतो, बालेश्वर महतो, रामेश्वर मांझी समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

जीजीएसइएसटीसी में रोटरी क्लब चास ने रोटरैक्ट क्लब को प्रदान किया चार्टर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

युवा शक्ति ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम : महेश केजरीवाल

बोकारो : गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटीज टेक्निकल कैंपस में रोटरी क्लब चास के तत्वावधान में नवगठित रोटरैक्ट क्लब को आधिकारिक चार्टर प्रदान करने हेतु एक समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रोटरी के पूर्व जिला पाल (पीडीजी) महेश केजरीवाल ने रोटरैक्ट क्लब के दूरगामी उद्देश्यों और सामाजिक क्रियाकलापों पर विस्तृत प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि युवा शक्ति में समाज के भीतर हर सकारात्मक और क्रांतिकारी बदलाव लाने की अद्भुत क्षमता निहित है। वहीं, रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रोटरैक्ट जैसा मंच युवा पीढ़ी में नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें समाज सेवा के महान कार्यों से जोड़ने का एक बेहतरीन और सशक्त माध्यम है।

विद्यार्थी समाज सेवा और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे आएं: निदेशक प्रियदर्शी जरूहार– समारोह का शुभारंभ प्रोफेसर अरुण प्रसाद बर्णवाल के स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने आए हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। संस्थान के निदेशक प्रियदर्शी जरूहार ने रोटरी एवं रोटरैक्ट क्लब द्वारा युवाओं को निःस्वार्थ समाजसेवा से जोड़ने की इस अनूठी पहल की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों और नेतृत्व के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी निभाना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

60 विद्यार्थियों ने ग्रहण की सदस्यता, लेपल पिन पहनाकर हुआ स्वागत– कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब चास के सचिव विनोद चोपड़ा ने जानकारी दी कि नवगठित रोटरैक्ट क्लब में संस्थान के 60 मेधावी विद्यार्थियों ने आधिकारिक रूप से सदस्यता ग्रहण की है। समारोह में क्लब के सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों एवं सदस्यों को लेपल पिन पहनाकर सम्मानित किया गया। रोटरैक्ट क्लब की सहायक पल्लवी प्रसाद ने सभी नए सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि इस क्लब के माध्यम से युवा अब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में अपना सक्रिय योगदान देंगे। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शफीक जहीर द्वारा किया गया। इस क्रम में रोट्रैक्ट क्लब के अध्यक्ष हर्षित राज, सचिव स्नेहा कुमारी और कोषाध्यक्ष आयुष सिंह बनाये गये।

इस आयोजन के दौरान सहायक जिला पाल पूजा बैद, पुष्पा केजरीवाल, ललिता चोपड़ा, संजय बैद, विनय सिंह, विजय अग्रवाल, उषा कुमार, ज्योति अग्रवाल, पूर्वी केजरीवाल तथा संस्थान के कई प्रोफेसर और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने एक स्वर में नवगठित रोटरैक्ट क्लब के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विद्यार्थियों को समाज कल्याण के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया।

दूसरे सोमवारी पर कोयलांचल के शिवालयों में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवारी पर कोयलांचल कुजू व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तों ने जलाभिषेक किया। क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतार अहले सुबह से ही लगी थी।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ को जल , दूध, बेलपत्र के साथ ही विभिन्न प्रकार के मौसमी फल अर्पित किया। साथ ही परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य व क्षेत्र में शांति की कामना की। इस दौरान

कुजू, तोपा, पिंडरा, सांडी, मांडू व आसपास के गांवों के शिव मंदिरों में दिनभर हर-हर महादेव व बोल बम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मौके पर प्राचीन शिव मंदिर टूटीझरना में दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक कर मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना की। यहां लगी श्रद्धालुओं की भीड़ को कतारबद्ध कराने में कुजू ओपी पुलिस के अधिकारी व कर्मी काफी मशक्कत करते दिखे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

गोस्वामी समाज ने आयोजित किया प्रतिभा सम्मान समारोह

मेधावी छात्रा अनुप्रिया को मिला पांच हजार का चेक

कसमार (बोकारो) : गोस्वामी समाज झारखंड की बोकारो जिला समिति ने सोमवार को टांड़ बालीडीह पंचायत भवन में पूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरि की जयंती पर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मैट्रिक (सीबीएसई) में 94 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली अनुप्रिया को पांच हजार रुपये का चेक दिया गया। रागिनी गिरी और दीपिका गोस्वामी को भी सम्मानित किया गया। वहीं, यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने वाले अशोक पारस को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष चक्रधर नाथ गोसाईं ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति का आधार है। प्रतिभाओं को सम्मान मिलने से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। जैनामोड़ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिलाध्यक्ष डॉ पूर्णेंदु गोस्वामी ने विद्यार्थियों से मेहनत और अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक पारस ने किया। मौके पर सरयू प्रसाद गोस्वामी, कामेश गोस्वामी, देवीलाल गोस्वामी, धीरेंद्र नाथ गोस्वामी, विराट गोस्वामी, वसिमा खातून, राजदेव राय व विनीता देवी समेत अन्य उपस्थित थे।

कसमार के बबलू को लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह का मिला निमंत्रण

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के युवा एवं हिसीम गांव निवासी साईं नाथ विश्वविद्यालय के छात्र बबलू कुमार महतो को 15 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के लाल किले में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण मिला है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आमंत्रण में उनका नाम दर्ज है एवं उन्हें वेम्बनाड परिसर आवंटित किया गया है। यह अवसर माय भारत द्वारा आयोजित भारत 1947 से भारत 2047 विषयक राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में चयन के बाद मिला है। बबलू इससे पहले अंतरराष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में विश्व स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल कर चुके हैं। इसके बाद माय भारत बजट क्वेस्ट में करीब 12 लाख प्रतिभागियों के बीच चयनित होकर प्रधानमंत्री के साथ वर्चुअल कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

वे प्राकृतिक रक्षण और अखण्ड भारत पर्यावरण यात्रा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं युवाओं को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

डीपीएस चास को मिला इंस्टीट्यूशन ऑफ द ईयर सम्मान

प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी एकेडमिक लीडरशिप एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), चास ने शिक्षा और सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में सफलता की एक नई इबारत लिखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर दोहरा परचम लहराया है। नई दिल्ली में 8 अगस्त 2026 को आयोजित सिल्वरज़ोन फाउंडेशन के 23वें एजुकेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स समारोह में डीपीएस चास को प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूशन ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके साथ ही, विद्यालय की प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी को उनके कुशल मार्गदर्शन, शैक्षणिक मानकों को सुदृढ़ करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एकेडमिक लीडरशिप एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त महानिदेशक जय प्रकाश पांडेय उपस्थित रहे। उन्होंने डीपीएस चास की इस दोहरी सफलता पर विद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सिल्वरज़ोन फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। प्राचार्या और प्रबंधन ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों के अटूट विश्वास और सामूहिक समर्पण को दिया। डीपीएस चास परिवार ने दोहराया कि यह सम्मान भविष्य के लिए जिम्मेदार, आत्मविश्वासी और नवाचारी वैश्विक नागरिक तैयार करने के उनके संकल्प को और मजबूत बनाता है।

चास नगर निगम में नागरिक सुविधाओं को पंख लगाने की बड़ी पहल, डीसी अजय नाथ झा ने मेयर, उप मेयर व पार्षदों संग की अहम बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आम नागरिकों को विश्वस्तरीय और निर्बाध मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने पूरी तरह कमर कस ली है। सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में चास नगर निगम के मेयर, उप मेयर एवं सभी वार्ड पार्षदों के साथ एक अति महत्वपूर्ण एवं उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य ध्येय नगर निगम क्षेत्र में पेयजल, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई और बुनियादी अवसंरचना से जुड़ी आमजनों की समस्याओं का त्वरित और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना रहा। बैठक के दौरान उपायुक्त ने एक-एक कर सभी वार्डों की स्थिति, स्थानीय समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी ली तथा मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष फोकस, नियमित होगी वार्डवार समीक्षा- बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ पेयजल और मुकम्मल साफ-सफाई पहुंचाना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन-जिन वार्डों में पेयजल की किल्लत या तकनीकी समस्याएं हैं, उनकी त्वरित सूची तैयार कर समाधान की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। पेयजल आपूर्ति की स्थिति को और दुरुस्त करने के लिए जल्द ही एक अलग विशेष समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही पूरी स्वच्छता व्यवस्था को पटरी पर लाने, कचरा उठान को नियमित करने और सफाई से जुड़ी शिकायतों का समय सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए।

तीन दिनों के भीतर दुरुस्त होंगी सभी खराब स्ट्रीट लाइटें, हर वार्ड में खुलेगी मोहल्ला लाइब्रेरी- स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाया और लाइट इंस्पेक्टर के लॉगबुक का नियमित संधारण सुनिश्चित करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिन के समय खराब पड़ी लाइटों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर पूरा किया जाए और शाम के समय अधिकारी स्वयं क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रकाश व्यवस्था का जायजा लें। उन्होंने तीन दिनों की सख्त समय सीमा तय करते हुए कहा कि क्षेत्र की सभी बंद या खराब स्ट्रीट लाइटों को हर हाल में दुरुस्त किया जाए। इसके अतिरिक्त बच्चों और युवाओं को पढ़ाई का बेहतर एवं शांत माहौल देने के ऐतिहासिक कदम के तहत उपायुक्त ने सभी वार्डों में उपयुक्त स्थल चिन्हित कर मोहल्ला लाइब्रेरी विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय संसाधनों के जरिए छात्र-छात्राओं को अपने ही वार्ड में अध्ययन की बेहतरीन सुविधा मिल सके।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों और जनसमस्याओं के निस्तारण पर दिया गया जोर- आगामी राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने पूरे नगर निगम क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और जगमगाती प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि इस पावन अवसर को पूरी गरिमा और भव्यता के साथ मनाया जा सके। बैठक के दौरान मेयर भोलू पासवान, उप मेयर पूजा कुमारी और सभी वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की जनसमस्याओं और बुनियादी जरूरतों से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ने सभी जनप्रतिनिधियों की बातों को अत्यंत गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए हर मुद्दे पर संबंधित विभागीय अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करेंगे।

कसमार प्रखंड के पांच पंचायतों में बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों का गठन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : मिशन वात्सल्य के तहत बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के लिए सोमवार को कसमार प्रखंड के पांच पंचायतों में पंचायत स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन हुआ। इन समितियों की कमान स्थानीय मुखिया के हाथों में सौंपी गई है, ताकि गांव के स्तर पर ही बच्चों से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान किया जा सके। इस दौरान प्रखंड के मधुकरपुर, बरईकला, कसमार, मंजुरा एवं टांगटोना में सीडब्ल्यूपीसी का गठन किया गया। इस दौरान बताया गया कि समिति की अध्यक्षता मुखिया या उपमुखिया करेंगे, जबकि पंचायत सचिव इसके सदस्य सचिव होंगे। इनके अलावा पांच पंचायत प्रतिनिधि, क्षेत्र की सबसे सक्रिय आंगनबाड़ी सेविका और ग्राम सभा द्वारा मनोनीत बाल मामलों के विशेषज्ञ इसके सदस्य होंगे। बच्चों की सीधी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए बाल संसद से 14 से 17 वर्ष के किशोर-किशोरियों को बैठकों में आमंत्रित किया जाएगा। इस दौरान मुखिया राजेंद्र महतो, परिपुषा देवी एवं अनीता देवी ने बताया कि समिति के गठन से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ने और विकट परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में बड़ी मदद मिलेगी। मौके पर मुखिया परिपूषा कुमारी, ममता देवी, पंचायत सचिव धरणीधर सिंह, गौतम मांझी, मो इमरोज एवं सहयोगिनी संस्था के प्रकाश कुमार महतो, रवि कुमार, विकास गोस्वामी, रेखा देवी, सूर्यमणि देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड +2 शिक्षक संघ ने की वरीय वेतनमान शीघ्र देने की मांग, सेवा संपुष्टि और वेतन संरक्षण पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड +2 शिक्षक संघ, बोकारो जिला कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बैठक सेक्टर पांच स्थित ऐतिहासिक पुस्तकालय मैदान में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर आयोजित इस बैठक की शुरुआत में कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने एक स्वर में आदिवासी समाज की अनवरत उन्नति, प्रगति और मान-सम्मान की मंगलकामना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही संघ के सभी प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से जल, जंगल, जमीन और शिक्षक समाज के ज़मीर की रक्षा करने का अटूट संकल्प दोहराया।

बैठक के दौरान टीजीटी संवर्ग से पदोन्नत होकर पीजीटी में आए शिक्षकों के वेतन संरक्षण के ज्वलंत मुद्दे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संगठन ने उन सभी नवप्रोन्नत +2 शिक्षकों से, जिनकी अब तक सेवा संपुष्टि नहीं हो सकी है, पुरजोर आह्वान किया कि वे बिना किसी विलंब के अपनी-अपनी सेवा पुस्तिका और संबंधित आवश्यक अभिलेखों को तत्काल जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय भिजवाना सुनिश्चित करें। इससे ससमय उनकी सेवा संपुष्टि, सेवा निरंतरता एवं अन्य प्रशासनिक कागजी कार्यवाही को निर्बाध रूप से पूरा कराया जा सकेगा।

बैठक के सबसे मुख्य एजेंडे के तहत सभी योग्यताधारी पीजीटी शिक्षकों को बिना किसी प्रशासनिक देरी के शीघ्र वरीय वेतनमान (सीनियर पे स्केल) प्रदान करने का मामला जोर-शोर से उठा। इस संदर्भ में संघ ने एक स्वर से प्रस्ताव पारित करते हुए निदेशक माध्यमिक शिक्षा (झारखण्ड सरकार) तथा माननीय शिक्षा मंत्री से त्वरित और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। इस बैठक में संगठन के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा, उपाध्यक्ष कौशल कुमार मुखर्जी एवं दीपा पंकज लाटा, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, उप संगठन मंत्री मुकेश कुमार यादव तथा विद्यालय प्रतिनिधि जितेन्द्र कुमार समेत जिले भर के कई अन्य प्रमुख +2 शिक्षक एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : डीसी अजय नाथ झा ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता वैन को किया रवाना

» **53,224 किसानों को फसल सुरक्षा कवच देने का बड़ा लक्ष्य**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्राकृतिक आपदाओं और अनिश्चित मौसम की मार से किसानों की खून-पसीने की मेहनत को सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बेहद महत्वपूर्ण पहल की है। समाहरणालय परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ-2026) के तहत विशेष जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर हरी झंडी दिखाई और विभिन्न पंचायतों के लिए रवाना किया। यह विशेष प्रचार-प्रसार वैन जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और गांवों में घूम-घूमकर किसानों को फसल बीमा योजना के दूरगामी लाभों, पात्रता और आवेदन की पूरी प्रक्रिया से विस्तारपूर्वक अवगत कराएगी, ताकि कोई भी योग्य किसान इस कल्याणकारी योजना से वंचित न रहे।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और कृषकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने बताया कि इस खरीफ सत्र के दौरान जिले के कुल 53,224 किसानों को फसल बीमा योजना के दायरे में लाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने जिले के सभी कृषक भाइयों से पुरजोर अपील करते हुए कहा कि वे आगे आकर अधिक से अधिक संख्या में इस योजना से जुड़ें और अपनी फसलों का सुरक्षा बीमा अवश्य कराएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सूखा, अतिवृष्टि या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण यदि फसलों को नुकसान पहुंचता है, तो यह बीमा योजना किसानों को पूर्ण आर्थिक संबल और सुरक्षा प्रदान करेगी, जिससे वे किसी भी संकट की घड़ी में आर्थिक रूप से सशक्त बने रहेंगे।

योजना की व्यावहारिक बारीकियों को साझा करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि किसान 31 अगस्त 2026 तक इस फसल बीमा योजना का लाभ उठाने के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण और राहत देने वाली बात यह है कि किसान अपने नजदीकी पैक्स अथवा प्रज्ञा केंद्र में जाकर मात्र एक रुपये की टोकन राशि जमा करके अपनी फसल का बीमा आसानी से करा सकते हैं। सरकार की यह जन-उपयोगी सुविधा ऋणी और गैर-ऋणी दोनों ही श्रेणियों के किसानों के लिए समान रूप से उपलब्ध कराई गई है, जिससे हर तबके के किसान को इसका सीधा लाभ मिल सके।

जागरूकता वैन को रवाना करने के इस कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी ऋतुराज प्रसाद, जिला कृषि पदाधिकारी मो. शाहिद, विभिन्न प्रखंडों के सहकारिता पदाधिकारी एवं प्रबंधक सहित कृषि व सहकारिता विभाग के कई अन्य अधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे। अधिकारियों ने एक स्वर में दोहराया कि जागरूकता वैन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजना की सटीक जानकारी पहुँचाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

कसमार में लघु उद्योग पेवर ब्लॉक का मुखिया ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत मंजूरा के सपाहीटांड़ में सोमवार को लघु उद्योग 'पेवर ब्लॉक' का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्योग का विधिवत उद्घाटन मंजूरा पंचायत की मुखिया ममता देवी ने कुड़मालि परंपरा एवं नेगाचारि का पालन करते हुए पूजा-अर्चना के साथ किया। पेवर ब्लॉक लघु उद्योग के संस्थापक पूर्व मुखिया नरेश कुमार महतो ने बताया कि इस उद्योग की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पेवर ब्लॉक की बढ़ती मांग को पूरा करना और स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार व काम के अवसर प्रदान करना है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुखिया ममता देवी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव और पंचायत स्तर पर ऐसे छोटे उद्योगों की शुरुआत से आत्मनिर्भरता बढ़ती है और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलती है।

पेवर ब्लॉक लघु उद्योग के उद्घाटन के दौरान काफी स्थानीय ग्रामीण एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिन्होंने उद्योग की सफलता और प्रगति की कामना की। इस अवसर पर कई पंचायत प्रतिनिधि, समाजसेवी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय बोकारो में इंटर हाउस समूह लोकनृत्य प्रतियोगिता

» **भारतीय सांस्कृतिक कला हमारी धरोहर : प्राचार्य सूरज शर्मा**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय संस्कृति एवं यहां की लोक कला पूरी दुनिया में अलग पहचान रखती है। इस लोक कला की धरोहर को नई पीढ़ी तक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चिन्मय विद्यालय, बोकारो में सोमवार को अंतर-सदन समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें मिडिल विंग के विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ अपनी भागीदारी दिखाई। कार्यक्रम के दौरान सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद चिट के माध्यम से विद्यालय के विभिन्न सदनों को भारत के विभिन्न क्षेत्र दिए गए, जिसमें - अग्नि सदन को उत्तर, जल सदन को पश्चिम, पृथ्वी सदन को पूर्व और वायु सदन को भारत का दक्षिण क्षेत्र दिया गया। विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य एवं रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हुए अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले जीवंत लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के परिणामों में जल सदन ने प्रथम स्थान, पृथ्वी सदन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि वायु सदन और अग्नि सदन संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का आनंद लिया एवं भारतीय लोक संस्कृति के बारे में भी विस्तार से जाना। प्रतिभागियों का मूल्यांकन बिस्वजीत कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान विंग प्रभारी रश्मि सिंह और कार्यक्रम संयोजक प्रिया मंडल उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि पूरे विश्व में भारतीय लोक कला एवं संस्कृति सबसे विविध और समृद्ध है। नई पीढ़ी को लोक संस्कृति के बारे में जानना चाहिए और इसके विस्तार के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों की मदद से विद्यार्थी अकादमी शिक्षा के साथ - साथ व्यावहारिक शिक्षा भी प्राप्त करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं भी दी।

बीएसएल में ऑनलाइन वेंडर रजिस्ट्रेशन पोर्टल की शुरुआत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में डिजिटलाइजेशन एवं प्रक्रिया सरलीकरण की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए मटेरियल मैनेजमेंट- रजिस्ट्रेशन एंड वेंडर रेटिंग विभाग द्वारा सीएंडआईटी विभाग के सहयोग से ऑनलाइन वेंडर रजिस्ट्रेशन पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल का उद्देश्य वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सरल, त्वरित, पारदर्शी एवं पेपरलेस बनाना तथा प्रक्रिया में दक्षता बढ़ाना एवं हितधारकों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है। डिजिटलाइजेशन की पहल के अंतर्गत विकसित यह पोर्टल वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया में लगने वाले समय को उल्लेखनीय रूप से कम करने में सहायक होगा।

गौरतलब है कि पूर्व में वेंडर पंजीकरण की प्रक्रिया में भौतिक फाइलों के माध्यम से कार्यवाही किए जाने के कारण पंजीकरण में समय लगता था। परंतु अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करते हुए पंजीकरण की अवधि को न्यूनतम करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पात्र वेंडरों के पंजीकरण की प्रक्रिया में तेजी आएगी और बीएसएल के साथ व्यावसायिक सहभागिता की प्रक्रिया अधिक सुगम होगी।

पोर्टल के माध्यम से वेंडर पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन एवं पेपरलेस होगी, जिससे वेंडर अपने आवेदन तथा आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। इससे दस्तावेजों के प्रबंधन में भी दक्षता बढ़ेगी तथा मैनुअल कार्यवाही में कमी आएगी। साथ ही, प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की बेहतर निगरानी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने में भी सुविधा होगी।

उल्लेखनीय है कि इस पोर्टल को बीएसएल के एसएपी सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। इस एकीकरण से पंजीकरण से संबंधित डेटा का रियल-टाइम फ्लो सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इससे डेटा की सटीकता एवं एकरूपता बनाए रखने, प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी तथा पंजीकरण संबंधी कार्यों के सुचारु निष्पादन में सुविधा होगी। यह पहल न केवल वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने में सक्षम है, बल्कि बीएसएल और उसके वेंडर नेटवर्क के बीच बेहतर समन्वय एवं व्यावसायिक सहभागिता को भी मजबूत करने में सहायक होगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा में गूंजी पिंड्राजोरा को प्रखंड का दर्जा दिलाने की मांग

बोकारो : बोकारो की विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने झारखंड विधानसभा के सत्र के दौरान पिंड्राजोरा क्षेत्र को नया प्रखंड का दर्जा देने की बहुप्रतीक्षित मांग को प्रमुखता और प्रखरता के साथ उठाया। विधानसभा के पटल पर क्षेत्र की जनता की आवाज को मुखर करते हुए विधायक ने कहा कि पिंड्राजोरा को स्वतंत्र प्रखंड घोषित किया जाना यहां के ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों की वर्षों पुरानी, न्यायसंगत और अत्यंत महत्वपूर्ण मांग है। क्षेत्र के निरंतर बदलते स्वरूप, विस्तृत भौगोलिक स्थिति, तेजी से बढ़ती आबादी और बढ़ती प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अब पिंड्राजोरा को पूर्ण प्रखंड का दर्जा दिया जाना व्यापक जनहित में बेहद आवश्यक हो गया है।

विधायक श्वेता सिंह ने सदन के समक्ष तर्क रखते हुए कहा कि पिंड्राजोरा को अलग प्रखंड का दर्जा मिल जाने से यहां के ग्रामीणों, किसानों और युवाओं को केंद्र व राज्य सरकार की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सेवाओं का सीधा लाभ स्थानीय स्तर पर ही आसानी से मिलने लगेगा। इससे न केवल आम नागरिकों को अपने छोटे-छोटे प्रशासनिक एवं सरकारी कार्यों के लिए दूर-दराज के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र के बुनियादी अवसंरचनात्मक विकास को भी एक नई दिशा और रफ्तार प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं, बल्कि जनता के सम्मान और सुविधा से जुड़ा संवेदनशील विषय है। उन्होंने राज्य सरकार से पुरजोर अपील की कि जनभावनाओं की संवेदनशीलता और क्षेत्र की भौगोलिक अनिवार्यताओं को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द पिंड्राजोरा को प्रखंड घोषित करने की दिशा में सकारात्मक एवं ठोस कदम उठाए जाएं।

डीएवी तोपा में नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कुजू। सीसीएल तोपा परियोजना स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल तोपा में सोमवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों व विद्यालय परिवार को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इसका उद्देश्य नशा को नाश का कारण बताते हुए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने, स्वस्थ, सुरक्षित व नशामुक्त समाज निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने संगीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से नशामुक्ति का संदेश प्रभावशाली ढंग से दिया। मौके पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्राचार्य आरके सिन्हा ने युवा पीढ़ी को नशे से बचाना परिवार, विद्यालय व समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, आत्मअनुशासन व स्वस्थ जीवनशैली के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रांची में सीआईडी के आफिस पहुंचीं जेपीएससी की पूर्व सदस्य अजिता भट्टाचार्य

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में गड़बड़ी मामले की जांच कर रहे अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के समन के बाद जेपीएससी की पूर्व सदस्य डॉ. अजिता भट्टाचार्य सोमवार को पूछताछ के लिए यहां सीआईडी कार्यालय पहुंचीं। सूत्रों ने बताया कि जेपीएससी के तीनों सदस्यों को सीआईडी की ओर से समन भेजा गया था। समन के बाद तीनों सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब जांच एजेंसी उनसे परीक्षा प्रक्रिया और कथित गड़बड़ियों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितता के मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान आयोग से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा चुकी है। इसी क्रम में पूर्व सदस्य अजिता भट्टाचार्य को आज सीआईडी कार्यालय बुलाया गया है।

विधानसभा के मुख्य द्वार पर लेटे आजसू विधायक तिवारी महतो, जेपीएससी-जेएसएससी गड़बड़ी की सीबीआई जांच की मांग

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के विधायक तिवारी महतो ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के मुख्य द्वार पर लेटकर जेपीएससी मामले में राज्य सरकार की नीतियों का विरोध किया। उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर जेपीएससी, जेएसएससी और सीजीएल परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई थी। इस दौरान विधायक तिवारी महतो ने कहा कि जब राज्य सरकार छात्रों की 98 प्रतिशत मांगें मान चुकी है तो बाकी एक-दो मांगों को स्वीकार करने में क्या परेशानी है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की सभी मांगें जल्द से जल्द मान लेनी चाहिए। उन्होंने परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विधायक ने कहा कि सरकार को छात्रों के आंदोलन का समाधान निकालना चाहिए, न कि उसे दबाने की कोशिश करनी चाहिए। तिवारी महतो ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार छात्र आंदोलन के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बदनाम कर रही है, जबकि सरकार की नीयत पर ही सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मामले में सरकार को गंभीरता दिखाते हुए उनकी सभी मांगों पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

विधानसभा में उठा आंधी-तूफान से मकान क्षति के मुआवजे का स्लैब बदलने का मुद्दा, केंद्र से पत्राचार करेगी सरकार

रांची। झारखंड विधानसभा में सोमवार को आंधी-तूफान के कारण मकान गिरने या क्षतिग्रस्त होने वाले लोगों को मिलने वाली सरकारी सहायता का मुद्दा उठाया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक डॉ. लुईस मरांडी ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार से मांग की कि निर्धारित सहायता राशि की सीमा में बदलाव कर वास्तविक नुकसान के आकलन के आधार पर पीड़ितों को मुआवजा देने की व्यवस्था की जाए। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार के प्रावधानों के अनुसार प्राकृतिक आपदा के कारण मकान को आंशिक क्षति होने पर चार हजार, पांच हजार या आठ हजार रुपये तथा मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने पर एक लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि निर्धारित स्लैब के कारण कई मामलों में मकान को हुए वास्तविक नुकसान के अनुपात में पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल पाता है। इसके जवाब में आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार से पत्राचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से आवश्यक राशि की मांग करेगी, ताकि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को उचित सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा सके। मंत्री ने कहा कि सरकार आपदा से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपलब्ध प्रावधानों के तहत सहायता उपलब्ध करा रही है।

विधानसभा घेराव : बैरिकेडिंग तोड़कर विधानसभा के करीब पहुंचे छात्र, वाटर कैनन और लाठीचार्ज से रोकने की कोशिश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का विधानसभा घेराव सोमवार को उग्र होता गया। हाथों में तिरंगा, पोस्टर और बैनर लिए बड़ी संख्या में छात्र नए विधानसभा की ओर बढ़े। छात्रों को रोकने के लिए प्रशासन ने पुराने विधानसभा के पास कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की थी, लेकिन प्रदर्शनकारी लगातार बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ते रहे। छात्र चौथी बैरिकेडिंग भी पार कर विधानसभा से करीब 100 मीटर की दूरी तक पहुंच गए। स्थिति को नियंत्रित करने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों की ओर से पुलिस पर पथराव किया गया, जिसमें एक पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना है। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। हालांकि, इसके बावजूद छात्रों का आगे बढ़ने का सिलसिला नहीं रुका। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग को खींचकर हटा दिया और आगे बढ़ गए। धरने पर बैठे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो भी छात्रों के साथ विधानसभा के करीब पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से वहीं धरना देने और विधानसभा के गेट के पास नहीं जाने का आग्रह किया। जयराम महतो ने छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने और संयम बनाए रखने की अपील की। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मार्च के प्रतिनिधिमंडल ने भी लगातार छात्रों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल की ओर से कहा गया कि आंदोलन के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति पैदा न हो, इसके लिए छात्र संयम बनाए रखें और विधानसभा की ओर आगे न बढ़ें। प्रशासन ने मुख्य रास्तों पर बैरिकेडिंग कर छात्रों को रोकने की कोशिश की, लेकिन बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी कच्चे और पहाड़ी रास्तों से होकर आगे बढ़ गए। कई छात्र जगन्नाथ मंदिर तक पहुंच गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को पार करने के बजाय वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल किया और विधानसभा की दिशा में आगे बढ़ते रहे। कई जगह छात्रों ने बैरिकेडिंग को खींचकर हटा दिया। लगातार बढ़ती भीड़ के कारण रिफॉर्म मार्च के प्रतिनिधिमंडल के लिए भी प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। प्रशासन ने प्रतिनिधिमंडल से भी छात्रों को विधानसभा की ओर बढ़ने से रोकने में सहयोग करने का आग्रह किया। विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों का अलग अंदाज भी देखने को मिला। कुछ छात्र स्पाइडरमैन और वनमानुष का रूप धारण कर प्रदर्शन में शामिल हुए। उनके हाथों में विभिन्न संदेश लिखे पोस्टर थे। वहीं, कुछ प्रदर्शनकारियों में फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की झलक भी देखने को मिली। आंदोलन के दौरान भूख हड़ताल कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो भी पालकी में बैठकर धरना स्थल पर पहुंचे। उनकी मौजूदगी से प्रदर्शनकारियों में उत्साह देखने को मिला। छात्र लंबे समय से जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। रिफॉर्म मार्च के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदर्शनकारियों से अपील की कि यदि भीड़ में कोई असामाजिक तत्व नजर आए तो इसकी सूचना तत्काल प्रतिनिधिमंडल को दी जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि ऐसे लोगों को पुलिस के हवाले किया जाएगा, ताकि आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखा जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रों को बताया कि मार्च को जगन्नाथपुर मंदिर तक ले जाकर वहां धरना दिया जाएगा। हालांकि विधानसभा की ओर बड़ी संख्या में छात्रों के लगातार बढ़ने और बैरिकेडिंग टूटने के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन प्रदर्शनकारियों को विधानसभा के गेट तक पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रहा है, जबकि छात्र अपनी मांगों को लेकर आगे बढ़ने पर अड़े हुए हैं।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी जेपीएससी की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं के मामले में हुई है। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उन्हें अपने कार्यालय ले गई है। पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें सोमवार शाम न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। एल खियांग्ते ने 22 जुलाई को जेपीएससी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद मामले की जांच कर रही सीआईडी ने उन्हें समन जारी कर 28 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया था। जांच एजेंसी ने उनसे कई दौर में पूछताछ की। सीआईडी ने पहले दिन करीब आठ घंटे, दूसरे दिन लगभग नौ घंटे और तीसरी बार 31 जुलाई को करीब नौ घंटे तक एल खियांग्ते से पूछताछ की थी। लंबी पूछताछ के बाद अब उनकी गिरफ्तारी की गई है। एल खियांग्ते को समन जारी करने से पहले सीआईडी ने कांके रोड स्थित उनके सरकारी आवास और जेपीएससी कार्यालय में उनके कक्ष की तलाशी ली थी। करीब पांच घंटे चली इस कार्रवाई के दौरान जांच टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच की और आवश्यक साक्ष्य जब्त किए थे। एजेंसी के कार्यालय से भी परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड कब्जे में लिए गए।

जेपीएससी के तीन सदस्यों ने दिया इस्तीफा- इसी मामले में जेपीएससी की तीन सदस्यों अजिता भट्टाचार्य, अनिमा हांसदा और जमाल अहमद ने रविवार, 9 अगस्त को अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। तीनों ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को अपना त्यागपत्र सौंपा, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। तीनों सदस्यों का इस्तीफा ऐसे समय हुआ है, जब सीआईडी ने कथित परीक्षा अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में उन्हें भी पूछताछ के लिए तलब किया था। हालांकि, उनके इस्तीफे के औपचारिक कारणों का अब तक खुलासा नहीं हुआ है।

अब तक 11 गिरफ्तारियां- इस मामले में सीआईडी अब तक जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता समेत 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच एजेंसी परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

एम्बुलेंस से विधानसभा घेराव करने पहुंचे देवेंद्रनाथ महतो, समर्थकों ने कंधे पर उठाकर आगे बढ़ाया

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

जेपीएससी-जेएसएससी समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ छात्रों का सत्याग्रह आंदोलन सोमवार को 17वें दिन और भूख हड़ताल नौवें दिन में प्रवेश कर गया। इस बीच छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो जयपाल सिंह स्टेडियम से एंबुलेंस के जरिए सीधे विधानसभा घेराव मार्च में शामिल होने पहुंचे। एंबुलेंस से उतरते ही उत्साहित छात्र अभ्यर्थियों और समर्थकों ने देवेंद्र नाथ महतो को कंधे पर उठा लिया और उन्हें मार्च में आगे लेकर बढ़े। इस दौरान छात्रों में खासा उत्साह नजर आया। देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि जब तक सरकार छात्रों की मांगों को पूरी तरह लागू नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा घेराव में झारखंड के अलावा राज्य के बाहर रहने वाले लोग भी शामिल होने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन छात्रों के संघर्ष के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। महतो ने आरोप लगाया कि छात्र पिछले 17 दिनों से धैर्य के साथ जयपाल सिंह स्टेडियम में सत्याग्रह कर रहे हैं और सरकार से उनकी मांगों पर विचार करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई है। महतो ने कहा कि युवा ऊर्जा से भरे होते हैं, लेकिन इसके बावजूद आंदोलन के दौरान छात्र अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ अश्लील या आपत्तिजनक नारे नहीं लगाए। इसके बावजूद छात्रों के प्रति सरकार का रवैया ऐसा है, जैसे वे उसके दुश्मन हों।

▪ मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन : देवेंद्र नाथ महतो

उन्होंने कहा कि नुकीले तार, बैरिकेडिंग या किसी अन्य तरह की रुकावट छात्रों को उनकी मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। महतो ने दावा किया कि विधानसभा घेराव के इस दिन और सरकार की कथित कार्रवाई को पूरा देश देख रहा है। उन्होंने दोहराया कि छात्रों की मांगें पूरी होने तक उनका सत्याग्रह और आंदोलन जारी रहेगा।

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के विधानसभा घेराव के बीच भाजपा का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के विधानसभा घेराव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी सोमवार को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर मुख्यमंत्री आवास के बाहर पहुंचे और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस्तीफे की मांग की। मुख्यमंत्री आवास के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे इलाके में बैरिकेडिंग की गई है और बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। इसके बावजूद भाजपा कार्यकर्ता बैरिकेडिंग के पास पहुंचकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। मौके पर पुलिस बल की भारी तैनाती के साथ स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थियों के आंदोलन के बीच भाजपा के इस प्रदर्शन से राजधानी में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

विधानसभा घेराव में 'पुष्पा भाऊ' का अंदाज, बोले- झुकेगा नहीं झारखंड का छात्र

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

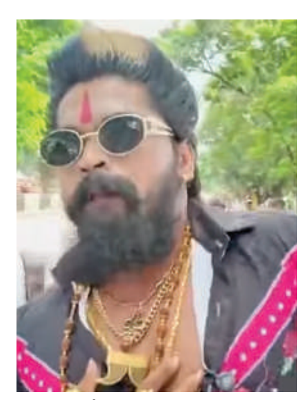

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को रांची में हुए विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शन का एक अलग रंग देखने को मिला। बॉलीवुड अभिनेता के चर्चित किरदार 'पुष्पा राज' के अंदाज में वायरल 'पुष्पा भाऊ' छात्रों के समर्थन में आंदोलन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई। 'पुष्पा भाऊ' ने कहा कि छात्रों के लंबे समय से चल रहे आंदोलन को देखकर वह काफी आहत हुए और इसी वजह से उनके समर्थन में झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने जंतर-मंतर पर हुए कुछ प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां जिस तरह की आपत्तिजनक भाषा और अश्लील टिप्पणियां सामने आने की बातें कही गई थीं, वैसा माहौल रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच देखने को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सार्वजनिक रूप से चल रही हैं और पूरा देश उन्हें देख-सुन रहा है, लेकिन रांची में चल रहे आंदोलन की वास्तविक तस्वीर भी सामने है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार पेपर लीक होना बेहद गंभीर विषय है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और सामान्य परिवारों से आने वाले छात्रों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के पास पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन होते हैं। वहीं, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र अपनी मेहनत, संघर्ष और उम्मीद के सहारे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में परीक्षा से पहले पेपर लीक हो जाने या परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की खबर सामने आने से उनकी वर्षों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। 'पुष्पा भाऊ' ने कहा कि अमीर हो या गरीब, सभी का खून और शरीर एक समान है। इसलिए शिक्षा और रोजगार के अवसर भी सभी के लिए समान होने चाहिए। उन्होंने सरकार से छात्रों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था में सुधार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं को अपने भविष्य को बदलने का सबसे बड़ा माध्यम मानते हैं। ऐसे में परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता बेहद जरूरी है। अपने खास अंदाज में छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए 'पुष्पा भाऊ' ने कहा," झारखंड के छात्रों को नेशनल खिलाड़ी समझा है क्या, ये इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं। झारखंड का छात्र झुकेगा नहीं।" उन्होंने अपने चर्चित अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि कान के नीचे रपारप-रपा रप देने से तानाशाही खत्म हो जाएगी और तभी सिस्टम में सुधार होगा। उनके इस अंदाज पर आंदोलन स्थल पर मौजूद छात्रों में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने अंत में छात्रों के संघर्ष के समर्थन में कहा कि "झुकेगा नहीं झारखंड का छात्र।" प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच 'पुष्पा भाऊ' की मौजूदगी और उनके बयान ने प्रदर्शन स्थल पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

विधानसभा घेराव के दौरान बाबूलाल मरांडी समेत भाजपा नेता हिरासत में, 500 से अधिक छात्र भी पकड़े गए

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

राजधानी रांची में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं एवं धांधली के खिलाफ चल रहा छात्र आंदोलन सोमवार को उग्र हो गया। विधानसभा घेराव के लिए हजारों की संख्या में छात्र सड़कों पर उतरे। विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों ने कई स्थानों पर पुलिस की ओर से लगाए गए बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरों को पार करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 500 से अधिक छात्रों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए छात्रों को बसों में बैठाकर खेलगांव स्थित कैंप जेल भेजा गया। पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलनकारी छात्रों ने आंदोलन जारी रखने की बात कही है। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों के विधानसभा घेराव के ऐलान को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने विधानसभा की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी और बड़ी संख्या में पुलिस बल एवं सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था। सोमवार को जैसे-जैसे छात्रों की संख्या बढ़ती गई, प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनने लगी। कई स्थानों पर छात्रों ने पुलिस बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में छात्रों को हिरासत में ले लिया। छात्रों के आंदोलन के बीच राजनीतिक मोर्चे पर भी गतिविधियां तेज रहीं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, दीपक प्रकाश और कई भाजपा विधायक एवं अन्य नेता मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे थे। भाजपा नेताओं ने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए और सरकार से मामले में कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित कई अन्य भाजपा नेताओं को भी पुलिस ने डिटेन कर लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को बस से खेलगांव स्थित कैंप जेल ले जार रखा रखा गया है। छात्रों के विधानसभा घेराव को देखते हुए रांची पुलिस और जिला प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। विधानसभा और मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन की कोशिश थी कि प्रदर्शनकारी विधानसभा परिसर तक न पहुंच सकें, जबकि आंदोलनकारी छात्र किसी भी स्थिति में विधानसभा तक पहुंचकर अपनी मांगों को सरकार के सामने रखने पर अड़े रहे। पुलिस कार्रवाई और हिरासत के बाद भी छात्रों ने आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

आवास के नाम पर 13 हजार वसूली का आरोप, पंचायत सचिव ने किया खंडन

डुमरी : गरीबों को पक्की छत देने के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना और राज्य सरकार अबुआ आवास योजना चला रही है। लेकिन कुछ कर्मियों पर इन योजनाओं की प्रोत्साहन राशि में भी गड़बड़ी का आरोप लगा है। डुमरी थाना क्षेत्र के जांगीदीरी गांव से ऐसा ही मामला सामने आया है। गांव निवासी बबलू कुमार मंडल ने बीडीओ को लिखित आवेदन देकर अबुआ आवास और अंबेडकर आवास के नाम पर घूस लेने की शिकायत की है।आवेदन में बबलू ने लिखा है कि बेरहा सुईयाडीह पंचायत के पंचायत सचिव चुडका सोरेन और उनके सहयोगी महेन्द्र ठाकुर, निवासी रोशना, ने उनकी मां शांति देवी को आवास दिलाने के नाम पर 13,000 रुपये नगद लिए। इसका साक्ष्य भी उनके पास है।उन्होंने आगे लिखा कि पंचायत में प्रधानमंत्री आवास सूची में नाम जोड़ने के लिए भी लोगों से वसूली की गई। जबकि उनकी मां शांति देवी आज भी खपरैल के मकान में रह रही हैं, बावजूद इसके उन्हें आवास नहीं मिला। बबलू का आरोप है कि जब उन्होंने पैसा मांगा तो उल्टे उन्हें धमकी दी गई। कहा गया "जहां जाना है जाओ, पैसा वापस नहीं मिलेगा। मैं आदिवासी हूं। सरकार हमारी है, हम उनके आदमी हैं। केस करेंगे तो जिंदगी भर बाहर नहीं निकल पाओगे। हालांकि इस मामले में पंचायत सचिव चुडका सोरेन ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का डीसी-एसपी ने लिया जायजा

जामताड़ा : स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ रविवार को गांधी मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य समारोह स्थल की साफ-सफाई, मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, परेड, आगंतुकों के लिए सुविधाओं समेत अन्य तैयारियों का जायजा लिया गया।

आलोक कुमार ने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने समारोह स्थल की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ अतिथियों एवं आम लोगों के लिए सुगम आवागमन और उचित बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने तैयारियों से जुड़े अन्य बिंदुओं पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग स्थल और अन्य सुरक्षा संबंधी तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक आईटीडीए जुगनू मिंज, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी पंकज कुमार रवि, एसडीपीओ जामताड़ा, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत, सार्जेंट मेजर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीसी ने दिए निर्देश

जामताड़ा : स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 की तैयारियों को लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। उपायुक्त ने साफ-सफाई, प्रतिमा स्थलों और मुख्य समारोह स्थल के रंगरोगन समेत सभी तैयारियां अगले दो दिनों में पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक में गांधी मैदान में मुख्य समारोह सुबह 9 बजे आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वहीं समाहरणालय में 10:10 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 10:15 बजे और पुलिस लाइन में 11:30 बजे राष्ट्रध्वज फहराया जाएगा। पैरेड का अंतिम पूर्वाभ्यास 13 अगस्त को उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में होगा। इसमें 15 प्लाटून के अलावा विभिन्न विद्यालयों के प्लाटून और बैंड पार्टी शामिल होंगे।

आलोक कुमार ने पंडाल, बैठने, साउंड सिस्टम, मंच, फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी, ड्रोन कैमरा, चिकित्सा, चलंत शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के दिन जिले में ड्राई डे का सख्ती से पालन होगा और शराब की दुकानें बंद रहेंगी। मांस-मछली की बिक्री पर भी रोक रहेगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त असीम किस्पोट्टा, जुगनू मिंज, पूनम कच्छप, अनंत कुमार, डॉ. एसके मिश्रा, नीलम कुजूर, पंकज कुमार रवि, कलानाथ, चार्ल्स हेंब्रम और विकेश कुणाल प्रजापति समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आस्था के साथ हुई बाबा दुबे की वार्षिक पूजा

जामताड़ा : फतेहपुर प्रखंड के फतेहपुर बाजार दुबे मांडा और आसना दुबे मांडा में सोमवार को विधि-विधान और नेम-आचार के साथ बाबा दुबे की वार्षिक पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान दीप-धूप अर्पित कर बाबा दुबे की आराधना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा में भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

पंडा राजा बाबू ने बताया कि बाबा दुबे को ग्रामीण आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक मानते हैं। लोक मान्यता के अनुसार सावन महीने के सोमवार को बाबा दुबे की पूजा करने से परिवार की सुख-शांति और मंगल की कामना पूरी होती है। आसना में यह पूजा प्रत्येक सोमवार को धार्मिक परंपरा के अनुसार आयोजित की जाती है।

पूजा की तैयारियां एक दिन पहले से शुरू हो जाती हैं। ग्रामीणों को घर से शुद्ध दूध उपलब्ध कराने की सूचना दी जाती है। एकत्रित दूध और चावल से बिना पानी मिलाए खीर तैयार कर बाबा को भोग लगाया जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार इसके बाद ब्राह्मणों को खीर का प्रसाद कराया जाता है और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया जाता है।

स्थानीय मान्यता के अनुसार बाबा दुबे की आराधना सर्पदंश से सुरक्षा और परिवार की सुख-शांति के लिए की जाती है। ग्रामीणों का विश्वास है कि बाबा की पूजा से घर-परिवार पर सुरक्षा का आशीर्वाद बना रहता है। हालांकि, सर्पदंश की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय उपचार लेना जरूरी है।

कोटालपोखर में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण, करीब 20 दुकानों की जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को कोटालपोखर क्षेत्र में सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई अभिहित अधिकारी-सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, साहिबगंज के निर्देशानुसार की गई।

अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी नौरंग देव कुमार एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आशीष कुमार वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लगभग 20 दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, लेबलिंग, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, भंडारण व्यवस्था तथा प्रतिष्ठानों में स्वच्छता की जांच की गई। दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने दुकानदारों को एक्सपायर्ड, बिना उचित लेबल वाले अथवा मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं करने तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि खाद्य सुरक्षा को लेकर जिले में नियमित निरीक्षण एवं निगरानी अभियान आगे भी जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने अंचल अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा छह सूत्री मांग पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से विश्व आदिवासी दिवस के उपरांत सोमवार को पेटरवार प्रखंड सह अंचल कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अनुपस्थिति में अंचल अधिकारी अशोक राम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम छह सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। इस दौरान आदिवासी सेंगेल अभियान के प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मांग पत्र के माध्यम से अभियान ने संताली भाषा को झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा देने तथा शिक्षा, सरकारी कार्य और रोजगार में इसके उपयोग को बढ़ावा देने की मांग की। इसके अलावा प्रकृति पूजक आदिवासियों के लिए स्वतंत्र सरना धर्म कोड लागू करने, असम एवं अंडमान में बसे झारखंडी आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग की गई।

अभियान ने CNT एवं SPT कानून को सख्ती से लागू करने, आदिवासी स्वशासन व्यवस्था में सुधार करते हुए संविधान, कानून एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू करने तथा झारखंड में स्थानीय नीति एवं प्रखंडवार नियोजन नीति लागू करने की मांग भी उठाई।

झामुमो ने मनाया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी की ओर से सोमवार को जिला पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री सह पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मुख्यमंत्री के जन्मदिन की खुशियां साझा कीं और उनकी लंबी उम्र की कामना की।

कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय सदस्य अशोक मंडल, जिला उपाध्यक्ष रविंद्र नाथ दुबे, कैलाश प्रसाद साव, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सगीर खान, चमेली देवी, चंचल राय समेत बड़ी संख्या में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। केक काटने के बाद उपस्थित लोगों के बीच केक और मिठाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी और मुख्यमंत्री के दीर्घायु होने की कामना की।

इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य अशोक मंडल ने कहा कि आज पार्टी के मुखिया एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिन है। जिला कमेटी की ओर से पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर उनके जन्मदिन की खुशियां मनाई गईं। उन्होंने मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

वहीं, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सगीर खान ने कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 51वें जन्मदिन के अवसर पर एकजुट होकर उनकी लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य के विकास के लिए पार्टी कार्यकर्ता लगातार काम कर रहे हैं। इस मौके पर आनंद टुडू, मेरी मरांडी,बिष्णु मुर्मू, अमित मंडल, सादिक अंसारी आ अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश, नगर पंचायत ने दी 48 घंटे की मोहलत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा: नगर पंचायत जामताड़ा ने सड़क किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। नगर पंचायत की ओर से एक आम सूचना जारी कर सभी अतिक्रमणकारियों को 48 घंटे के भीतर सड़क किनारे से सभी प्रकार के अस्थायी निर्माण हटाने का अल्टीमेटम दिया गया है।

यातायात प्रभावित होने और दुर्घटनाओं की आशंका के कारण लिया निर्णय- नगर पंचायत के अनुसार, सड़क किनारे दुकान, शेड, बांस-बल्ली, गुमटी और ठेला-खोमचा लगाने के कारण क्षेत्र में आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इससे न केवल सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि लगातार दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। आम जनता की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है।

कार्यपालक पदाधिकारी की सख्त चेतावनी- नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत ने संबंधित लोगों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे निर्धारित 48 घंटे की अवधि के अंदर स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लें। इसमें सड़क किनारे रखी गईं दुकानें, शेड, गुमटी, ठेला-खोमचा और आवागमन बाधित करने वाला अन्य सभी सामान शामिल हैं।

प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि समय सीमा समाप्त होने के बाद भी सड़क किनारे अतिक्रमण पाया गया, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ विधि-सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत की इस घोषणा के बाद से सड़क किनारे अवैध रूप से कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है।

गंगा भवन को 'गंगा हेरिटेज' के रूप में विकसित कर म्यूजियम बनाने की मांग, विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन ने सदन में उठाई जनता की आवाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिला के राजमहल में गंगा नदी के किनारे स्थित ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण गंगा भवन को 'गंगा हेरिटेज' के रूप में विकसित करते हुए वहां म्यूजियम का निर्माण कराने की मांग अब विधानसभा के सदन तक पहुंच गई है। सोमवार को शून्य काल के माध्यम से राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन ने सदन में क्षेत्र की जनता की मांगों को प्रमुखता से रखते हुए सरकार का ध्यान गंगा भवन की वर्तमान स्थिति की ओर आकृष्ट कराया।

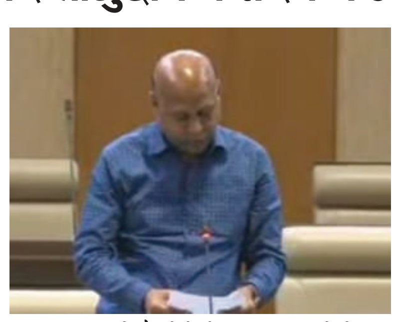

विधायक ने सदन में कहा कि गंगा भवन राजमहल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। गंगा नदी के किनारे स्थित होने के कारण इसका पर्यटन की दृष्टि से भी विशेष महत्व है। यदि गंगा भवन को व्यवस्थित तरीके से विकसित कर 'गंगा हेरिटेज' के रूप में स्थापित किया जाए तथा यहां म्यूजियम का निर्माण कराया जाए, तो यह क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यटन एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है।

विधायक ने कहा कि राजमहल ऐतिहासिक दृष्टि से काफी समृद्ध क्षेत्र है। यहां की ऐतिहासिक धरोहर, गंगा नदी, पुरातात्विक महत्व के स्थल और स्थानीय संस्कृति पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में गंगा भवन को केवल एक भवन के रूप में नहीं, बल्कि राजमहल की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

उन्होंने सदन में गंगा भवन की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उचित रखरखाव और देखरेख के अभाव में यह स्थल धीरे-धीरे असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल है। विधायक ने सरकार से मांग की कि गंगा भवन की स्थिति का संज्ञान लेते हुए इसके संरक्षण, सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास के लिए ठोस पहल की जाए।

विधायक ने कहा कि यदि गंगा भवन में म्यूजियम का निर्माण किया जाता है, तो उसमें राजमहल एवं आसपास के क्षेत्र के इतिहास, पुरातात्विक अवशेष, स्थानीय कला-संस्कृति, गंगा नदी से जुड़ी विरासत तथा क्षेत्र की ऐतिहासिक घटनाओं को प्रदर्शित किया जा सकता है। इससे आने वाली पीढ़ियों को अपने क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि गंगा भवन को 'गंगा हेरिटेज' के रूप में विकसित करने से राजमहल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल, दुकान, परिवहन, हस्तशिल्प एवं अन्य छोटे व्यवसायों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है।

विधायक द्वारा सदन में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद स्थानीय लोगों में भी उम्मीद जगी है कि गंगा भवन के संरक्षण और विकास की दिशा में सरकार की ओर से सकारात्मक पहल की जाएगी। लोगों का कहना है कि गंगा किनारे स्थित इस महत्वपूर्ण स्थल का सही तरीके से विकास होने से राजमहल की पहचान को एक नई दिशा मिल सकती है।

अब देखना होगा कि सरकार की ओर से विधायक की इस मांग पर क्या कदम उठाया जाता है और गंगा भवन को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षित करते हुए इसे म्यूजियम एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कब तक ठोस कार्रवाई शुरू होती है।

डुमरी में पशुओं के निःशुल्क टीकाकरण की मांग, 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो किसान करेंगे धरना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी/ गिरिडीह। झारखंड एकता किसान-मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने डुमरी प्रखंड की सभी पंचायतों में पशुओं के लिए टीकाकरण शिविर लगाने की मांग को लेकर सोमवार को एसडीएम कार्यालय में मांग पत्र सौंपा।पत्र में उन्होंने लिखा है कि डुमरी प्रखंड के अंतर्गत लक्ष्मणटुंडा, खैराटुंडा, रांगामाटी, जामतारा, मधगोपाली, डुमरी, शंकरडीह सहित सभी पंचायतों में पशुओं को समय पर टीकाकरण नहीं मिल पा रहा है। इसके कारण गाय, बकरी और अन्य पशु बीमार पड़ रहे हैं।

गंगाधर महतो ने कहा कि पशुपालकों को अपने जानवरों के इलाज में भारी आर्थिक परेशानी हो रही है। कई पशुओं की मृत्यु की भी सूचना मिल रही है। उन्होंने मांग की है कि डुमरी प्रखंड की सभी पंचायतों में पशु चिकित्सा शिविर लगाकर गाय, बकरी एवं अन्य पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण कराया जाए।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं की गई, तो झारखंड एकता किसान-मजदूर यूनियन के बैनर तले सभी पशुपालक एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

बाबा बैजनाथ धाम के लिए श्रद्धालुओं का जत्था मोटरसाइकिल से हुआ रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: डुमरी क्षेत्र के नगरी पंचायत से सोमवार को बाबा बैजनाथ धाम, देवघर के लिए श्रद्धालुओं का एक समूह मोटरसाइकिल से निमियाघाट स्टेशन से रवाना हुआ। बाबा के दर्शन के लिए निकले सभी श्रद्धालु "बोल बम" के जयकारों के साथ भक्ति भाव से बाबा नगरी की ओर प्रस्थान कर गए हैं। श्रावण माह में बाबा बैजनाथ धाम में जलार्पण के लिए हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल और वाहनों से देवघर पहुंचते हैं। इस पवित्र यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया।

रवाना होने से पहले सभी ने स्थानीय शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर बाबा से यात्रा मंगलमय होने की प्रार्थना की।प्रशासन द्वारा मार्ग में सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि कांवरियों को कोई परेशानी न हो।रास्ते भर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए और डीजे पर भक्ति गीतों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस जत्थे के साथ स्वयंसेवक भी चल रहे हैं जो खाने-पीने और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था देखेंगे। ग्रामीणों ने फूल-माला और जलपान देकर जत्थे को विदा किया और सभी की सुरक्षित यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं में गोविन्द साव, विनय कुमार, दौलत कुमार, बिट्टू बर्णवाल, छोटू बर्णवाल, गणेश बर्णवाल और रोहित कुमार शामिल हैं।

जेल भरो अभियान के समर्थन में पेटरवार में निकली रैली, किया गया सड़क जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जेल भरो अभियान के समर्थन में सोमवार को पेटरवार प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार के फुटबॉल मैदान से रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष पंचानन महतो एवं जिला उपाध्यक्ष दिवाकर महतो ने संयुक्त रूप से किया। रैली पेटरवार चौक पहुंची, जहां कार्यकर्ताओं ने कुछ समय तक सड़क जाम कर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने किसानों की उपज का उचित समर्थन मूल्य देने, 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी किसानों को 10,000 मासिक पेंशन देने तथा गैरमजरुआ जमीन की लगान रसीद चालू करने की मांग की। इसके अलावा भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता रद्द करने, चारों श्रम कोड वापस लेने तथा कृषि कार्य में लगाए गए श्रमिकों का भुगतान मनरेगा के माध्यम से करने की मांग भी उठाई गई।

आंदोलन में जिला कोषाध्यक्ष चुम्बन महतो, कालू बंसल, अनंत सिन्हा, राजपाल महतो, उमेश कुमार महतो, प्रहलाद महतो, मुकुंद महतो, अजीत महतो, राजन कुमार महतो, बेनीलाल महतो, लोधे मांझी, बेनीलाल मांझी, नंदलाल महतो, अकलू घांसी, महादेव महतो, रमेश महतो, सहरन महतो, हरिनारायण महतो सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

अप्रायोगिक हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

युवा शक्ति को प्रतिभा, सेवा और नेतृत्व का अवसर देकर ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

कांतिलाल मांडोत

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, सबसे मूल्यवान संपत्ति और भविष्य के निर्माता होते हैं। उनमें जोश, उत्साह, ऊर्जा, नवीन सोच और चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस होता है। यही कारण है कि इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने सही दिशा में कदम बढ़ाए हैं, तब-तब समाज में परिवर्तन आया है, नई क्रांतियों का जन्म हुआ है और राष्ट्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आशा हैं। इसलिए समाज का यह नैतिक दायित्व है कि वह युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा दिखाने, समाज सेवा करने और नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

किसी भी समाज या देश की प्रगति युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यदि युवा वर्ग को केवल दर्शक बनाकर रखा जाएगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, तो समाज अपनी सबसे बड़ी शक्ति से वंचित रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवी और वरिष्ठ लोग युवाओं का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि उनसे कोई भूल हो जाए तो उन्हें अपमानित करने या हतोत्साहित करने के बजाय प्रेमपूर्वक समझाया जाए, उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए और उन्हें दोबारा बेहतर करने की प्रेरणा दी जाए। आखिर अनुभव भी गलतियों से ही प्राप्त होता है। आज समाज में नेतृत्व की होड़, पद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ ने सेवा की भावना को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। जबकि वास्तविक नेतृत्व वही है जिसमें त्याग, समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यदि युवाओं के भीतर इन मूल्यों का विकास किया जाए तो वे केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश का गौरव बन सकते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनने में है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है युवाओं का नशे और दिखावटी जीवनशैली की ओर बढ़ता आकर्षण। शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थ और अन्य व्यसनों ने अनेक युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। यह केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। नशे की लत से आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं, स्वास्थ्य नष्ट होता है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और धार्मिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से दूर रखें और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आज फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने भी अनेक युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर कर दिया है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक शिक्षा को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भूल जाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं हो सकता। युवाओं को यह समझाना होगा कि भारतीय संस्कृति में मानवता, सेवा, सहिष्णुता और नैतिकता का जो संदेश है, वही उन्हें सच्चे अर्थों में महान बनाता है। राष्ट्र संतों और महान विचारकों ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया है। उनका मानना था कि यदि युवाओं पर विश्वास किया जाए, उन्हें प्रेम दिया जाए और उनकी क्षमता को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं, तो वे असंभव कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। इसलिए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर नहीं मिलेंगे, तो उनकी ऊर्जा भटक सकती है। तब उसकी जिम्मेदारी केवल युवाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होगी जिसने उन्हें सही मंच उपलब्ध नहीं कराया।

आज देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं। दिल्ली सहित कई शहरों में युवाओं के आंदोलन यह संकेत देते हैं कि वे अपनी बात रखना चाहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखते हैं। यदि उनकी समस्याओं को समय रहते सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए, तो यही युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। दूसरी ओर यदि उनकी उपेक्षा की जाएगी, तो उनमें निराशा और असंतोष बढ़ सकता है।

युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता केवल शिक्षा दिलाकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। उन्हें बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम की भावना भी देनी होगी। जिस परिवार में संवाद, विश्वास और प्रेम का वातावरण होता है, वहां के युवा सामान्यतः सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। विद्यालय, महाविद्यालय और समाज भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं। आज का युवा डिजिटल युग का युवा है। उसके पास असीमित जानकारी और अवसर उपलब्ध हैं। यदि उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले तो वह विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग, खेल, साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकता है। भारत विश्व का सबसे युवा देश माना जाता है और यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी जब युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलेंगे।

समाज को चाहिए कि वह युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक न माने, बल्कि वर्तमान का सक्रिय सहभागी बनाए। उन्हें निर्णय लेने का अधिकार, समाज सेवा का अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया जाए। उनके विचारों को सम्मान मिले, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले और उनके सपनों को उड़ान देने का वातावरण तैयार किया जाए। जब अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और युवाओं की ऊर्जा एक साथ जुड़ेगी, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित भारत का निर्माण संभव होगा।

युवा देश की धड़कन हैं। उनका उत्साह, परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। यदि समाज उन्हें विश्वास, अवसर और सही मार्गदर्शन देगा तो वे विकास, नवाचार, सेवा और राष्ट्र निर्माण की नई गाथा लिखेंगे। इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि युवा शक्ति को सम्मान दिया जाए, उनकी प्रतिभा को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बनाया जाए। यही एक सशक्त समाज, समृद्ध राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।
विलियम शेक्सपियर

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।
जॉर्ज वीनकर्ग

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि (यह तिथि रात 01:52 बजे तक रहेगी, जिसके बाद अमावस्या शुरू होगी)। इस विशेष दिन सावन शिवरात्रि का महापर्व मनाया जाएगा। पुनर्वसु नक्षत्र (सुबह 10:09 बजे तक), इसके बाद पुष्य नक्षत्र शुरू हो जाएगा (पुष्य नक्षत्र को बेहद शुभ और नक्षत्रों का राजा माना जाता है)

आज जन्म लिए बालक का फल...

बच्चों की राशि मिथुन होगी, क्योंकि चंद्रमा पूरे दिन मिथुन राशि में ही संचरण करेंगे। मिथुन राशि के स्वामी बुध ग्रह हैं, बुध के प्रभाव के कारण ये बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज और कुशाग्र बुद्धि के होंगे। ऐसे बच्चे खोजी स्वभाव के होते हैं। इन्हें नई-नई चीज़ें सीखने और जानने का हमेशा शौक रहेगा।

मेष राशि : करीबियों से मनमुटाव शांत होगा और खोई हुई चीज़ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ राशि : अटके धन की प्राप्ति होगी लेकिन कार्यक्षेत्र में दूसरों की अफवाहों से दूर रहें।

मिथुन राशि : मानसिक तनाव कम होगा, लेकिन व्यापार में आज कोई बड़ा जोखिम न लें।

कर्क राशि : पुराने अटके काम गति पकड़ेंगे और अधिकारी आपकी प्रतिभा की सराहना करेंगे।

सिंह राशि : सामाजिक दायरा मजबूत होगा और मित्रों के सहयोग से पुराना विवाद सुलझ जाएगा।

कन्या राशि : करियर की उलझनें दूर होंगी, बस अपने खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण बनाए रखें।

तुला राशि : जमीन-जायदाद के मामलों में मुनाफा होगा और समाज में लोकप्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि : भाग्य का साथ मिलेगा लेकिन जल्दबाजी में नया पैसा लगाने से बचें।

धनु राशि : जीवनसाथी की सलाह से चुनौतियां दूर होंगी, आज हकीकत पर ध्यान दें।

मकर राशि : पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें और खान-पान पर ध्यान दें।

कुंभ राशि : संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी और पुराने निवेश से धन लाभ होगा।

मीन राशि : परिवार की समस्याएं सूझबूझ से सुलझेंगी, लेकिन वाहन चलाते समय जल्दबाजी न करें।

झारखंड का छात्र आंदोलन, सोरेन के निशाने पर भाजपा?

सनत जैन

दिल्ली के छात्र आंदोलन में छात्रों के साथ केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों और दिल्ली पुलिस द्वारा काफी बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की गई थी। जिसमें सैकड़ो छात्र घायल हुए थे। दिल्ली के छात्र आंदोलन को सख्ती के साथ दबाने का प्रयास केन्द्र की भाजपा सरकार ने किया था। आंदोलनकारियों के ऊपर अश्रु गैस, पेलट गन से चली छर्रे वाली गोलियां, लाठी जार्ज इत्यादि का उपयोग किया गया था। जिसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया सारे देश में हुई। उसके बाद छात्र आंदोलन सड़कों पर आ गया। भारतीय जनता पार्टी ने छात्र आंदोलन में राजनीति नहीं हो, इसके लिए राजनीतिक दलों को निशाने पर लिया था। जंतर मंतर के छात्र आंदोलन में जिस तरह की राजनीति भाजपा कर रही थी, लगता है उसका जवाब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शांति के साथ दिया है। जैसे ही झारखंड में छात्र आंदोलन शुरू हुआ। भाजपा इस आंदोलन में सक्रिय हुई। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जिसे गोदी मीडिया भी कहा जाता है, उसने झारखंड के छात्र आंदोलन को जिस तरह से कवरेज देना शुरू किया, इससे अंदाजा लग गया था। भाजपा झारखंड के पीछे छुपकर जेन-जी आंदोलन में घुसकर राजनीति करना चाह रही है। उसके निशाने पर हेमंत सोरेन की सरकार थी। इंडिया गठबंधन और हेमंत सोरेन ने भाजपा की इस पदचाप को पहचान लिया है। हेमंत सोरेन ने भाजपा को ही निशाने पर ले लिया, ऐसा अभी तक के हालात को देखते हुए कहा जा सकता है। झारखंड की राजधानी रांची में पिछले 17 दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन में उन्होंने बातचीत शुरू की। छात्र नेताओं से बातचीत करके टुकड़े-टुकड़े में मांगे मानी। जांच के लिए तुरंत एक कमेटी बना दी। प्रदर्शनकारियों से बात करके उन्होंने आंदोलन को जारी रहने दिया। आंदोलन समाप्त कराने में हेमंत सोरेन सरकार ने कोई रुचि नहीं ली। सरकार से बातचीत करने के नाम पर छात्रों के प्रतिनिधिमंडल तीन गुटों में बाट दिया। जिसके कारण छात्रों का यह आंदोलन कमजोर और शांतिपूर्ण रहा। सरकार की सक्रियता के कारण यहां पर भाजपा को आंदोलन से दूर रखा। भाजपा को इस आंदोलन में सोरेन ने घुसने नहीं दिया। जिसके कारण भाजपा को अपने झंडे और डंडे के साथ अलग उपस्थिति दर्ज करानी पड़ी, यही हेमंत सोरेन चाहते थे। भाजपा छात्रों के इस आंदोलन में नहीं घुस पाए। सोरेन समर्थक छात्रों का एक गुट बन गया। दूसरा गुट इंडिया ब्लॉक के साथ में है। छात्र नेता नेहा बोरा छात्रों के आंदोलन में खुलकर भाग ले रही हैं। वह भाजपा और संघ को निशाना बना रही हैं। छात्रों के इस आंदोलन में एक गुट देवेंद्र महतो का है, दूसरे गुट का नेतृत्व पीयूष कुमार कर रहे हैं। एक गुट का विधायक जयराम महतो नेतृत्व कर रहे हैं। वह अपनी पार्टी के इकलौते विधायक हैं। इन्होंने हाल में ही रिलायंस समूह के परिमल नाथवानी को राज्यसभा के लिए समर्थन दिया था। छात्र आंदोलन में वह किसके लिए काम कर रहे हैं, छात्र आंदोलन में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर सरकार ने मंत्रियों की एक कमेटी बना दी जो आंदोलनकारी छात्रों से लगातार बात करती रही है। सरकार उनकी बात मान रही है, संवाद भी हो रहा है। एक ही मांग पर बात अटकी, वह सीबीआई जांच की मांग। हेमंत सोरेन आंदोलनकारी छात्रों को यह समझा रहे हैं। सीबीआई केंद्र सरकार का तोता है, वह भाजपा के इशारे पर काम करता है। सीबीआई जांच का कोई अता-पता नहीं होता है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता मेडिकल कॉलेज में जिस बच्ची की हत्या हुई थी, उसका मामला सीबीआई के पास है। पश्चिम बंगाल में क्या हुआ सब जानते हैं। कुल मिलाकर छात्र आंदोलन में हेमंत सोरेन की जो रणनीति थी, इसमें भाजपा को घेरा जाए। दिल्ली में भाजपाई कहते थे, उसके ठीक विपरीत झारखंड में आकर भाजपा नेता और संघ के पदाधिकारी आंदोलन को हवा दे रहे हैं। उनका यह दौहरा चरित्र सारे देश के जेन-जी और जेन- अल्फा तक जाए। दिल्ली के छात्र आंदोलन में केंद्र सरकार और भाजपा को जिम्मेदार ठहराया जाए। भाजपा छात्रों के साथ किस तरह की राजनीति करती हैं, दौहरा मापदंड अपनाती हैं। झारखंड के छात्र आंदोलन हेमंत सोरेन सरकार को दो फायदे हुए हैं, पहला उन्होंने भाजपा को छात्र आंदोलन में बेनकाब करते हुए निष्प्रभावी बना दिया। दूसरा, छात्रों को यह बता दिया है, केंद्र सरकार छात्रों के साथ किस तरह की राजनीति करती है। पिछले 12 वर्षों में शिक्षा और परीक्षाओं की बदहाली के लिए भारतीय जनता पार्टी जिम्मेदार है। हेमंत सोरेन ने जिस होशियारी के साथ आंदोलन का मुकाबला किया, वह सारे देश में चर्चा का विषय बन गया है। हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन की पहचान झारखंड में गुरू जी के नाम से है। उनका फोटो लेकर प्रदर्शनकारी छात्र आंदोलन में शामिल हुए हैं।

एफसीआरए: धन का "दान" चाहिए, "दानव" नहीं

विनोद बंसल

भारत में विदेशी धन के प्रवेश और उसके उपयोग को लेकर बहस नई नहीं है। लंबे समय से विदेशी सहायता से चलने वाले अनेक संगठन देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत, सामाजिक सेवा, धार्मिक गतिविधियों और शोध जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य करते रहे हैं। ऐसे सभी वैध और पारदर्शी कार्यों का स्वागत होना चाहिए लेकिन प्रश्न तब उठता है जब विदेशी धन का प्रयोग घोषित उद्देश्यों से हटकर राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक अस्थिरता, धर्मांतरण व अवैध गतिविधियों अथवा भारत के राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल कार्यों के लिए होने लगे।

इसी मूल चिंता को ध्यान में रखते हुए ही विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम यानि फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (FCRA) बनाया गया। इसे पहली बार आपातकाल (Emergency) के दौरान वर्ष 1976 में बनाया गया था जिसका मूल उद्देश्य उस समय विदेशी फंडिंग और राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखना था। बाद में साल 2010 में पुराने कानून को बदलकर एक नया और अधिक सख्त FCRA 2010 अधिनियमित किया गया, जो 1 मई 2011 से प्रभावी हुआ। इस विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम का उद्देश्य विदेशी धन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आने वाला विदेशी धन पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो और उसी उद्देश्य के लिए खर्च हो जिसके लिए उसे अनुमति दी गई है।

एफसीआरए संशोधन को समझने की आवश्यकताः प्रस्तावित कानून को संसद के इसी सत्र में सदन में पेश किए जाने की चर्चा आजकल जोरों पर है। विधेयक का एक महत्वपूर्ण प्रावधान उन संस्थाओं की विदेशी धन से बनी संपत्तियों और विदेशी योगदान के संबंध में व्यवस्था तैयार करना है जिनका FCRA प्रमाणपत्र रद्द हो जाता है, संस्था स्वयं उसे वापस कर देती है अथवा उसका नवीनीकरण नहीं होता। इसके लिए एक Designated Authority (निर्दिष्ट प्राधिकारी) की व्यवस्था प्रस्तावित है जो ऐसी स्थिति में संपत्तियों के अस्थायी नियंत्रण, उनके प्रबंधन और आगे की व्यवस्था देखेगी। यदि संस्था निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना FCRA पंजीकरण बहाल करा लेती है तो संपत्तियों और अप्रयुक्त विदेशी धन की वापसी का प्रावधान भी है। विधेयक का प्रावधान यह भी कहता है कि यदि इन संपत्तियों में कोई धर्मस्थल आता है तो वहाँ के धार्मिक कार्यकलापों को यथावत जारी रखा जाएगा। विधेयक में एक और महत्वपूर्ण बदलाव दंड व्यवस्था से जुड़ा है। मौजूदा अधिकतम पांच वर्ष की सजा को घटाकर इसे एक वर्ष करने का प्रस्ताव है। साथ ही निर्दिष्ट प्राधिकारी के आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण और न्यायिक अपील का रास्ता भी प्रस्तावित किया गया है। अर्थात इसे केवल "विदेशी संस्थाओं पर कार्रवाई" के रूप में देखना अधूरा होगा। असल मुद्दा विदेशी धन के साथ जवाबदेही, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हित का है।

विदेशी धन पर निगरानी क्यों जरूरीः किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए यह सामान्य बात है कि वह अपने देश में आने वाले विदेशी धन के स्रोत और उपयोग पर निगरानी रखे। भारत अकेला देश नहीं है जो ऐसा करता है। अमेरिका सहित अनेक देशों में विदेशी धन, विदेशी एजेंटों, विदेशी संस्थाओं और राजनीतिक प्रभाव से संबंधित अलग-अलग कानून और व्यवस्थाएं हैं। इसलिए भारत द्वारा अपने यहां विदेशी योगदान के लिए नियमन तय करना किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध कार्रवाई मानना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं है।

पहले भी अनेक संशोधन हुए

इस कानून में संशोधन भी कोई पहली बार नहीं हो रहा। इससे पूर्व वर्ष 1984, 2010, 2016, 2018, 2020 व 2022 में भी इस कानून में विभिन्न पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा संशोधन किए गए। बल्कि वर्ष 2010 में तो इस कानून को पूरी तरह से निरस्त कर एक नया और कठोर कानून बनाया गया था। आंकड़े बताते हैं कि समस्या काल्पनिक नहीं है। गृह मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2016 से 2020 के बीच ही 6,600 से अधिक गैर सरकारी संस्थाओं के FCRA पंजीकरण रद्द किए गए थे। एक अन्य आँकड़े के अनुसार विदेशी पैसों से चलने वाले कुल 52,156 एनजीओ व संस्थानों में से अभी सिर्फ 14,435 ही सक्रिय हैं। 22,496 के पंजीयन रद्द किए जा चुके हैं तथा 15,225 पूरी तरह से निष्क्रिय हैं। नियमानुसार, पंजीकरण रद्द होने के बाद ऐसी संस्थाएं FCRA के अंतर्गत विदेशी योगदान प्राप्त या उपयोग नहीं कर सकतीं। इसलिए इन सभी संस्थाओं को अपने पंजीयन को नवीनीकृत कराना ही चाहिए। ग्रीन पीस इंडिया पर 2015 में FCRA नियमों के उल्लंघन के कई आरोप लगे थे। इनमें विदेशी योगदान के निर्धारित बैंक खाते से बाहर लेन-देन, योगदान की गलत/कम रिपोर्टिंग, प्रशासनिक खर्च की सीमा से अधिक व्यय, विदेशी NGO से भारतीय NGOs/activists के कानूनी खर्च को सहायता और अन्य अनुपालन संबंधी मुद्दे शामिल थे। गृह मंत्रालय ने जांच के बाद उसका पंजीकरण निलंबित किया और आगे कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। इसी प्रकार 2025 में लद्दाख स्थित स्टूडेंट्स एजुकेशन एंड कल्चरल मूवमेन्ट ऑफ लद्दाख (SECMOL), का FCRA लाइसेंस भी गृह मंत्रालय द्वारा रद्द किया गया था। देशभर में ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं। यह भी समझना चाहिए कि हर विदेशी फंड लेने वाली संस्था संदिग्ध नहीं है। भारत में अनेक संस्थाएं विदेशी सहायता के माध्यम से अस्पताल, विद्यालय, अनाथालय, आपदा राहत, ग्रामीण विकास, शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य सामाजिक कार्य करती हैं। FCRA का उद्देश्य ऐसी वैध गतिविधियों को समाप्त करना नहीं अपितु उसे संरक्षण देना है। सरकार की मंशा है कि वैध विदेशी सहायता का तो स्वागत होगा लेकिन विदेशी धन के दुरुपयोग को किसी भी तरह बर्दास्त नहीं किया जाएगा। जो संस्था नियमों का पालन करती है तथा पारदर्शी तरीके से हिसाब देती है, उसे या उसके प्रति किसी अन्य को संदेह का कोई कारण नहीं। आखिर धन की आवश्यकता तो सभी व्यक्तियों समाज और सरकारों को है। ईसाई संस्थाओं द्वारा इतना भ्रम और विरोध क्यों : इस अधिनियम में हो रहे संशोधन को लेकर सबसे अधिक राजनीतिक विवाद इस बात पर पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है कि इसका निशाना चर्च या ईसाई संस्थाएं हैं। वास्तव में FCRA का ढांचा ना तो किसी एक धर्म विशेष के लिए बनाया गया और ना ही किसी धर्म का उसमें जिक्र है। हाँ, धार्मिक गतिविधियों से जुड़े संगठन भी तभी विदेशी योगदान प्राप्त कर सकते हैं, जब वे कानून की निर्धारित शर्तों का पालन करें। हालांकि, पीछे अनेक मामलों में चर्च व उससे जुड़ी अनेक संस्थाओं द्वारा विदेशी धन का दुरुपयोग करते हुए किस प्रकार भारत की धर्म-प्राण जनता का अवैध रूप से धर्मांतरण किया जा रहा था, यह विषय भी किसी से छुपा नहीं है। कानून को धता बताते हुए देश के अनुसूचित क्षेत्रों में बने अनेक अवैध चर्च, मस्जिदें, मदरसे तथा अन्य मजहबी संस्थान तथा उनकी कारगुजारियाँ भी सर्व विदित हैं। शायद इसीलिए उन्हीं के मन में डर है जिनको पकड़े जाने का भय है! हमारे यहाँ यदि कोई संस्था ईमानदारी से धार्मिक, शैक्षणिक या सामाजिक सेवा कर रही है और विदेशी धन का वैधानिक उपयोग कर रही है, तो उसे केवल विदेशी सहायता प्राप्त करने के कारण संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जाता अपितु उसका सार्वजनिक सम्मान किया जाता है। किन्तु यह भी स्पष्ट रहे कि किसी की धार्मिक पहचान उस संस्था को भारतीय कानूनों से ऊपर भी नहीं रख सकती। यदि हम सही हैं तो कानून का विरोध क्यों और उससे डरने या डराने के प्रपंच क्यों! असल बहस विदेशी धन को रोकने या अनुमति देने की नहीं अपितु, उस धन के माध्यम से हो रहे विदेशी प्रभाव को समझने की है। विदेश से आया पैसा यदि किसी अस्पताल में मरीज का इलाज करता है, किसी गरीब बच्चे की शिक्षा में लगता है, किसी प्राकृतिक आपदा में राहत पहुंचाता है या किसी वैज्ञानिक शोध में उपयोग होता है, तो वह मानव कल्याण का माध्यम हो सकता है। लेकिन यदि वही पैसा देश के भोले भाले लोगों के अवैध धर्मांतरण करने, उसकी सामाजिक संरचना को प्रभावित करने, राजनीतिक वातावरण को निर्देशित करने, हिंसक अथवा विघटनकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने या स्वदेशी कानून को तोड़ने के लिए प्रयोग किया जाता है, तो वह अस्वीकार्य है। (लेखक, विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं।)

चौमासे की बात, चिंताओं की बरसात

कुलभूषण उपमन्यु

पूरी प्रकृति को हरियाली से सराबोर करके धरा को तृण संकुल बना कर जहां पैदल रास्ते भी छुप जाते हैं, हमेशा से ही ऐसा बरसात का मौसम कठिनाइयों और बाढ़ आदि खतरों से भरा रहा है। शायद इसीलिए बरसात के महीनों को चौमासा कहा जाता था, जिनमें साधु-संत अपनी यात्राओं को स्थगित करके कहीं एक गांव में रुक जाते थे और इस समय को धार्मिक कथा वार्ता के आयोजन करके सद्गुण और धर्म प्रचार में उपयोग करते थे। एक पंथ दो काज वाली कहावत चरितार्थ होती थी। लोग अनावश्यक आवागमन नहीं करते थे, लेकिन अब आधुनिक विकास और यातायात के साधनों के विस्तार के चलते बरसात का मौसम भी पर्यटन का मौसम बन गया है। खास कर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित धार्मिक स्थलों तक, जहां पहुंच बर्फ पिघलने के बाद बरसात में ही संभव है, वहां के लिए धार्मिक पर्यटन (यात्राओं) बरसात में ही ज्यादा जोर पकड़ता है। ये यात्राएं तो पहले से ही आयोजित होती आई हैं, लेकिन पैदल यात्राएं होने के कारण इतनी भीड़-भाड़ नहीं होती थी। जलवायु परिवर्तन के इस दौर ने बरसात की विभीषिका को और ज्यादा बढ़ा दिया है, जिसके उदाहरण 2013 जून की केदारनाथ त्रासदी या भरमौर मणिमहेश राधाष्टमी स्नान के दौरान 1994 और 2025 में आई बाढ़ में मिल जाते हैं। मैदानी इलाकों में जलभराव के कारण ज्यादा हानि होती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलनों और नदी के तेज बहाव से होने वाले कटाव से ज्यादा नुकसान होता है। ज्यादातर भूस्खलन उन क्षेत्रों में होते हैं, जहां मानव गतिविधि जनित प्रकृति के साथ छेड़छाड़ ज्यादा होती है। मानव जनित छेड़छाड़ कई तरह की है। सबसे ज्यादा तो वर्तमान विकास कार्यों के कारण प्रकृति विध्वंस होता है। जैसे कि खनन, सड़क निर्माण या जल विद्युत परियोजनाओं के कारण होने वाली तोड़फोड़, जिसमें भारी मशीनों से कटाई, मलबा डंपिंग, सुरंग बनाने जैसी गतिविधियां मुख्य हैं। इन कार्यों के लिए बड़ी मात्रा में जंगल भी कटते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन का खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण बरसात की बारिश की बौछार बढ़ गई है। थोड़े समय में ही बहुत ज्यादा पानी बरस जाता है।

संकरी घाटियों में एक ही जगह पर जब 10-20 किलोमीटर के दायरे में एक घंटे में 100 मिलीमीटर (मिली) मीटर से ज्यादा बारिश हो जाए तो उसे बादल फटना कहा जाता है। बादल फटने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। यदि प्रकृति से छेड़छाड़ ज्यादा हुई हो तो बादल फटने से नाजुक भूमि जल्दी ही बह कर भयानक भूस्खलनों को जन्म देती है, जिससे जन-धन की भारी हानि हर साल पर्वतीय क्षेत्रों को झेलनी पड़ रही है। इस वर्ष भी शुरुआती बरसात में ही चट्टानें टूटने के कारण लाहुल पांगी में 13 लोग एक गाड़ी सहित ऊपर से गिरी भारी चट्टान के नीचे दब कर काल का ग्रास बन गए तो बनीखेत के पास एक ही परिवार के पांच लोग दुर्भाग्यवश धुंध के चलते गाड़ी गहरी खाई में लुढ़क जाने से मारे गए। कांगड़ा जिला की शाहपुर तहसील का बोह क्षेत्र तो इस पांच साल में दो बार जनधन की हानि झेल चुका है। 2021 में बोह बाजार से ऊपर जंगल में कोई छोटा भूस्खलन आया, जिससे कुछ पेड़ नीचे खाई में फंस गए। उनसे कुछ मलबा फंसता गया और एक बांध जैसा बन गया। भारी बारिश में जब पानी बांध की क्षमता से ज्यादा हो गया तो वह टूट गया और जमा भारी मात्रा में पानी नीचे बोह बाजार को तबाह करता हुआ निकल गया, जिसमें कुछ जन हानि भी हुई थी। इस वर्ष भी बोह वैसी ही त्रासदी का शिकार हुआ है। दिन में घटना होने के कारण और 2021 के सबक से चौकन्ने लोगों ने भाग कर जान तो बचा ली, किंतु मकानों और गौशालाओं का भारी नुकसान हुआ। सरकार ने संवेदना से मामले को संभाला भी, किंतु ऐसे घाव भरते हुए दशकों लग जाते हैं। जैसे कि मंडी जिला के 2023 और 2025 के घाव अभी तक भी भर नहीं पाए हैं। सरकारों की सामर्थ्य भी सीमित ही है और प्राथमिकताएं भी बाधा बनती हैं। बोह की घटनाओं को समझने के लिए मैंने कुछ साथियों से बात करके कारण जानने का प्रयास किया।

मैंने समझा था की जरूर कोई निर्माण कार्य व प्रकृति से छेड़छाड़ हुई होगी, किंतु ऐसा तो कुछ भी नहीं पाया गया। मुझे अपने एक मित्र प्रताप जरयाल जी की बात से नया ही दृष्टिकोण देखने को मिला और उसे मैंने काफी सटीक निष्कर्ष माना। उनके अनुसार जहां भूस्खलन हुआ उसके ऊपर कोई छेड़छाड़ प्रकृति से नहीं हुई, किंतु घने वन में आग जरूर लगी, जिससे जलकर मिट्टी की ऊपरी परत ढीली हो गई और आग के कारण कुछ चट्टानें भी फट जाती हैं। उन दरारों में पानी भर कर ढीली मिट्टी को बहाने का कारक बन जाता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

जीविका दीदियां बना रहीं राष्ट्रध्वज, 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए, महिला सशक्तीकरण का दिया संदेश

हाजीपुर। वैशाली जिले में 09 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' चलाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस-2026 और 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह अभियान आयोजित हो रहा है। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह के निर्देश पर जीविका वैशाली की दीदियां राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में जुटी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी महिलाएं पूरे उत्साह और समर्पण के साथ तिरंगे का निर्माण कर रही हैं। कटाई और सिलाई जैसे सभी कार्य सामूहिक रूप से किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और उसके निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जीविका दीदियों का कहना है कि राष्ट्रीय पर्व के लिए तिरंगा तैयार करना उनके लिए रोजगार के साथ-साथ गौरव और सम्मान का विषय है। उनके हाथों से बने प्रत्येक तिरंगे से स्वतंत्रता दिवस पर घर-घर राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचेगा। जिला प्रशासन का मानना है कि इस पहल से महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर मिल रहा है, साथ ही राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी भी बढ़ रही है। जिलाधिकारी के निर्देश पर इस अभियान को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर जन-आंदोलन का रूप देने की तैयारी है। प्रशासन ने जिलेवासियों से 09 से 17 अगस्त तक अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और अपने घरों, प्रतिष्ठानों व संस्थानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की है।

श्रावणी मेले में 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम, कांवरियों की शिकायतों का होगा त्वरित समाधान

हाजीपुर। श्रावणी मेला के दौरान कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सेवा को लेकर वैशाली जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्था की है। जिला पदाधिकारी ने रविवार को नगर परिषद हाजीपुर के कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक समेत संबंधित पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। कंट्रोल रूम को 24×7 संचालित किया जाएगा। यहां कांवरियों और आम नागरिकों की शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। प्रशासन ने कंट्रोल रूम को त्वरित सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के आधार पर संचालित करने की व्यवस्था की है। श्रावणी मेला के दौरान डीएम वर्षा सिंह स्वयं कांवरियों के बीच पहुंचीं और उनकी सुविधा एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने कांवरियों को फल, नींबू पानी, ठंडा पेयजल और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। डीएम ने श्रद्धालुओं से बातचीत कर मेला व्यवस्था का फीडबैक भी लिया और अधिकारियों को उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम भी तैनात रही। टीम ने कांवरियों और श्रद्धालुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और दवाओं की सुविधा भी सुनिश्चित की गई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेला अवधि में पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश, यातायात, सुरक्षा, चिकित्सा, शौचालय और विश्राम स्थल जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ भीड़ प्रबंधन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों और सूचनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्ग और प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं का पालन करें। किसी भी समस्या की स्थिति में कंट्रोल रूम या नजदीकी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी से संपर्क करें। जिला प्रशासन का संकल्प है कि कांवरियों की सेवा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाजनक श्रावणी मेला सुनिश्चित किया जाए।

सोनपुर हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे 20 हजार श्रद्धालु, श्रद्धालुओं के लिए 2 अरघा से जलाभिषेक की व्यवस्था

हाजीपुर। सोनपुर के प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर में सावन मास की दूसरी सोमवारी पर 20 हजार श्रद्धालु की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त बाबा हरिहरनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन ने दो अरघा की व्यवस्था की है। इन अरघा के माध्यम से श्रद्धालु सुगमतापूर्वक बाबा हरिहरनाथ को जल अर्पित कर रहे हैं, जिससे जलाभिषेक की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी है। भीड़ को नियंत्रित

करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंदिर परिसर के बाहर से ही बैरिकेडिंग कर कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु निर्धारित मार्ग से कतार में लगकर मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। जलाभिषेक के बाद सुरक्षाकर्मी उन्हें दूसरे रास्ते से बाहर निकाल रहे हैं। प्रशासन और मंदिर समिति का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और जलाभिषेक की सुविधा प्रदान करना है। इसके साथ ही, मंदिर परिसर में भीड़ को अनियंत्रित होने से रोकना, आवाजाही को व्यवस्थित रखना और स्वच्छता बनाए रखना भी इन व्यवस्थाओं का लक्ष्य है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। दूसरी सोमवारी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद, प्रशासन द्वारा भीड़ की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि कोई अव्यवस्था न हो।

बिदुपुर सिक्सलेन पुल पर रील बनाते घायल युवक की मौत, इलाज के समय गई जान, 2 अन्य का ट्रीटमेंट जारी

हाजीपुर। वैशाली के कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्सलेन पुल पर शनिवार को रील बनाने के दौरान हुए एक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक से स्टंट करते समय यह दुर्घटना हुई, जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मृतक की पहचान चकसिकंदर कल्याणपुर निवासी मनीष प्रसाद के पुत्र अनुराग प्रताप उर्फ नीरज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, युवक सिक्सलेन पुल पर बाइक से स्टंट कर रहे थे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में अनुराग प्रताप उर्फ नीरज सहित तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान अनुराग प्रताप उर्फ नीरज ने दम तोड़ दिया। उसके साथ घायल हुए दो अन्य युवकों का इलाज अभी जारी है। युवक की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजनों में शोक का माहौल है।

आदित्य कुमार करताहा के नए थानाध्यक्ष नियुक्त

हाजीपुर। वैशाली जिला के पुलिस अवर निरीक्षक आदित्य कुमार को करताहा थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसपी शुभांक मिश्रा ने उन्हें तत्काल नए पद पर योगदान देने का निर्देश दिया है। इससे पहले आदित्य कुमार बिदुपुर थाना की अनुसंधान इकाई में अपर थानाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। करताहा थानाध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण एसपी ने आदित्य कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनके पदस्थापन के बाद थाना क्षेत्र में लंबित मामलों के अनुसंधान और आपराधिक घटनाओं पर कार्रवाई में तेजी आने की उम्मीद है। यह पद 24 जुलाई को तत्कालीन थानाध्यक्ष कुणाल कुमार आजाद के निलंबन के बाद से खाली था। कुणाल कुमार आजाद को एक कांड के अनुसंधान के दौरान प्रथमदृष्टया संदिग्ध भूमिका पाए जाने के बाद निलंबित किया गया था। जांच में सामने आया था कि उन्होंने अनुसंधान के दौरान अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं किया और मामले को प्रभावित करने का प्रयास किया। इन आरोपों के बाद एसपी ने उन पर कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया था। आदित्य कुमार को पुलिसिंग और अनुसंधान का व्यापक अनुभव है। बिदुपुर थाना में अपनी तैनाती के दौरान उन्होंने कई आपराधिक मामलों के सफल उद्भेदन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी सक्रियता से कई मामलों में पुलिस कार्रवाई और अनुसंधान को गति मिली थी। अब करताहा थाना की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके सामने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, लंबित कांडों का अनुसंधान पूरा करने और अपराध नियंत्रण की चुनौती होगी।

सम्राट सरकार के खिलाफ उतरे बिहार के 12,000 शिक्षक

एजेंसी, पटना

- पटना यूनिवर्सिटी में लगाए सम्राट सरकार के खिलाफ नारे

बिहार में 50 साल बाद यूनिवर्सिटी कानून बदलने वाला है। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम के विरोध में प्रदेश के तमाम यूनिवर्सिटी और कॉलेजों के शिक्षक आज सामूहिक अवकाश पर हैं। राज्य के 481 सरकारी डिग्री कॉलेजों के 12 हजार से ज्यादा शिक्षक आज अपने-अपने यूनिवर्सिटी मुख्यालय पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना यूनिवर्सिटी में भी सभी शिक्षक प्रदर्शन करने उतरे हैं। सभी टीचर्स बिहार सरकार मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने इस प्रदर्शन का आह्वान किया है।

पटना यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिवसागर ने कहा कि हम लोग पहले से ही धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं। बिहार विश्वविद्यालय एक्ट और पटना विश्वविद्यालय एक्ट को समाप्त किया जा रहा है। इसके विरोध में हमने पिछले दिनों चार दिन का मास कैजुअल लीव भी लिया था और मानव श्रृंखला भी बनाया था। हम लोग संघर्ष करने के लिए रोड पर उतरे हुए थे। इस विधेयक के खिलाफ शिक्षक, कर्मचारियों और छात्र तीनों विंग लगे हुए हैं। विश्वविद्यालय के स्वायत्ता को समाप्त करने पर जो प्रहार हो रहा है, इसके विरोध में हम लोग आज यहां एकजुट हुए हैं। अंतिम दम तक हम लोग पुरजोर कोशिश करेंगे कि इसको हम लोग लागू नहीं होने देंगे।

टीचर बोले- उच्च शिक्षा प्रणाली को नियंत्रण में रखना चाहती सरकारः शिक्षक डॉ सुधीर कुमार ने कहा कि बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के विरोध में आज हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की स्वायत्ता को समाप्त करने को लेकर सरकार साजिश रच रही है। सरकार चाहती है कि उच्च शिक्षा प्रणाली उनके नियंत्रण क्षेत्र में रहे। इससे शिक्षा की स्वतंत्रता और रिसर्च की परंपरा जो विश्वविद्यालय के अंदर है, वह प्रभावित होगी। सरकार रिसर्च और इनोवेशन कोअपने विचारधाराओं के प्रचार के एजेंट के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है।

प्रदर्शन के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपेंगे प्रदर्शनकारीः पटना यूनिवर्सिटी के व्हीलर सीनेट हॉल में 1:30 बजे से प्रदर्शन चल रहा है। इस प्रदर्शन के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें प्रस्तावित अधिनियम को तत्काल निरस्त करने की सरकार को अनुशंसा करने के लिए मांग शामिल है। शिक्षकों का मानना है कि इस नए विधेयक के आने से यूनिवर्सिटी की स्वायत्तता समाप्त हो जाएगी। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 और पटना विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। इनकी जगह 'बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026' प्रभावी होगा। इससे पहले शिक्षकों ने 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चरणबद्ध आंदोलन चलाया।

जंक्शन से लापता इलेक्ट्रिशियन महुआ में बेहोश मिला

एजेंसी, पटना

- मोबाइल-बैग, कैश-लॉकेट सहित सारा सामान गायब, नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर सामान लूटने की आशंका

पटना जंक्शन से लापता हुए वैशाली के सहदेई बुजुर्ग निवासी इलेक्ट्रिशियन श्याम किशुन राय (45) महुआ में बेहोशी की हालत में मिले हैं। बताया जा रहा है कि नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उन्हें बेहोश किया गया और उनका सारा सामान अज्ञात लोगों ने पार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, पटना जंक्शन से निकलने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे दोस्ती की और घर तक छोड़ने की बात कहकर स्विफ्ट कार में बैठा लिया। रास्ते में कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद श्याम किशुन बेसुध हो गया। सुबह दोनों महुआ से पहले रानी पोखर के पास एक बगीचे में पड़े मिला। स्थानीय लोगों ने दोनों को लावारिस हालत में देखकर डायल-112 पर सूचना दी। इसके बाद महुआ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के मुताबिक, श्याम किशुन की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन पर नशे का असर अभी भी है। उनका बैग, मोबाइल फोन और अन्य सामान गायब है।

श्याम किशुन शनिवार दोपहर करीब 1 बजे दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से पटना के लिए रवाना हुए थे। रात करीब 8 बजे तक परिजनों से उनकी बातचीत हुई थी। विक्रमशिला एक्सप्रेस रात 2:33 बजे पटना जंक्शन पहुंची। पटना जंक्शन के CCTV फुटेज में वह स्टेशन से निकलते और बैग-झोला लेकर जाते दिखाई दिए। करीब 3:10 बजे उन्हें आखिरी बार CCTV में देखा गया। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। श्याम किशुन के मिलने के बाद परिजनों ने उसके लापता होने का खुलासा किया है। समधी धर्मनाथ राय ने बताया, 'पटना जंक्शन से निकलने के बाद श्याम किशुन की मुलाकात एक अज्ञात व्यक्ति से हुई थी। उसने कहा कि मेरी ड्यूटी पटना में है और घर महुआ में है।

समस्तीपुर-मधेपुरा में बारिश, 12 जिलों में अलर्ट

एजेंसी, पटना

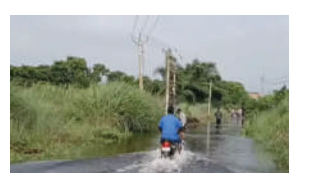

बिहार में मानसून एक्टिव है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में करीब 40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। दोपहर बाद मधेपुरा और समस्तीपुर में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 12 अगस्त तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। उत्तर बिहार के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 15 अगस्त के बाद प्रदेश में मौसम साफ होने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 9 अगस्त तक बिहार में कुल 369.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश का आंकड़ा 573.4 मिलीमीटर होना चाहिए था। इस तरह राज्य में अब तक बारिश 36 प्रतिशत कम हुई है। रविवार शाम को मुंगेर के हवेली खड़गपुर में मुसलाधार बारिश हुई। जिसके बाद कई इलाकों में जलजमाव हो गया। वहीं नेपाल के तराई इलाकों में हो रही लगातार बारिश ने गोपालगंज में बाढ़ का खतरा बढ़ा दिया है। दियारा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में पानी घुस गया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घरों, खेतों और सड़कों में पानी भरने से जनजीवन प्रभावित हो गया है।

मुजफ्फरपुर में शिवभक्तों पर हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश, देवघर में साढ़े 3 लाख कांवरिए पहुंचेंगे

एजेंसी, पटना

- बेगूसराय में 2 किमी लंबी कतार, बिहार के मंदिर में भारी भीड़

सावन का आज दूसरा सोमवार है। बिहार के शिवालयों में भक्तों की भीड़ है। हर-हर महादेव की गूंज है। मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में आज स्थानीय और कांवरियों को मिलाकर 2 लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। मंदिर के ऊपर हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई है। वहीं भागलपुर के अजगैबीनाथ मंदिर, उत्तरवाहिनी गंगा और कांवरिया पथ समेत प्रमुख स्थलों पर भी हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश कर शिवभक्त कांवरियों का भव्य स्वागत किया गया।

बेगूसराय के हरिगिरीधाम गढ़पुरा में 2 किलोमीटर लंबी लाइन है। अहले सुबह से मंदिर में पूजा हो रही है। वहीं, भागलपुर के सुल्तानगंज से लेकर झारखंड के देवघर तक करीब 105 किलोमीटर तक सड़क केसरिया रंग के कपड़े पहने भक्तों से रंगा है। झारखंड के देवघर में कांवरियों की भारी भीड़ है। आज करीब साढ़े 3 लाख भक्तों के जलाभिषेक करने का अनुमान है। नालंदा में एक छोटा बच्चा मंदिर की सीढ़ियां चढ़ता नजर आया।

मुजफ्फरपुर में कांवरियों के आराम के लिए शिविर लगा हैः मुजफ्फरपुर में पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर तुर्की, रामदयालु होते हुए बाबा गरीबनाथ धाम की ओर कांवरिए बढ़ रहे हैं। रास्ते में हर-हर महादेव और जय बाबा गरीबनाथ के जयकारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। कई स्थानों पर कांवरिया शिविरों में रुक कर आराम कर रहे हैं। बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक का सिलसिला रविवार रात से ही शुरू हो चुका है। देर रात के बाद कांवरियों की कतार मंदिर की ओर बढ़ने लगी। स्थानीय श्रद्धालुओं के पहुंचने के साथ भीड़ और बढ़ने की संभावना है।

एनएचएआई के खिलाफ एफआईआर नहीं होने पर हाईवे किया जाम, नौबतपुर में धरने बैठा घायल

एजेंसी, पटना

- पुलिस ने समझाया, नहीं माना तो उठाकर थाने ले गए

पटना के नौबतपुर में रविवार शाम सड़क हादसे में घायल एक युवक ने NHAI के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं होने से नाराज होकर NH-139 को जाम कर दिया। युवक सड़क के बीचों-बीच बैठ गया और NHAI पर कार्रवाई के साथ अपनी शिकायत दर्ज करने की मांग करने लगा। करीब 100 मीटर दूर नौबतपुर थाने के पास हुए प्रदर्शन से हाईवे पर वाहनों का परिचालन ठप हो गया और दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसके नहीं मानने पर उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई।

तीन दिन पहले निर्माण स्थल पर हुआ था हादसाः नौबतपुर निवासी नीरज कुमार तीन दिन पहले रात में बाइक से नहरपुरा से नौबतपुर लौट रहे थे। नौबतपुर थाना के पास सड़क की ढलाई और मरम्मत का काम चल रहा था। नीरज के मुताबिक, निर्माण स्थल पर पर्याप्त रोशनी और सड़क सुरक्षा से जुड़े संकेत नहीं थे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में नीरज घायल हो गए। इलाज कराने के बाद वह मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर नौबतपुर थाने पहुंचे। नीरज का आरोप है कि सड़क निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण हादसा हुआ। उन्होंने NHAI की लापरवाही बताते हुए उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाने में आवेदन देना चाहा, लेकिन पुलिस ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद से वह कार्रवाई की मांग कर रहे थे। रविवार शाम जब उनकी शिकायत दर्ज नहीं हुई तो वह NH-139 के बीचों-बीच जाकर बैठ गए।

के समझाने के बाद भी नहीं हटेः युवक के हाईवे पर बैठने की सूचना मिलते ही नौबतपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी देर तक उसे समझाने और सड़क से हटने के लिए कहा, लेकिन नीरज NHAI पर कार्रवाई और अपनी शिकायत दर्ज कराने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उन्हें हिरासत में ले लिया और थाने ले गई। प्रदर्शन के दौरान हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माणाधीन सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण और मरम्मत के दौरान पर्याप्त रोशनी, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और अन्य जरूरी सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि रात में वाहन चालकों के साथ इस तरह के हादसे न हों।

पटना मेट्रो निर्माण के कारण चिड़ियाघर के पास ट्रैफिक बदला

एजेंसी, पटना

पटना में मेट्रो निर्माण के चलते चिड़ियाघर के पास करीब 200 मीटर हिस्से में सड़क की एक लेन से ही वाहनों का परिचालन हो रहा है। इससे पीक आवर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा है। पुलिस ने जाम की समस्या को देखते हुए सोमवार से सगुना मोड़ की ओर से आने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए नया डायवर्जन प्लान लागू किया है। राजाबाजार पुल के नीचे से आने वाले व्यावसायिक वाहनों को चिड़ियाघर पहुंचने से पहले डुमरा चौकी के पास डायवर्ट किया जाएगा। यहां से वाहन एयरपोर्ट के मुख्य गेट के सामने से पटेल गोलंबर और हार्डिंग रोड होते हुए आयकर गोलंबर या पटना जंक्शन की ओर जा सकेंगे।

कुछ व्यावसायिक वाहनों को चिड़ियाघर से पहले एलएनजेपी अस्पताल की ओर मोड़कर पुनाईचक की तरफ भेजा जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य चिड़ियाघर के पास बंद लेन पर वाहनों का दबाव कम करना है। चिड़ियाघर के पास सड़क की एक लेन बंद होने के कारण राजवंशी नगर स्थित हनुमान मंदिर के पास पीक आवर में जाम की स्थिति बन रही है। वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात प्रभावित हो रही है। इसी वजह से व्यावसायिक वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से भेजने का फैसला लिया गया है। यातायात पुलिस के अनुसार, मेट्रो का अगला निर्माण कार्य विकास भवन और विद्युत भवन के आसपास शुरू होना है।

बिहार में शराबबंदी को लेकर सियासी बहस तेज

एजेंसी, पटना

बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून की समीक्षा करने की मांग की है। उनके बयान के बाद राज्य की राजनीति में शराबबंदी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इस पर मंत्री सुनील कुमार ने कहा, 'बिहार में फिलहाल शराबबंदी कानून पूरी तरह लागू है और सरकार इसे लेकर अपने रुख पर कायम है।'

सरकार की ओर से कहा गया कि शराब के अवैध कारोबार और सेवन के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध शराब से जुड़े मामलों में गिरफ्तारी के साथ मुकदमे की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। मामलों में ट्रायल चल रहे हैं और दोष सिद्ध होने पर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा रही है। पुलिस और प्रशासन को अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। हाल में हुई एक आपराधिक घटना को लेकर भी सरकार ने इसे बेहद निंदनीय बताया। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। सरकार ने कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने घटना को लेकर पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना भी जताई और भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

पटना में एआई वाले 19 ई-स्कूटर रखेंगे शहर पर नजर

एजेंसी, पटना

- 'नगर नेत्रा' पकड़ेगा गड्ढे, कचरा और अतिक्रमण समेत 7 समस्याएं, कैमरे से रिकॉर्ड होगा शहर का हाल

शहर की सफाई, सड़कों और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पटना में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। पटना स्मार्ट सिटी की ओर से सिविक सर्विसेज सर्विलांस एंड मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। नगर विकास विभाग ने इसकी मंजूरी दे दी है। पटना में सफलता मिलने के बाद इसे बिहारशरीफ, मुजफ्फरपुर, भागलपुर समेत राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी लागू करने की योजना है। पटना नगर निगम के 75 वार्डों में निगरानी के लिए करीब 19 AI आधारित ई-स्कूटर तैनात किए जाएंगे। लगभग हर चार वार्ड पर एक ई-स्कूटर की जिम्मेदारी होगी। इनका नाम 'नगर नेत्रा' रखा गया है। एजेंसी का चयन सितंबर तक किए जाने की योजना है। ये ई-स्कूटर लगातार शहर की सड़कों और गलियों में घूमकर नागरिक सुविधाओं की स्थिति की निगरानी करेंगे।

कैमरे से रिकॉर्ड होगा शहर का हालः 'नगर नेत्रा' में स्मार्ट डैशकैम और GPS लगाया जाएगा। कैमरे 4K वीडियो रिकॉर्डिंग और 110 डिग्री वाइड एंगल से सड़क की तस्वीर रिकॉर्ड करेंगे। AI और मशीन लर्निंग तकनीक इन तस्वीरों और वीडियो का विश्लेषण करेगी। इससे अधिकारियों को शहर की समस्याओं की जानकारी रियल टाइम में मिल सकेगी। AI सिस्टम सड़क पर फैले कचरे, गंदी सड़क, टूटे या खुले मैनहोल, गड्ढे, खराब स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण-अवैध कब्जे, आवारा मवेशी और अवैध होर्डिंग्स जैसी समस्याओं की पहचान करेगा।

ICCC में बनेगा सेंट्रल ऑपरेशंस सेंटरः गांधी मैदान स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर (ICCC) में सेंट्रल सिविक सर्विसेज ऑपरेशंस सेंटर बनाया जाएगा। ई-स्कूटर और अन्य कैमरों से मिलने वाला लाइव डेटा यहां पहुंचेगा। AI के जरिए विश्लेषण के बाद किसी समस्या की पहचान होने पर संबंधित विभाग और अधिकारी को मोबाइल ऐप के माध्यम से तुरंत अलर्ट भेजा जाएगा।

हर वार्ड की सप्ताह में दो बार होगी निगरानीः योजना के तहत पटना के प्रत्येक वार्ड की सड़कों की सप्ताह में दो बार स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके लिए वार्डवार टाइमटेबल तैयार किया जाएगा। इससे यह भी पता लगाया जा सकेगा कि किसी इलाके में समस्या कितने समय से मौजूद है और उसके समाधान के लिए संबंधित विभाग ने क्या कार्रवाई की। 'नगर नेत्रा' में 3 किलोवाट प्रति घंटे क्षमता की लिथियम-आयन बैटरी इस्तेमाल की जाएगी। एक बार चार्ज होने पर ई-स्कूटर 100 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर सकेंगे। इनके लिए ICCC या अन्य निर्धारित स्थानों पर अलग चार्जिंग हब भी बनाए जाएंगे। इस परियोजना से नगर निगम को शहर की समस्याओं की जानकारी तेजी से मिलने के साथ अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में भी मदद मिलेगी। पटना में प्रोजेक्ट सफल होने के बाद इसी मॉडल को बिहारशरीफ, मुजफ्फरपुर, भागलपुर समेत बिहार के अन्य प्रमुख शहरों में लागू करने की तैयारी है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

अब प्रधानों के प्रशासक बनने की सभी याचिकाओं की सुनवाई करेगा इलाहाबाद हाईकोर्ट

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने को चुनौती देने वाली हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में दाखिल जनहित याचिकाओं पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने लखनऊ पीठ में दाखिल चार जनहित याचिकाओं को सुनवाई के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने का आदेश दिया है। यह आदेश राज्य सरकार के आग्रह पर दिया गया है। लखनऊ पीठ में ओम प्रकाश प्रजापति पंचायत राज ग्राम प्रधान संगठन, आशीष कुमार सिंह और संजय कुमार शर्मा द्वारा दाखिल चार जनहित याचिकाओं पर सुनवाई चल रही थी। 3 अगस्त को राज्य सरकार ने इनमें हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में अपना जवाब दाखिल कर दिया था। साथ ही सरकार ने मामले में मांगा गया ब्योरा भी पेश कर दिया था। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को निर्धारित की थी। इससे पहले राज्य सरकार ने मामले को लखनऊ पीठ से इलाहाबाद हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की अर्जी भी दाखिल कर दी। इस अर्जी पर 6अगस्त को सुनवाई के बाद मुख्य न्यायमूर्ति ने चारों याचिकाओं को सुनवाई के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने का आदेश दिया। पिछली सुनवाई पर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कई अहम सांविधानिक सवाल उठाए थे और राज्य सरकार से इस व्यवस्था का स्पष्ट कानूनी आधार बताने को कहा था।

एमजीयूजी में एनसीसी के लिए 210 अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग

गोरखपुर , एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को एनसीसी के नव नामांकन और 'सी' प्रमाणपत्र के लिए कैडेट्स की प्री-स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी हुई। 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जयशंकर चौधरी, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा व अन्य की देखरेख में चयन प्रक्रिया पूरी हुई। नव नामांकन के लिए कुल 210 नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। चयन के दौरान अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता, अनुशासन, योग्यता और निर्धारित मानकों का विभिन्न चरणों में आकलन किया गया। वहीं, 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा में 35 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कुलपति पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. भूपेश गोयल और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पुष्प वर्षा से होगी तिरंगा यात्रा का स्वागत, तैयारी में व्यापारी और भाजपाई

गोरखपुर , एजेंसी। नगर निगम परिसर से रेलवे स्टेशन स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक तिरंगा यात्रा की स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 16 स्थान चिन्हित किए गए हैं जहां व्यापारी और भाजपा कार्यकर्ता पुष्प वर्षा से स्वागत करेंगे। भाजपा के बेनीगंज स्थित कार्यालय पर रविवार को यात्रा के सफल आयोजन के लिए रणनीति बनी। महानगर अध्यक्ष रमेश गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में शशिकांत सिंह, सिद्धांतों घोष, सौरभ सिंह, आनंद अग्रहरि, शिवानंद सिंह,पवन यादव, संतोष राजभर, निलेश पांडेय, उत्कर्ष सिंह, अमित नारायण मल्ल, प्रदीप निषाद, रजत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ओम के शब्दमय स्वरूप में प्रकट हुए परब्रह्म महादेव

गोरखपुर , एजेंसी। सूर्यकुंड धाम में आयोजित शिव महापुराण कथा के 11वें दिन रविवार को कथावाचक पंडित अवनीश शुक्ला ने कहा कि भगवान शिव ओम के शब्दमय स्वरूप में परब्रह्म के रूप में प्रकट हुए हैं। उन्होंने बताया कि ब्रह्मा और विष्णु ने ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए तो उसके दक्षिण भाग में अकार, उत्तर में उकार और मध्य में मकार का दर्शन हुआ। अंत में ओम नाद का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि प्रणव के तीन अक्षरों से क्रमशः ब्रह्मा, विष्णु और भगवान शिव का ज्ञान होता है। इससे पहले भगवान शिव, माता पार्वती और शिव परिवार का विधि-विधान से पूजन और श्रृंगार किया गया। सामूहिक रुद्राभिषेक में 76 श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं ने शिव महिमा के भजन गाए और श्रद्धालुओं ने रुद्र यज्ञ में आहुति दी।

नेपाल बॉर्डर से भी पार कराई जाली नोटों की खेप

लगेगा आतंकवाद विरोधी कानून

लखनऊ, एजेंसी। जाली नोटों की खेप यूपी व अन्य प्रदेशों में खपाने वाले गिरोह को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। गिरोह नेपाल बॉर्डर के रास्ते भी भारत में कई बार जाली नोटों की खेप लेकर आया। फिर यूपी होते हुए अलग-अलग राज्यों में खेप की सप्लाई की गई। एटीएस जल्द ही मामले में आरोपियों पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत भी कार्रवाई करेगी। एटीएस ने शनिवार को कासगंज के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव निवासी अजीम खान और राजा उर्फ समीरुल को गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से एक लाख रुपये के जाली नोट बरामद हुए थे। ये नोट हाई सिक्योरिटी फीचर से लैस थे। इसी से स्पष्ट था कि इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है। मामूली गिरोह या अपराधियों के पास ऐसी तकनीक नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ और अहम साक्ष्य जुटाने व उनकी तस्दीक के बाद आरोपियों पर आतंकवाद विरोधी कानून यानी यूएपीए एक्ट लगाया जाएगा।

जल्द रिमांड पर लिए जाएंगे आरोपी – जेल भेजे गए दोनों आरोपियों को एटीएस जल्द रिमांड पर लेगी।

दस से अधिक राज्यों में नेटवर्क – समीरुल का बड़ा भाई गिरोह की अहम कड़ी है। एजेंसी ने उसको आरोपी बनाकर तलाश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, नेपाल के रास्ते करेंसी को लाने में आसानी होती थी। इसलिए गिरोह से जुड़े लोग इस बॉर्डर से भी बड़े पैमाने पर जाली नोटों की खेप ला चुके हैं। यही नहीं, गिरोह में काफी अधिक लोग शामिल हैं। यूपी-दिल्ली समेत करीब दस राज्यों में इसका नेटवर्क है। दो से तीन वर्षों से गिरोह इस काम में लगा था।जांच एजेंसी ने आरोपियों के मोबाइल फोन खंगाले हैं। फोरेंसिक जांच के लिए मोबाइल भेजे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों की व्हाट्सएप चैट बेहद अहम है। कहां, कब, कैसे नोटों की सप्लाई होनी है, ये सब उसमें है। आठ से दस नाम भी जांच एजेंसियों को आरोपियों ने बताए हैं, जो गिरोह से जुड़े हैं।

वैदिक घड़ी... समय बताएगी, पंचांग पढ़ाएगी

लखनऊ, एजेंसी। अब तक घड़ी की सुइयां घंटे और मिनट का हिसाब बताती रही हैं, लेकिन पक्का पुल के पास स्थित प्राचीन श्री लेटे हुए हनुमान जी मंदिर में समय की गणना का अंदाज कुछ अलग होगा। यहां नवरात्रि के पहले दिन वैदिक घड़ी स्थापित की जाएगी, जिसमें समय घंटे-मिनट और सेकेंड के बजाय मुहूर्त, कला और काष्ठ में नजर आएगा। वैदिक घड़ी में अंग्रेजी कैलेंडर के साथ विक्रम संवत, सूर्य राशि, चंद्र राशि, नक्षत्र, होरा, चौघड़िया, व्रत और त्योहार समेत अन्य जानकारियां मिल सकेंगी। मंदिर के महंत व मुख्य सेवादास डॉ. विवेक तांगड़ी ने बताया कि घड़ी की स्थापना की तिथि रविवार को तय की गई है। यह घड़ी पूरी तरह वैदिक काल गणना पर आधारित होगी। इसमें सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक के समय को 30 मुहूर्त में बांटा गया है। घड़ी के शून्य पर स्थानीय सूर्योदय का समय शुरू होगा, जबकि 15वें मुहूर्त पर सूर्यास्त की गणना की जा सकेगी। वैदिक गणना के मुताबिक एक दिन में 30 मुहूर्त, एक मुहूर्त में 30 कला और एक कला में 30 काष्ठ होते हैं। वर्तमान समय गणना के अनुसार एक मुहूर्त करीब 48 मिनट, एक कला 96 सेकंड और एक काष्ठ करीब 3.2 सेकंड का होता है। रविवार को डॉ. तांगड़ी और मंदिर के सचिव डॉ. पंकज सिंह भदौरिया ने घड़ी निर्माता कंपनी के निदेशक आरोह श्रीवास्तव को घड़ी के मूल्य की दूसरी किश्त दी। मंदिर परिसर में घड़ी स्थापित करने के स्थान का निर्धारण भी किया गया। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ऋद्धि किशोर गौड़ समेत अन्य ट्रस्टी मौजूद रहे।

तिरंगे के साथ कदम बढ़ाते बच्चों ने जगाया राष्ट्रप्रेम

लखनऊ, एजेंसी। हाथों में तिरंगा... कदमों में उत्साह... और हर जुबां पर भारत माता की जय। रविवार को मुख्यमंत्री आवास से विधानसभा तक निकली तिरंगा यात्रा में राजधानी ने देशप्रेम की ऐसी तस्वीर देखी, जिसमें बच्चों का जोश सबसे अलग नजर आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हजारों छात्र-छात्राओं ने कदमताल की तो सड़कें तिरंगों से पट गईं। रास्ते में लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया और माहौल राष्ट्रप्रेम से सराबोर होता गया। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकली यात्रा में सरकारी और निजी स्कूलों के हजारों छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री के दाएं और बाएं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की दो छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर कदमताल करती रहीं। यात्रा के पूरे मार्ग पर भारत माता की जय और राष्ट्रप्रेम से जुड़े नारे गूंजते रहे। बच्चों ने हर घर तिरंगा फहराने का संकल्प भी लिया।

दो हजार फीट के तिरंगे में नजर आई एकता – विधानसभा पहुंचने के बाद यात्रा का सबसे खास दृश्य सामने आया। यहां बच्चों ने दो हजार फीट लंबे तिरंगे की मानव श्रृंखला बनाई। एक निजी डिफेंस एकेडमी संस्थान के बच्चों की ओर से बनाई गई यह मानव श्रृंखला तिरंगे के रंगों में एकजुटता की तस्वीर पेश कर रही थी।

बच्चों ने साझा किए अनुभव

दसवीं के छात्र आर्यन ने कहा कि तिरंगा यात्रा ने एकजुटता का परिचय दिया। 11वीं की छात्रा अनन्या ने कहा कि देशप्रेम का ऐसा माहौल पहले कभी देखने को नहीं मिला। स्नातक की छात्रा साक्षी के मुताबिक, यात्रा ने युवाओं में राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी की भावना मजबूत की।

राष्ट्रप्रेम के साथ स्वच्छता का संदेश

यात्रा के पीछे भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ चलते रहे। उन्होंने रास्ते में पड़े केले के छिलके, खाली टेट्रा पैक, इस्तेमाल हो चुकी पानी की बोतलें और अन्य कचरा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

छात्र आंदोलन में भागेदारी के लिए झारखंड जाएगा हिंद मजदूर किसान पंचायत का प्रतिनिधि मंडल : राकेश मणि पांडेय

सुनील बाजपेई

कानपुर। शिक्षा, परीक्षा और नियुक्ति में धंधली के विरोध में झारखंड में चल रहे आंदोलन में अब यूपी की हिन्द मजदूर किसान पंचायत भी कूद पड़ी है। झारखंड में आंदोलन का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय सचिव और यूपी के महामंत्री राकेशमणि पाण्डेय ने अपना एक प्रतिनिधि मण्डल भी छात्र आन्दोलन में भाग लेने के लिए भेजने का निर्णय लिया है। झारखंड में छात्रों के शान्तिप्रिय आन्दोलन के लिए बधाई भी देते हुए हिन्द मजदूर किसान पंचायत के महामंत्री श्रमिक नेता राकेश मणि पांडेय ने सवाल उठाया कि न्यू न्यू क्योंमें नियुक्तियों में पारदर्शिता क्यों नहीं अपनायी गयी। अपात्र लोगो की धन व प्रभाव के चलते नियुक्तियाँ किए जाने का आरोप लगाते हुए राकेश मणि पांडे ने कहा कि इस पूरी धांधली और भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई से करायी जानी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि लाभ कमाने की दृष्टि से सरकार तमाम पदों को समाप्त करने में लगी है। लोगों को संविदा पर कार्य करने के लिए विवश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार समान कार्य वेतन सिद्धान्त की खुद ही अवहेलना कर रही है। ऐसे में सब जगह युवा आक्रोशित हो रहा है। बेतहासा बेरोजगारी, हतासा में बदल कर छात्र आन्दोलन के लिए विवश हो रहे हैं।

श्रमिकों के हित में हो चुके अनेक आंदोलनों के भी अगुआकर भी रह चुके वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पांडे ने यह चेतावनी भी दी कि अगर समय रहते युवाओं को समुचित रूप से रोजगार परख बनाते हुए उनकी बेरोजगारी समाप्त किये जाने हेतु कड़े कदम नहीं उठाये गये तो सरकार के खिलाफ स्थिति और भी विस्फोटक हो सकती है । निठल्ले, बेहुदगी भरे वक्तव्य देने और एक दूसरे को नीचा दिखाने के अतिरिक्त कोई समुचित विधायकी कार्य नहीं यह जाने का भी आरोप लगाते हुए श्रमिक नेता राकेश मणि पांडे ने कहा कि जनता के टैक्स के रूप में मिले पैसे को सांसद व विधायकों पर खर्च करने के साथ ही अनाप सनाप मदों में भुगतान किया जाता है। हिंद मजदूर किसान पंचायत के महामंत्री राकेश मणि पांडे ने शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था का राष्ट्रीयकरण किया जाने की मांग करते हुए कहा कि सभी प्रकार की शिक्षा सरकार को निःशुल्क करते हुए समान अवसर सभी को दिया जाना चाहिए। हिंद मजदूर किसान पंचायत के महामंत्री राकेश मणि पांडे ने यह भी मांग की कि देश के सभी 65 वर्ष से अधिक के हर वृद्ध व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन के लिए न्यूनतम रू0 11000/- पेंशन, मुफ्त चिकित्सा एवं मुफ्त राशन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्द मजदूर किसान पंचायत अपने राष्ट्रीय सम्मेलन में इन मुद्दो को समुचित रूप से उठाने और जनमानस को आन्दोलन के लिए प्रेरित करने का कार्य करेगी।

मध्यावधि चुनावों पर पूरी तरह से रोक और उक्त पूरी अवधि तक राष्ट्रपति शासन लगाने भी मांग करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हिन्द मजदूर किसान पंचायत एक देश एक चुनाव का समर्थन करती है, क्योंकि आये दिन होने वाले उप चुनावों में अपार धन-जन की हानि होती है।

वाराणसी में 26 लाख की बीएमडब्ल्यू सुपरबाइक सीज, मॉडिफाइड साइलेंसर से करती थी फायरिंग; कई दिनों से थी तलाश

वाराणसी, एजेंसी। सिगरा थाना क्षेत्र में पिछले करीब एक सप्ताह से देर रात तेज रफ्तार और मॉडिफाइड साइलेंसर की तेज आवाज से दहशत फैलाने वाली बीएमडब्ल्यू सुपरबाइक को पुलिस ने सीज कर दिया। रविवार देर रात कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बिना नंबर प्लेट चल रही करीब 26 लाख रुपये कीमत की बाइक को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार बाइक सवार शहर की सड़कों पर खतरनाक तरीके से राइडिंग कर रहा था। बाइक में मॉडिफाइड साइलेंसर लगा था, जिससे तेज आवाज के साथ बैकफायर होने पर फायरिंग जैसी आवाज निकलती थी। देर रात रिहायशी इलाकों और सड़कों से गुजरते समय अचानक तेज आवाज होने से लोग दहशत में आ जाते थे। पिछले कई दिनों से बाइक सवार की शिकायतें सामने आ रही थीं। सिगरा पुलिस ने रविवार देर रात बाइक को रोककर जांच की। बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने के साथ ही अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। सिगरा इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि यातायात नियमों के खुलेआम उल्लंघन, बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने और अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण फैलाने के मामले में बाइक सीज की गई है।

भोले की 44 किमी की कठिन परिक्रमा, पूरी रात नंगे पैर चले शिवभक्त

गूंजता रहा हर-हर महादेव

आगरा, एजेंसी। नंगे पांव, पैरों में बंधे घुंघरू, हाथों में जल से भरा लोटा और जुबां पर महादेव का नाम... रविवार शाम ढलते ही शहर की सड़कों पर शिवभक्ति का अद्भुत नजारा दिखाई दिया। महादेव की भक्ति में डूबे शिवभक्त शिवालयों की 44 किलोमीटर लंबी नगर परिक्रमा के लिए घरों से निकले। गर्मी और उमस की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं के कदम आगे बढ़ते रहे। परिक्रमा में 12 साल के बच्चे से लेकर 60 साल तक के श्रद्धालु शामिल हुए। सोमवार को नगर के शिवालयों में भक्त जलाभिषेक करेंगे। किसी ने माथे पर त्रिपुंड लगाया था तो कोई महादेव के स्टीकर वाली टी-शर्ट पहने नजर आया। भोले की भक्ति में डूबे श्रद्धालु कंकड़-पत्थरों वाले रास्तों से होते हुए आगे बढ़े। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। मान्यता के अनुसार शहर के चारों प्रमुख शिवालयों की 44 किमी. लंबी परिक्रमा लगाई जाती है। श्रद्धालु चारों दिशाओं में स्थित राजेश्वर महादेव, पृथ्वीनाथ, कैलाश और बल्केश्वर महादेव की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि, सुरक्षा और खुशहाली की कामना करते हैं। रविवार शाम शुरू हुई परिक्रमा सोमवार को शिवालयों में जलाभिषेक के साथ पूरी होगी।

रविवार से परिक्रमा शुरू करना बेहद शुभ – मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी ने बताया कि सावन के दूसरे सोमवार को परिक्रमा के लिए विशेष माना जाता है। दूसरे सोमवार से एक दिन पहले रविवार शाम को नगर परिक्रमा शुरू करने की परंपरा है। रविवार सूर्य का दिन माना जाता है। सूर्य प्रकाश, प्रतिष्ठा और मान-सम्मान के प्रतीक हैं, इसलिए रविवार को परिक्रमा शुरू करना शुभ माना जाता है। परिक्रमा लगाने का उद्देश्य महादेव से प्रार्थना करना कि शहर सुरक्षित रहे, हर तरह की विपत्ति और बुरी नजर से बचा रहे और आगरा निरंतर तरक्की व विकास की ओर बढ़ता रहे।

दोपहर एक बजे तक लगेगी जलधारी – बल्केश्वर महादेव में रविवार की शाम को ही जलधारी लग गई। वहीं, मंदिर के पट पूरी रात खुले रहेंगे। महंत कपिल नागर ने बताया कि सोमवार सुबह 5ः30 बजे मंगला आरती होगी। दोपहर 1 बजे तक जलधारी लगी रहेगी। शाम 6 बजे बल्केश्वर महादेव का जलाभिषेक होगा और फिर श्रृंगार किया जाएगा। सोमवार रात 10 बजे आरती होगी। वृंदावन से आए हुए लोग मंदिर प्रांगण में फूल बंगला सजाएंगे।

भक्तों ने बयां की खुशी – गांधी नगर निवासी करण का कहना है कि भाइयों को हमेशा परिक्रमा लगाते देखता था। इस बार मैं भी परिक्रमा लगा रहा हूं। काफी खुशी हो रही है। - , अमरपुरा निवासी भीकम सिंह ने बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र मायने नहीं रखती। बस भोले बाबा की कृपा होनी चाहिए। अपने आप परिक्रमा भी हो जाती है। मुरैना निवासी सोनू गुर्जर ने कहा कि भक्ति के आगे कंकड़ नहीं दिखते हैं। सावन में ही हमें भोलेनाथ की पूजा का मौका मिलता है। परिक्रमा लगाकर बेहद खुशी हो रही है। भारत विकास परिषद 'अमृतम्' आगरा की ओर से सावन मास में चारों महादेव मंदिरों की परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा के लिए प्रसाद वितरण कार्यक्रम किया गया।

15 अगस्त को 498 साल बाद बदलेगी राम मंदिर की परंपरा, तीन दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे भक्त

लखनऊ , एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में इस वर्ष सावन का झूलनोत्सव एक नई ऐतिहासिक परंपरा के साथ मनाया जाएगा। करीब 498 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद राम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला पहली बार नाग पंचमी की बजाय सावन शुक्ल तृतीया से ही झूले पर विराजेंगे। 15 अगस्त की शाम सात बजे से शुरू होने वाला यह 12 दिवसीय उत्सव अब तक के सबसे भव्य आयोजनों में शामिल होगा। पहली बार झूलनोत्सव का लाइव प्रसारण कराने की भी तैयारी की जा रही है। इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि वर्ष 1528 में मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बाकी ने राम जन्मभूमि पर स्थित प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर वहां बाबरी ढांचा बनवाया था। इसके बाद सदियों तक यह स्थल संघर्ष और न्यायिक विवाद का केंद्र बना रहा। इस पूरे कालखंड में रामलला का झूलनोत्सव केवल परंपरा निभाने तक सीमित था। विशेषकर वर्ष 1992 के बाद जब रामलला अस्थायी टाट के मंदिर में विराजमान रहे, तब न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप लकड़ी के साधारण झूले पर प्रतीकात्मक रूप से झूलनोत्सव कराया जाता था। सुरक्षा और कानूनी प्रतिबंधों के कारण न सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे और न ही सार्वजनिक उत्सव का स्वरूप दिखाई देता था।

2021 में बनवाया गया था चांदी का झूला

नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। वर्ष 2020 में अस्थायी मंदिर में पहली बार अपेक्षाकृत भव्य झूलनोत्सव आयोजित किया गया और 2021 में रामलला के लिए विशेष चांदी का झूला तैयार कराया गया। हालांकि अब तक इसकी शुरुआत सावन शुक्ल पंचमी से होती थी। इस वर्ष पहली बार यह परंपरा बदली जा रही है। अब झूलनोत्सव का शुभारंभ 15 अगस्त (सावन शुक्ल तृतीया) की शाम सात बजे होगा। निर्धारित शुभ मुहूर्त में रामलला को विशेष रूप से सुसज्जित चांदी के दिव्य झूले पर विराजमान कराया जाएगा। इस बार लगातार 12 दिनों तक श्रद्धालु झूला दर्शन कर सकेंगे। मंदिर परिसर में प्रतिदिन दो घंटे तक भक्ति संगीत, रामभजन, शास्त्रीय संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। पूरे परिसर को सजाया जाएगा।

तीन दिनों में तीन लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन – सावन माह शुरू होते ही रामनगरी में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। रामलला के दर्शन के लिए प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। बीते तीन दिनों में लगभग तीन लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं। 7 अगस्त को करीब 91 हजार, 8 अगस्त को लगभग 1.15 लाख और 9 अगस्त की शाम सात बजे तक करीब 97 हजार श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए। आगामी झूलनोत्सव को देखते हुए श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को झटका

लखनऊ, एजेंसी। सिविल अस्पताल में शुरू होने वाली सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू होने से पहले ही अटक गई हैं। अस्पताल में जुलाई से न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी की विशेषज्ञ ओपीडी शुरू होनी थी। इसके लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टरों का सहयोग लिया जाना था। वहीं, कल्याण सिंह कैंसर संस्थान से भी सप्ताह में एक दिन कैंसर ओपीडी संचालित करने की योजना थी। आरोप है कि दोनों संस्थानों के डॉक्टर सिविल अस्पताल आकर सेवाएं देने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी इलाज के लिए फिर बड़े अस्पतालों की दौड़ लगानी पड़ सकती है। अस्पताल प्रशासन का कहना है पूरे मामले से शासन को अवगत कराया गया है। करीब 400 बेड वाले सिविल अस्पताल में रोजाना तीन से चार हजार मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। फिलहाल यहां नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी की सुपर स्पेशियलिटी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इन बीमारियों से संबंधित गंभीर मरीजों को केजीएमयू, पीजीआई या लोहिया संस्थान रेफर किया जाता है। नई व्यवस्था शुरू होने पर राजधानी के साथ आसपास के जिलों के मरीजों को भी राहत मिलने की उम्मीद थी।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भारी बारिश से कई इलाकों में भूस्खलन, प्रमुख राजमार्गों पर यातायात प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में भूस्खलन होने के साथ सड़क अवरुद्ध हो गई हैं। इस वजह से प्रमुख राजमार्गों और सड़क खंडों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। पुलिस के अनुसार, आज सुबह ९ बजे तक काभ्रेपलाञ्चोक, सिन्धुपाल्चोक, इलाम, रसुवा, पश्चिम रुकुम और लमजुंग में भूस्खलन, मलबा गिरने, नदी के कटाव और मलबे के कारण सड़कें प्रभावित हुई हैं। काभ्रेपलाञ्चोक में आज सुबह भूस्खलन के बाद बीपी राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए राजमार्ग पर शाम ५ बजे से सुबह ५ बजे तक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित की गई है। इस दौरान केवल दिन में यातायात की अनुमति दी जा रही है। इलाम नगरपालिका में मलबा गिरने के कारण मेची राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। सिन्धुपाल्चोक जिले में अरनिको राजमार्ग के कई हिस्से भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हैं, जिससे कई नगरपालिकाओं में यातायात प्रभावित हुआ है। रसुवा जिले में नदी के कटाव के कारण त्रिशूली–मेलुङ–स्याब्रुबेंसी सड़क पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। पश्चिम रुकुम जिले में भूस्खलन के कारण भेरी कॉरिडोर के जाजरकोट–डोल्पा खंड पर यातायात बाधित है, जबकि लमजुंग में मध्यपहाड़ी राजमार्ग भी अवरुद्ध हो गया है। प्रभावित सड़क खंडों से मलबा हटाने और यातायात सुचारु करने के लिए संबंधित निकाय काम कर रहे हैं। कई क्षेत्रों में बारिश जारी रहने के कारण भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा बैंकॉक पहुंचे, 13 अगस्त को लौटेंगे स्वदेश

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति शेरबहादुर देउवा हांगकांग से बैंकॉक पहुंच गए हैं। उनके 13 अगस्त को नेपाल लौटने की संभावना है। उपचार के सिलसिले में करीब पांच महीने से विदेश में रह रहे देउवा के 11 अगस्त को स्वदेश लौटने की तैयारी थी। हांगकांग से बैंकॉक जाने के बाद उनके नेपाल लौटने का कार्यक्रम दो दिन आगे बढ़ गया है। देउवा के करीबी नेताओं के अनुसार, वह शुक्रवार को हांगकांग से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचे। अब बैंकॉक से ही उनके नेपाल लौटने का कार्यक्रम तय किया गया है। वह 13 अगस्त को थाई एयरवेज की उड़ान से नेपाल लौटेंगे। नेपाली कांग्रेस के देउवा समूह के तत्वावधान में 14 अगस्त को काठमांडू के राष्ट्रीय सभा हॉल में सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस में भाग लेने के लिए देशभर से नेता और कार्यकर्ता काठमांडू पहुंच रहे हैं। देउवा 13 अगस्त को दोपहर बैंकॉक से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेंगे। जेन-जी आंदोलन के दौरान पिछले साल 10 सितंबर को बूढानीलकंठ स्थित देउवा के आवास में आगजनी की गई थी। इस दौरान देउवा दंपति पर भी हमला हुआ था। देउवा दंपति बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर गए थे। उपचार के बाद नेपाल लौटे देउवा फॉलो-अप उपचार के लिए इस साल 25 फरवरी को फिर सिंगापुर गए थे। सिंगापुर से वह उपचार के लिए अपनी पत्नी आरजू राणा देउवा के साथ हांगकांग पहुंचे थे। लंबे समय तक हांगकांग में रहने के बाद वह शुक्रवार को बैंकॉक पहुंचे ।

दिल्ली के जहांगीरपुरी हत्याकांड मामले में आरोपित गैंगस्टर नंदीग्राम से गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस को सौंपा

मेदिनीपुर। दिल्ली के जहांगीरपुरी में गत 19 जुलाई को हुई हत्या के मामले में वांछित गैंगस्टर को नंदीग्राम से गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की पहचान बिहार निवासी वसीम अकरम उर्फ लंबू के रूप में हुई है। नंदीग्राम पुलिस के अनुसार, हत्या की घटना के बाद वसीम अकरम नंदीग्राम के चौरंगी स्थित अपने एक रिश्तेदार के घर में छिपकर रह रहा था। दिल्ली पुलिस को उसके नंदीग्राम में छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद नंदीग्राम थाना पुलिस के सहयोग से उसकी तलाश शुरू की गई। दिल्ली पुलिस और नंदीग्राम थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। नंदीग्राम थाना प्रभारी अजय मिश्रा ने बताया कि वसीम अकरम दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हत्या के मामले में प्रमुख आरोपितों में शामिल है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित को नियमानुसार आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस अब उसे अपने साथ ले जाकर मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।[र

भारत की सनातन सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है भगवा : तरुण विजय

कोलकाता। लेखक एवं पूर्व भाजपा सांसद तरुण विजय ने भगवा रंग को "भारत की आत्मा का रंग" बताते हुए कहा कि यह भारत की सनातन सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सदियों से भारत की विभिन्न परंपराओं में भगवा रंग को श्रद्धा और सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है। अपनी पुस्तक 'सैफ्रॉन सर्ज' के कोलकाता विमोचन से पहले तरुण विजय ने भारतीय हॉकी टीम की नई भगवा जर्सी को लेकर हो रही आलोचनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भगवा भारत के सभ्यतागत मूल्यों में गहराई से रचा-बसा है। उन्होंने कहा कि "भगवा भारत का सभ्यतागत रंग है। सनातन परंपरा के साथ-साथ सिख, जैन और बौद्ध परंपराओं में भी इसे अनादिकाल से श्रद्धा के साथ स्वीकार किया गया है।" आलोचकों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "केवल गजनवी की मूर्तिभंजक मानसिकता से प्रभावित लोग ही भगवा रंग को लेकर असहज महसूस करते हैं और यह बात स्पष्ट है।" उल्लेखनीय है कि, 'सैफ्रॉन सर्ज' की प्रस्तावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने लिखी है, जबकि पुस्तक की भूमिका संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने लिखी है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य एवं इतिहासकार संजय सान्याल के साथ साथ प्रसिद्ध लेखक अमीश त्रिपाठी और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने भी पुस्तक की प्रशंसा की है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के संयोजक अरुण प्रकाश मल्लावत ने बताया कि पुस्तक का औपचारिक विमोचन 11 अगस्त को कोलकाता स्थित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) में होगा। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ अधिकारी भैयाजी जोशी, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी तथा वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मंत्री अग्निमित्रा पाल तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रपौत्री देवदत्ता चक्रवर्ती भी शामिल होंगी।

केरल का नाम 'केरलम' किए जाने वाला विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने से जुड़ा विधेयक पेश किया गया। केरल विधानसभा की सर्वसम्मत मंजूरी मिलने के बाद अब इसे संसद में लाया गया है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज सदन में शोर-शराबे के बीच केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश किया। मलयालम भाषा में राज्य को पारंपरिक रूप से 'केरलम' ही कहा जाता है। इसी सांस्कृतिक पहचान को आधिकारिक दर्जा देने के लिए यह पहल की गई है। इसके तहत भारतीय संविधान की पहली अनुसूची में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। नाम परिवर्तन के साथ-साथ राज्य से संबंधित अन्य संवैधानिक तथा प्रशासनिक दस्तावेजों में आवश्यक परिणामी संशोधन भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को सर्वसम्मति से एक संकल्प पारित किया था, जिसमें केंद्र सरकार से राज्य का नाम बदलने का अनुरोध किया गया था। इस संकल्प में कहा गया था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत आवश्यक कदम उठाते हुए पहली अनुसूची में संशोधन किया जाए और राज्य का नाम 'केरल' से बदलकर 'केरलम' किया जाए। संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति ने इस विधेयक को अपनी राय व्यक्त करने के लिए केरल राज्य विधानमंडल को भेजा था। केरल विधानसभा ने 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पर गहन विचार-विमर्श किया और सर्वसम्मति से विधेयक को पारित किया गया।

बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने बिहार में छात्र और युवाओं के आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि सीवान में प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर एके-47 से गोली चलाई गई, जबकि कई छात्रों और युवाओं को हिरासत में लेकर उनके साथ बर्बरता की गई। कांग्रेस ने पूरे मामले की जांच, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस ने कहा कि इस पूरे प्रकरण पर सरकार को जवाब देना चाहिए। पार्टी की ओर से बिहार के छह शहरों में भेजी गई फैक्ट फाइंडिंग टीमों के सदस्यों ने सोमवार को यहां पत्रकार वार्ता की। इस सदस्यों ने बिहार में छात्रों के आदोलन पर अपने तथ्य प्रस्तुत किए। वार्ता में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि युवाओं पर एके-47 चलाई गई। कई युवा गोलियों से घायल हुए। बिहार पुलिस ने पूरे प्रदेश में छात्रों और युवाओं को हिरासत में लिया। जब देश में छात्र अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं तो उन पर बर्बरता करने का आदेश किसके इशारे पर दिया जा रहा है। बिहार में छात्रों के साथ हुई कार्रवाई से सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने दावा किया कि सरकार ने बिहार में उद्योगपति गौतम अदाणी को एक रुपये प्रति एकड़ की दर से जमीन दी है। उन्होंने कहा कि बिहार के छात्र और युवा प्रधानमंत्री से पूछ रहे हैं कि अगर सरकार ने गौतम अदाणी को एक रुपये में हजारों एकड़ जमीन दे सकती है तो भर्ती परीक्षाओं की फीस भी एक रुपये क्यों नहीं कर सकती। एआईसीसी ने बिहार के छह शहरों में छह फैक्ट फाइंडिंग टीमें भेजी थीं। इन टीमों को छात्रों, युवाओं, मीडिया और प्रशासन से बातचीत कर यह पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई थी कि छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई क्यों हुई और इसके लिए आदेश किस स्तर से दिए गए।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने आरोप लगाया कि बिहार में छात्रों और युवाओं के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया गया। कई युवाओं को रात में हिरासत में लिया गया और उनकी आंखों पर पट्टी बांधी गई। उन्होंने दावा किया कि कुछ युवाओं के माता-पिता की कनपटी पर बंदूक रखकर उन्हें धमकाया गया कि अगर उनके बच्चे सरकार के खिलाफ आवाज उठाएंगे तो उनका एनकाउंटर कर दिया जाएगा। फैक्ट फाइंडिंग टीम ने कई छात्रों से बातचीत की और छात्रों ने फर्जी मुकदमों में फंसाए जाने की शिकायत की। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) इन छात्रों के साथ खड़ा रहेगा।

एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भी छात्रों के साथ हिरासत और कथित उत्पीड़न के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को रात में उठाया गया और उन्हें डराने-धमकाने की शिकायतें सामने आई हैं। छात्रों का आरोप है कि उन्हें फर्जी मामलों में फंसाया जा रहा है और एनएसयूआई उनकी लड़ाई जारी रखेगा। फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्य और अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने सीवान की घटना का विवरण देते हुए कहा कि टीम वहां गई थी। शुरुआत में पुलिस ने गोली चलने की बात से इनकार किया, लेकिन बाद में एके-47 चलाने वाले पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया।

प्रतापगढ़ी ने कहा कि घायल तीनों युवक बेहद गरीब परिवारों से हैं। अपने अधिकारों की मांग करने पर उन्हें गोली का सामना करना पड़ा। राहुल गांधी द्वारा गृह मंत्री को पत्र लिखे जाने और बिहार कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार ने छात्रों के खिलाफ मुकदमे वापस लेने का नोटिफिकेशन जारी किया। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि सरकार को परीक्षा केंद्र कमिश्नरी या जिला स्तर पर बनाने चाहिए, ताकि छात्रों पर यात्रा और रहने का अतिरिक्त खर्च न पड़े। उन्होंने गरीब छात्रों के लिए बेहतर ऑनलाइन शिक्षा मंच तैयार करने तथा सुव्यवस्थित परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने दिल्ली और बिहार में छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दोनों जगहों की घटनाओं ने सरकार की संवेदनहीनता को सामने ला दिया है। आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने सीवान में प्रदर्शन के दौरान एके-47 के इस्तेमाल को बेहद गंभीर घटना बताया।

मायावती ने भाजपा-आआपा से सतर्क रहने की अपील की

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संत रविदास के नाम पर कलश यात्रा निकाले जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पंजाब चुनाव नजदीक आते ही भाजपा समाज को भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने अपने समाज से भाजपा के साथ ही आम आदमी पार्टी (आआपा) की वोटबैंक की राजनीति से सतर्क रहने की अपील की है। मायावती ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि जैसाकि विदित है कि 10 अगस्त 2019 को दिल्ली के तुग़लकाबाद में संत रविदास के पवित्र गुरुघर को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर से ढहा दिया गया था। इसके विरोध में देशभर की संगत जब लोकतांत्रिक ढंग से सड़कों पर उतरी तो तब उन्हें लाठीचार्ज, आँसू गैस, गिरफ्तारियां और मुकदमों आदि का सामना करना पड़ा। काफी लोगों को जेल भी जाना पड़ा। इतना ही नहीं गुरुघर की भूमि भी छीन ली गई और आज भी संगत को लोहे के अस्थायी टीन शेड में अपने गुरुजी को माथा टेकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मायावती ने कहा कि अब पंजाब में चुनाव नज़दीक है तो भाजपा संत रविदास के नाम पर कलश यात्रा निकालकर गुरुजी के बेगमपुर शहर के लक्ष्य से समाज को भटाकने का प्रयास कर रही है।

असम में बाढ़ से नुकसान का आकलन शुरू, ऊपरी असम के चार जिलों के लोग बेहाल

एजेंसी, गुवाहाटी

असम सरकार ने राज्य में आई बाढ़ हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। ऊपरी असम के शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट जिलों में लोगों का सामान्य जीवन अभी भी बुरी तरह प्रभावित है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 9 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी (नुमलीगढ़ और गोलाघाट) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

रविवार को गोलाघाट जिले में 1 एवं कार्बी आंगलोंग जिले में 1 शव बरामद हुआ है। इस तरह बाढ़ से राज्य में मृतकों की कुल संख्या 101 पहुंच गई है। वर्तमान समय में बाढ़ से 10 जिले गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, दरंग, लखीमपुर, जोरहाट, कार्बी आंगलोंग, चराईदेव, नगांव और बिश्वनाथ प्रभावित हैं। इन 10 जिलों के 28 राजस्व मंडलों के कुल 456 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 137290 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 11933.46 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के लिए अभी भी कुल 52 राहत शिविर एवं 73 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 125 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 8000 लोग आश्रय लिए हुए हैं। वितरण केंद्रों पर 41061 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है।

रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या मामले में रैगिंग का खुलासा, 4 सीनियर डॉक्टर छह माह के लिए निलंबित

एजेंसी, सूरत

गुजरात के सूरत की नई सिविल अस्पताल में 29 वर्षीय रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. हर्ष पंड्या की आत्महत्या के मामले में जांच के दौरान रैगिंग का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में समिति की रिपोर्ट के आधार पर चार सीनियर डाक्टरों को निलंबित कर दिया गया है। इन निलंबित डॉक्टरों को अस्पताल और पीजी हॉस्टल परिसर में प्रवेश के साथ-साथ सभी प्रकार की शिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों से भी छह माह के लिए दूर रखा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मूल रूप से अरवल्ली जिले के मोडासा निवासी डॉ. हर्ष सुभाषचंद्र पंड्या सूरत सरकारी मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में प्रथम वर्ष के रेजिडेंट डॉक्टर थे। वह नई सिविल अस्पताल परिसर स्थित बॉयज पीजी हॉस्टल में रह रहे थे। बीती 9 अगस्त की सुबह डॉ. हर्ष ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। एक सीनियर डॉक्टर ने उन्हें फोन किया, लेकिन मोबाइल बंद मिला। इसके बाद साथी रेजिडेंट डॉक्टर को उनके हॉस्टल स्थित कमरे पर भेजा गया। दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुलने पर सुरक्षा कर्मचारियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर डॉ. हर्ष फंदे से लटके मिले।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और खटोदरा पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया ने नई सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के डीन की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए। डॉ. हर्ष के पिता सुभाषचंद्र पंड्या ने बताया कि उनका बेटा सीनियरों से होने वाली परेशानी का कभी-कभी जिक्र करता था, हालांकि वह यह भी कहता था कि कोई बड़ी समस्या नहीं है। बताया गया है कि डॉ. हर्ष ने इसी वर्ष फरवरी में माइक्रोबायोलॉजी विभाग में प्रवेश लिया था। उनकी सगाई हो चुकी थी और दिसंबर में शादी प्रस्तावित थी। घटना से परिवार में शोक का माहौल है।

पुलिस ने डॉ. हर्ष का मोबाइल फोन और लैपटॉप कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम द्वारा हॉस्टल के कमरे से संभावित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस रैगिंग, मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के बीच संभावित संबंध समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इस संबंध में सिविल अस्पताल के डीन डॉ. जयेश ब्रह्मभट्ट ने बताया की मेडिकल सुपरिटेंडेंट की संयुक्त अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति के समक्ष प्रथम वर्ष के 9 रेजिडेंट डॉक्टरों और उनके परिवारजनों के बयान दर्ज किए गए। गत रात 8:30 बजे से सुबह 4:00 बजे तक चली इस मैराथन बैठक में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सीनियर रेजिडेंट, फैकल्टी, टेक्नीशियन तथा सफाईकर्मियों के बयान दर्ज किए गए। डीन डॉ. ब्रह्मभट्ट ने बताया कि इसके बाद एंटी-रैगिंग स्क्वॉड ने अपनी रिपोर्ट एंटी-रैगिंग कमेटी को सौंप दी।

काशी विश्वनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, सावन का दूसरा सोमवार, चहुंओर महादेव की जय-जयकार

एजेंसी, वाराणसी

सावन माह के दूसरे सोमवार पर उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का भाव दिख रहा है। केशरियामय हुई शिवनगरी में बाबा श्री विशेशर (श्रीकाशी विश्वनाथ) के स्वर्णमंडित दरबार में पूरे श्रद्धाभाव से पावन ज्योर्तिलिंग पर आस्था की अखंड जलधार गिर रही है। सावन के दूसरे सोमवार पर सोम प्रदोष व्रत, बुधादित्य राजयोग, वज्र और सिद्धि योग समेत कुल सात दुर्लभ शुभ संयोग में शिवभक्त बाबा का झांकी दर्शन और जलाभिषेक कर आह्लादित है। पूरा धाम परिसर श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव, काशी विश्वनाथ शंभों के गगनभेदी कालजयी उद्घोष से गुंजायमान है।

दूसरे सोमवार पर परम्परानुसार शाम को मंदिर के गर्भगृह में बाबा का गौरी शंकर (शंकर पार्वती) श्रृंगार होगा। इसके पहले दरबार में दर्शन पूजन के लिए लाखों शिवभक्त रविवार शाम से ही बैरिकेडिंग में कतारबद्ध होने लगे। भोर में मंदिर के गर्भगृह में मंगला आरती के बाद मंदिर का पट खुला तो कतारबद्ध श्रद्धालुओं पर मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ विश्वभूषण मिश्र के नेतृत्व में अफसरों ने गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। आदर से आह्लादित शिवभक्त रेड कार्पेट पर चलकर बाबा के पूजन के लिए दरबार में पहुंचते रहे।

पूरे दिन और देर शाम तक यहीं क्रम अनवरत बना रहेगा। मंदिर न्यास के अनुसार,दूसरे सोमवार को दरबार में आस्था,भक्ति और उल्लास का माहौल है। दरबार में ज्योतिर्लिंग पर बाहर बने पात्र से जलाभिषेक कर आह्लादित भाव से श्रद्धालु बाबा के झांकी दर्शन के बाद काशी विश्वनाथ धाम के भव्य और नव्य विस्तारित स्वरूप को देख मुक्त कंठ से इसकी प्रशंसा करते रहे।

मंदिर में जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चिकित्सक, एम्बुलेंस और एनडीआरएफ टीम को भी तैनात किया है। पेयजल से लेकर खोया पाया केंद्र, पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगाया गया है। मंदिर में गर्भगृह के पहले ही श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन एलईडी स्क्रीन पर श्रद्धालु कर रहे हैं। बाबा दरबार में आने वालों की कतार एक ओर गोदौलिया से बाबा दरबार तक है तो दूसरी ओर गंगा से बाबा दरबार तक लगी हुई थी। शिवमय हुई नगरी में गंगाघाट से बाबा दरबार तक आस्था एकाकार नजर आ रहा है। केशरिया वस्त्र धारी बाबा के भक्त कांवड़ियों का उत्साह दखते ही बन रहा है। धाम और मंदिर परिक्षेत्र के बाहर भी पुलिस अफसर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए लगातार चक्रमण कर रहे हैं। दूसरे सोमवार पर मैदागिन से गोदौलिया, सोनारपुरा चौराहे तक, गुरुबाग से रामापुरा, बेनियाबाग तिराहे तक, ब्राडवे तिराहा से सोनारपुरा होकर गोदौलिया तक, भेलूपुर से रामापुरा चौराहे तक पैदल छोड़ सभी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

कांग्रेस ने गृहमंत्री के बयान की मांग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता के मामले में कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से गृहमंत्री अमित शाह को सदन में बुलाकर विस्तृत बयान देने का निर्देश देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर मामले में तत्काल संसदीय जांच और गृहमंत्री की जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपील की।

लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के तौर पर लिखे पत्र में वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, जिसमें पैलेट गन चलाए जाने की रिपोर्ट भी शामिल है, गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है। इस मामले में तत्काल संसद की निगरानी और जांच की जरूरत है।

वेणुगोपाल ने पत्र में कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है, इसलिए पुलिस की कार्रवाई की अंतिम जिम्मेदारी गृहमंत्री अमित शाह की है। उन्होंने भारत सरकार के कार्य आवंटन नियमों और संविधान के अनुच्छेद 77 का हवाला देते हुए कहा कि गृहमंत्री अपने मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से जुड़े सभी मामलों के लिए जिम्मेदार हैं।

राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन का प्रस्ताव पारित

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा में आज राज्य के सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन को अनिवार्य करने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। इसे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पेश किया। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि उनकी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार तमिलनाडु के भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। विजय ने अपने संबोधन में कहा, ''तमिल केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारा जीवन और हमारी भावनाएं हैं। मातृभाषा उतनी ही पवित्र है, जितनी अपनी मां।''

प्रस्ताव के अनुसार, तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की शुरुआत अब राज्य गीत से की जाएगी।

मुख्यमंत्री विजय ने तमिल भाषा की महानता और भारतीय संघीय व्यवस्था में 'तमिल थाई वाज्थू' के महत्व को रेखांकित करते हुए बेहद भावुक भाषण दिया। उन्होंने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से पार्टी मतभेदों से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील की। विजय ने कहा, ''दुनिया की सभी भाषाएं संचार का माध्यम हैं। हमारे लिए तमिल केवल बोलने की भाषा या ध्वनि नहीं है। यह हमारी जान, भावना और पहचान है। उन्होंने कहा कि 1891 में लेखक मनोन्मणियम सुंदरनार के नाटक के पायिरम (प्रस्तावना) में शामिल तमिल थाई वाज्थू भारत के माथे पर तिलक की तरह तमिलनाडु को गौरव प्रदान करता है।

हिन्दी वेबसाइट पर 'जिम्मेदारी नहीं' लिखकर घिरा एसबीआई, राजभाषा सम्मान और ग्राहक अधिकार का मुद्दा गरमाया

एजेंसी, दिल्ली/लखनऊ

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की आधिकारिक वेबसाइट पर एआई आधारित हिंदी अनुवाद और उससे जुड़े अस्वीकरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार जैन ने एसबीआई के कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई के अध्यक्ष, मुख्य प्रबंध निदेशक और प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) के अलावा भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, संसदीय राजभाषा समिति और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायतकर्ता ने इसे केवल तकनीकी अनुवाद का विषय न बताते हुए राजभाषा नीति, ग्राहकों के अधिकार और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। शिकायत में कहा गया है कि एसबीआई की हिंदी वेबसाइट पर स्पष्ट रूप से बताया गया है कि वेबसाइट की सामग्री का अनुवाद 'भाषिणी' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली के माध्यम से किया गया है। साथ ही, वेबसाइट पर यह भी उल्लेख होने का दावा किया गया है कि किसी अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी सामग्री को मान्य माना जाएगा।

शिकायतकर्ता ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि आधिकारिक बैंकिंग वेबसाइट पर प्रकाशित हिंदी सामग्री को स्वयं बैंक द्वारा ही संदिग्ध या गैर-प्रामाणिक मानने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। उनका आरोप है कि अनुवाद में संभावित त्रुटियों की जिम्मेदारी से बैंक का अलग हो जाना ग्राहकों के हित में नहीं है।

प्रवीण कुमार जैन का कहना है कि एआई आधारित अनुवाद तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन आधिकारिक और महत्वपूर्ण बैंकिंग सूचनाओं को सार्वजनिक करने से पहले उनका मानवीय सत्यापन और प्रूफरीडिंग जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजभाषा अधिकारियों द्वारा पर्याप्त मानवीय सत्यापन के बिना हिंदी सामग्री प्रकाशित करना उचित नहीं है। शिकायतकर्ता के अनुसार, इससे हिंदी में जानकारी प्राप्त करने वाले करोड़ों ग्राहकों के सामने भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उनका कहना है कि यदि बैंक अपनी हिंदी सामग्री को ही अंतिम और प्रामाणिक नहीं मानता तथा अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण को प्राथमिकता देता है, तो ऐसे ग्राहक प्रभावित हो सकते हैं जिन्हें अंग्रेजी का पर्याप्त ज्ञान नहीं है। शिकायतकर्ता ने इस व्यवस्था को राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की भावना के विपरीत बताया है। उनका तर्क है कि सरकारी क्षेत्र के एक प्रमुख बैंक की आधिकारिक हिंदी सामग्री विश्वसनीय, स्पष्ट और ग्राहकों के लिए सहज रूप से समझने योग्य होनी चाहिए।

◆ एसबीआई की हिन्दी वेबसाइट पर एआई अनुवाद को लेकर घमासान, राजभाषा नियमों पर बहस

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से आगे और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी : मीराबाई चानू

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन और हौसला बढ़ाने वाले शब्द उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगे। चानू ने ग्लासगो में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने भावुक सफर को भी याद किया।

मोदी से मिलने के बाद चानू ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, "हमारी यात्रा में लगातार सहयोग और प्रोत्साहन के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी का धन्यवाद। कल हुई हमारी खास बातचीत के दौरान हर मेडलिस्ट के लिए आपके उत्साह बढ़ाने वाले शब्द निश्चित रूप से हमें अगली प्रतियोगिताओं में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेंगे।" ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, लेकिन उन्होंने कहा कि इस जीत का भावनात्मक महत्व मेडल से कहीं ज़्यादा था। मणिपुर की इस एथलीट को वे चोटें, पारिवारिक मुश्किलें और पेरिस ओलंपिक में मेडल न जीत पाने की निराशा याद आई, जिनसे वे पिछले चार सालों में गुज़री थीं। चानू से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उन भावनाओं को समझा जिनकी वजह से उन्हें यह जीत मिली और मेडल सेरेमनी के बाद उनके आंसुओं के महत्व की सराहना की। प्रधानमंत्री ने चानू से कहा, "आपने सभी को गौरवान्वित किया है। इतने आंसू बह रहे थे। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे आंसुओं की हर बूंद से एक गोल्ड मेडल गिर रहा हो।" चानू ने बताया कि पोडियम पर वापस पहुँचकर उन्हें बहुत खुशी हुई, लेकिन उस पल ने उन्हें पेरिस में हुई निराशा की भी याद दिला दी। चानू ने कहा, "उस दिन मैं बहुत खुश और भावुक थी। मैं बहुत खुश थी। और मैं रो पड़ी क्योंकि पेरिस ओलंपिक में मेरा मेडल हाथ से निकल गया था।

एक खिलाड़ी को ज़िंदगी में कई चीज़ों का सामना करना पड़ता है और मैंने इन 4 सालों में बहुत कुछ झेला है।" चानू ने बताया कि चोटों की वजह से उनके करियर में बार-बार रुकावटें आईं और साथ ही उन्हें पारिवारिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, "मुझे बार-बार चोटें लग रही थीं। और मैं पारिवारिक समस्याओं से भी जूझ रही थी। पिछले चार साल बहुत मुश्किल भरे थे।" उन मुश्किलों से गुज़रने की वजह से, ग्लासगो में पोडियम तक पहुंचने का पल और भी ज़्यादा खास हो गया। उन्होंने बताया कि गोल्ड मेडल जीतने के बाद जब भारतीय झंडा फहराया गया और राष्ट्रगान बजा, तो वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं और रो पड़ीं।

कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तानी मुक्केबाज को हराना जादुमणि के लिए बना खास पल

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तान के मुक्केबाज के खिलाफ मिली अपनी जीत को याद किया। जादुमणि ने बताया कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण यह मुकाबला उनके लिए बेहद खास था और उन्होंने अपनी जीत कारगिल के वीर जवानों को समर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के भारतीय पदक विजेताओं से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेलों से जुड़े अपने यादगार अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। प्रधानमंत्री ने जादुमणि से कारगिल विजय दिवस के दिन मिली उनकी जीत के बारे में पूछा। जादुमणि ने बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों में उनका पाकिस्तान के सुमामा रहमान से मुकाबला कारगिल विजय दिवस के दिन हुआ था। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। जादुमणि ने 16वें दौर के मुकाबले में सुमामा रहमान को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया और अपनी जीत भारतीय सेना के वीर जवानों को समर्पित की। प्रधानमंत्री ने जादुमणि की इस भावना की सराहना करते हुए कहा कि कारगिल के वीरों को अपनी जीत समर्पित करने से उनकी उपलब्धि का महत्व और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि जादुमणि ने जिस प्रतिद्वंद्वी को हराना था, उसी को हराकर देश के लिए गौरव का क्षण बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लवलीना की देशभक्ति की सराहना की, ग्लासगो में गलत नक्शे पर जताई थी आपत्ति

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की देशभक्ति की भावना की सराहना की। लवलीना ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान ग्लासगो के एक रेस्तरां में भारत का विकृत नक्शा प्रदर्शित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। प्रधानमंत्री ने भारतीय पदक विजेताओं के साथ अपने आवास पर हुई बातचीत के दौरान इस घटना का उल्लेख करते हुए लवलीना के जज्बे की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में लवलीना से रेस्तरां में हुई घटना के बारे में पूछा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा कि क्या वह रेस्तरां के कर्मचारियों से इस मुद्दे पर उलझ गई थीं। इसके जवाब में लवलीना ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बाद वह भावुक थीं। रेस्तरां में भारत का गलत नक्शा देखकर उन्होंने कर्मचारियों से इस बारे में बात की और उसे बदलने का आग्रह किया। लवलीना ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण वहां बड़ी संख्या में भारतीय मौजूद थे। ऐसे में उन्हें भारत का विकृत नक्शा देखकर बुरा लगा और उन्होंने रेस्तरां कर्मचारियों से दृढ़ता से अपनी बात रखी। कर्मचारियों ने उनकी बात मान ली और बाद में नक्शे में बदलाव कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने इस घटना को खिलाड़ियों के भीतर देश के प्रति गहरे सम्मान का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पदक जीतने के बाद खुशी और जश्न के माहौल में भी लवलीना का भारत के नक्शे पर ध्यान जाना दिखाता है कि देश के प्रति भावना केवल पदक लेते समय दिखाई देने वाली चीज नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के भीतर गहराई से मौजूद है।

बरवाल ने प्रधानमंत्री को सुनाया पाकिस्तानी मुक्केबाज से जुड़ा दिलचस्प किस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज नरेंदर बरवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान अपने करियर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने 2015 के विश्व सैन्य खेलों में पाकिस्तान के एक मुक्केबाज को हराने के बाद हुई बातचीत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेलों के दौरान और अपने करियर से जुड़े यादगार अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। नरेंदर बरवाल ने बताया कि 2015 के विश्व सैन्य खेलों में पाकिस्तान के मुक्केबाज को हराने के बाद उसने उनसे एक दिलचस्प बात कही। बरवाल के मुताबिक, पाकिस्तानी मुक्केबाज ने कहा, "आपका नाम नरेंदर है, आपके कोच का नाम नरेंद्र है और आपके प्रधानमंत्री का नाम नरेंद्र है। मुझे नरेंद्र नाम से नफरत हो गई है।" बरवाल ने यह किस्सा सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में सुनाया। उनके इस किस्से पर बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का हो गया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें उनकी मेहनत, समर्पण और देश का गौरव बढ़ाने के लिए बधाई दी।

डीपीएलः सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरुआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया।

कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातार अंदर बाहर होने से प्रभावित होती है लय

एजेंसी, मुम्बई

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती हे। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर-बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है। रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार-बार अंदर-बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है। -रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें , भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं मिली थी। रहाणे ने कहा, "मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार-पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार-बार अंदर-बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी।" रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया। गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उसी डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, "कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व टीम इंडिया से जुड़े सरफराज खान

एजेंसी, गाले

भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले टीम इंडिया के साथ जुड़ गए हैं। नंबर तीन के बल्लेबाज साई सुदर्शन के चोट के कारण श्रृंखला से बाहर होने के बाद सरफराज को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है।

सरफराज ने भारतीय टीम की जर्सी में अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की है। इस तस्वीर में वह काफी फिट नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में अपनी फिटनेस पर जमकर काम किया है। सरफराज ने भारत के लिए अपना पिछला टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उन्होंने इसी वर्ष इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। भारत के लिए अब तक छह टेस्ट मैचों की 11 पारियों में सरफराज ने 37.10 की औसत से 371 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और तीन अर्धशतक हैं, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 150 रन है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भी सरफराज को भारतीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उन्हें किसी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में वापसी की है। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने सात मैचों की नौ पारियों में 53.62 की औसत से 429 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक दोहरा शतक, एक शतक और एक अर्धशतक निकला। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सरफराज ने सात पारियों में 65.80 की औसत और 203.09 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने छह मैचों की पांच पारियों में 75.75 की औसत और 190.56 के स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए। इसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। उनके शानदार प्रदर्शन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 75 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा।

आईपीएल में उन्होंने सात पारियों में 161 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट करीब 170 रहा। मुंबई टी20 लीग में भी उन्होंने आकाश टाइगर्स एमडब्ल्यूएस के लिए पांच पारियों में 161 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 15 अगस्त से गाले में खेला जाएगा। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में फिलहाल पांचवें स्थान पर है। भारत ने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं तथा उसका अंक प्रतिशत 48.15 है।

टी20 मुंबई लीग के विस्तार की तैयारी, नौवीं टीम के लिए एमसीए ने आमंत्रित की बोलियां

एजेंसी, मुंबई

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने प्रतिष्ठित टी20 मुंबई लीग में एक नई टीम के संचालन के अधिकार के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इसके साथ ही पुरुषों की टी20 मुंबई लीग के नौ टीमों वाली प्रतियोगिता बनने का रास्ता साफ हो गया है। नई फ्रेंचाइजी नवी मुंबई क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। इसके जुड़ने से लीग का दायरा और व्यापक होगा तथा मुंबई और आसपास के क्षेत्रों के अधिक क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा।

यह फैसला जून में लीग के सफल चौथे सत्र के आयोजन के बाद आया है। चौथे सत्र में प्रशंसकों की मजबूत रुचि देखने को मिली और मुकाबले भी काफी प्रतिस्पर्धी रहे। इससे भारत की प्रमुख फ्रेंचाइजी आधारित घरेलू टी20 प्रतियोगिताओं में टी20 मुंबई लीग की स्थिति और मजबूत हुई है। इच्छुक पक्ष 10 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक सुबह 11 से शाम 6 बजे के बीच मुंबई के चर्चगेट स्थित वानखेड़े स्टेडियम के क्रिकेट सेंटर में एमसीए कार्यालय से बोली दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। बोली दस्तावेज 2.5 लाख रुपये की गैर-वापसी योग्य फीस का भुगतान करने के बाद प्राप्त किए जा सकते हैं। यह भुगतान मुंबई क्रिकेट संघ के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से किया जा सकता है। इसके अलावा एमसीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध निविदा सूचना में दिए गए बैंक खाते में बैंक ट्रांसफर के जरिए भी भुगतान किया जा सकता है।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिपः भारत 27वें स्थान पर, अमेरिका पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी, ओरेगन

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में भारत तीन पदकों के साथ पदक तालिका में 27वें स्थान पर रहा। भारत अंतिम दिन कोई पदक नहीं जीत सका और उसका अभियान दो रजत तथा एक कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। भारत के लिए भाला फेंक में आशीष यादव ने रजत पदक जीता।

इसके बाद बसंत कुमार मेघवाल ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक हासिल किया, जबकि शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर भारत को तीसरा पदक दिलाया। बसंत कुमार मेघवाल का रजत पदक विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की ऊंची कूद में भारत का पहला पदक था। वहीं, शाहनवाज पुरुषों की लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने। अमेरिका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अमेरिका ने कुल 18 पदक जीते, जिसमें 12 स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। केन्या 11 पदकों के साथ दूसरे और इटली पांच पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 पदक तालिका की स्थिति कुछ इस प्रकार रही... अमेरिका 12 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 18 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। केन्या 4 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित 11 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इटली ने 3 स्वर्ण और 2 कांस्य सहित पांच पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। जमैका 2 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित आठ पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया और इथियोपिया ने छह-छह पदक जीते और संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। फ्रांस छह पदकों के साथ सातवें, चीन पांच पदकों के साथ आठवें और चेकिया चार पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा। भारत दो रजत और एक कांस्य सहित कुल तीन पदकों के साथ 27वें स्थान पर रहा।

शमी फिट है तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ले जाना चाहिये : जहीर

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट है तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। शमी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर शमी काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। शमी ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रह हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में वापसी का अवसर नहीं मिल पा रहा रहा है। शमी ने टीम इंडिया के लिए किसी भी प्रारुप में एक साल से नहीं खेला है। इस दौरान हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए और अपनी फिटनेस को भी साबित किया है पर टीम मैनेजमेंट उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। जिस प्रकार से टीम मैनेजमेंट आगामी बड़े टूर्नामेंट के लिए युवा तेज गेंदबाजों को अवसर दे रहा है उसका इस अनुभवी तेज गेंदबाज की वापसी कठिन नजर आती है हालांकि

कई पूर्व क्रिकेटरों ने शमी की वापसी का समर्थन किया है। वहीं इसी को लेकर जहीर ने कहा, "जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे निश्चित रूप से टीम की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, शमी को लेकर अभी ऐसा नहीं नहीं दिख रहा है। शमी को विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन इस बारे में क्या सोच रहा है। यह फैसला हेड कोच, चयनकर्ता और कप्तान ही करेंगे पर मेरी राय में अगर शमी फिट और उपलब्ध हैं तो भारत को उनके जैसे अनुभवी गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका ले जाना चाहिए."

वहीं चयनकर्ताओं ने शमी की टीम इंडिया में वापसी नहीं होने को लेकर तर्क दिया था कि उनकी फिटनेस एक बड़ी समस्या है। इसके कारण चयन समिति के प्रमख्य अजीत अगरकर और शमी के बीच बयानबाजी का एक दौर भी चला था। तब शमी ने कहा था कि वह घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और पूरी तरह से फिट हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

इन 4 वेस्ट मटेरियल से सजाएं अपना आशियाना

हम सभी अक्सर अपने घर को सजाने के लिए महंगे-महंगे डेकोरेशन आइटम खरीद कर लाते हैं। इन डेकोरेशन आइटम से अपने घर को नया लुक देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आप बिना पैसे खर्च किए अपने घर को सुदंर और आकर्षण का केंद्र बना सकती हैं। इसे लेख में आज हम आपको घर में मौजूद वेस्ट मटेरियल से यूजफुल और डेकोरेटिव सामान बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए जानते डेकोरेशन आइटम बनाने का आसान तरीका।

प्लास्टिक और कांच की बोतल से बनाएं ये सामान

हम सभी के घर पर कांच और प्लास्टिक की बोतल आराम से मिल जाती है। कई बार अधिक मात्रा में बोतल के इकट्ठा हो जाने के कारण इन्हें बेंच या फेंक देते हैं। आपको बता दें कि आप इन बोतल का इस्तेमाल कर घर को सजा सकती हैं। बोतल की मदद से आप फ्लावर पॉट, डेकोरेटिव ऑर्गानाइडजर, आर्टिफिशियल फ्लावर, झालर इत्यादि बना सकती हैं। इसे बनाने के लिए आपको कैंची, ग्लू, कलरफुल पेपर, स्टेप्लर पिन की जरूरत पड़ेगी। शोपीस डेकोरेशन पॉट बनाने के लिए आप बोतल के ऊपर के हिस्से को काटकर अलग कर दें। इसके बाद बोतल के ऊपर कलरफुल पेपर को चिपका दें। अब आप इसके ऊपर अपने हिसाब से सजा सकती हैं।

अखबार की मदद से सजाएं घर

दो दिन पुराने अखबार को अक्सर हम सभी इधर-उधर रख देते हैं या फिर स्लेप पर बिछाने के रूप में इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन आपको बता दें कि आप इसका इस्तेमाल कर घर को सजा सकती हैं। पेपर की मदद से घर को सजाने के लिए झालर बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले पेपर को त्रिभुज आकार में फोल्ड कर लें। इसके बाद इसे त्रिभुजाकार में तीन से चार बार घुमाते हुए फोल्ड करें। अब कैंची की मदद से इसे गोल आकार में काटें। ध्यान रखें कि इसे काटते वक्त इसके आखिरी छोर को कागज से अलग न करें। काटने के बाद पेपर खोले। आप देखेंगे कि पेपर गोल झालर की तरह बनकर तैयार हो चुका है।

टायर की मदद से सजाएं वॉल

घर पर रखें टायर की मदद से आप कई सामान बना सकते हैं। पुराने टायर की मदद से आप वॉल डेकोरेशन आइटम, कॉफी टेबल इत्यादि बना सकती हैं। दीवारों को सजाने के लिए सबसे पहले आप टायर को धुलकर अच्छी तरह से सुखा लें। इसके बाद टायर को मनपसंद पेंट से कलर करें। पेंट करने के बाद इसे सुखने के लिए कुछ देर के लिए छोड़ दें। सूखने के बाद रूई को डिफरेंट कलर के पेंट में भिगोने के बाद इससे टायर पर धब्बा बनाएं। इस तरह से आप अपने घर को सजाने के लिए वॉल डेकोरेशन आइटम तैयार कर लेंगे।

शिव-पार्वती से सीखें वैवाहिक जीवन के कर्तव्य

घर में बनी रह सकती है शांति

वैवाहिक जीवन में खुशहाली के लिए गौरी-शंकर की पूजा की जाती है। अगर भोलेनाथ और माता पार्वती के दाम्पत्य जीवन के सूत्रों को असल वैवाहिक जीवन में अपनाएंगे तो उनके जीवन में भी खुशहाली बरकरार रह सकती है। तो चलिए सावन माह के अवसर पर माता गौरी और भोले भंडारी के उन आदर्श गुणों के बारे में जानते हैं।

प्रेम को अहमियत

माता पार्वती एक बेहद खूबसूरत कोमल सी राजकुमारी थी। वहीं, भोले भंडारी गले में सर्प का माला और शरीर पर भस्म धारण करने वाले एक वैरागी थे। पर, फिर भी माता पार्वती ने शंकर भगवान को ही अपना जीवनसाथी चुना था। उनके लिए पैसा या रंग रूप मायने नहीं रखता था, बल्कि माता पार्वती ने प्रेम को अहमियत दी।

जिम्मेदारी

वैवाहिक जीवन में परिवार की जिम्मेदारी उठाने का काम दोनों लोगों का होता है। एक अगर ज्यादा व्यस्त है, तो दूसरे को सब कुछ संभालना होता है। इसके लिए आप भगवान शिव और माता पार्वती से शिक्षा ले सकती हैं। जिस तरह भोले बाबा अपनी तपस्या में लीन रहते हैं और माता पार्वती उनकी अनुपस्थिति में पुत्र, परिवार और सभी देवी-देवताओं का देखभाल करती थीं। हर जोड़ों को एक-दूसरे के साथ ऐसे ही मिलकर जिम्मेदारियां निभानी चाहिए।

अर्धनारीश्वर

भगवान शिव को अर्धनारीश्वर भी कहा जाता है। इसका अर्थ है- आधा स्त्री और आधा पुरुष। दरअसल, सुखी वैवाहिक जीवन का मूल मंत्र भी यही है कि भले ही पति और पत्नी के दो अलग-अलग शरीर हैं। पर, वह वास्तव में एक ही होते हैं। पति हो या पत्नी को सभी समान अधिकार पाने के पात्र होते हैं।

जीवन में धैर्य

माता पार्वती को भगवान शिव ऐसे ही नहीं मिल गए थे। उन्होंने शंकर भगवान को पति के रूप में पाने के लिए कठिन तपस्या की थी। पार्वती जी में धैर्य था, जिसके कारण उन्हें पति के रूप में शिव में मिले। असल वैवाहिक जिंदगी में भी धैर्य बेहद काम आता है। इंसान बड़ी से बड़ी चुनौतियों को यूं पार कर लेता है।

बच्चों पर सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान

सोशल मीडिया पर आजकल बच्चों की मौजूदगी और इंवॉल्वमेंट काफी बढ़ गई है। इसका बच्चों पर सकारात्मक और नकारात्मक असर पड़ता है। आजकल बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का एक एक्टिव हिस्सा बन गया है जिसे अब चाहते हुए भी हम इग्नोर नहीं कर सकते हैं। हालांकि, पैरेंट्स होने के नाते आपको यह पता होना चाहिए कि बच्चे के विकास पर सोशल मीडिया का क्या असर पड़ता है। आइए जानते हैं कि बच्चों पर सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान क्या होते हैं।

बच्चों के लिए सोशल मीडिया के फायदे

सोशल मीडिया की मदद से आप घर बैठे दुनियाभर के लोगों से कनेक्ट कर सकते हैं। बच्चों पर सोशल मीडिया का पड़ने वाला प्रभाव कुछ इस प्रकार है :

- बच्चे अपने दूर के रिश्तेदारों और दूर हो चुके दोस्तों से भी कनेक्ट कर सकते हैं। सोशल मीडिया की मदद से कई मुद्दों पर बच्चों की बेहतर विचारधारा विकसित होती है।
- नेटवर्किंग स्किल्स बढ़ाने के लिए बच्चे नई चीजें सीखते हैं और एक दूसरे के आइडिया जानते हैं। जो बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, उनके कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छे होते हैं और इससे बच्चों को मोटिवेट होने में मदद मिलती है।
- ये बच्चे अपनी बात और विचारों को आसानी से व्यक्त कर पाते हैं। सोशल मीडिया के जरिए बच्चों की टेक्नोलॉजी के बारे में टेक्निकल और प्रैक्टिकल नॉलेज भी बढ़ती है।

सोशल मीडिया का बच्चे को नुकसान

बच्चों का मन बहुत नाजुक और चंचल होता है और सोशल मीडिया आसानी से उनकी सोच और व्यवहार को बदल सकता है। छोटी उम्र में बच्चे अच्छे और बुरे में फर्क नहीं कर पाते हैं और पैरेंट्स होने के नाते आपके लिए यह जानना जरूरी है कि सोशल मीडिया का बुरा प्रभाव भी होता है। बच्चों पर सोशल मीडिया के कुछ ऐसे नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं :

- सोशल मीडिया इतना बड़ा है कि बच्चा कहां, कब और कैसे क्या जानकारी ले, आप उसे कंट्रोल ही नहीं कर सकते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को अश्लील, हानिकारक या ग्राफिक वेबसाइटों तक पहुंचा सकती हैं, जो उनकी सोचने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं।
- सोशल मीडिया वेबसाइट के बीच साइबर बुलिंग भी बहुत बढ़ गया है। साइबर बुलिंग का खतरनाक असर पड़सकता है। हर साल कई बच्चे साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं। ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा किशोर और युवा साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं।
- सोशल मीडिया के कुछ फायदे हैं लेकिन इसकी अति नुकसानदायक भी होती है। सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा समय बिताने का नकारात्मक असर बच्चों पर पड़ता है और अक्सर बच्चों को सोशल मीडिया की लत लग जाती है। सोशल मीडिया की लत के कई लक्षण होते हैं और इसका असर बच्चे की सेहत पर भी पड़ सकता है।
- वर्ष 2020 में ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसायटी के अध्ययन में पता चला कि पूरे दिन सोशल मीडिया पर पोस्ट लाइक करने, मैसेज का जवाब देने और दोस्तों से चैट करते रहना का असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की स्टडी में देखा गया है कि फेसबुक के इस्तेमाल से बच्चे अपनी जिंदगी से कम असंतुष्ट रहने लगे हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

माता-पिता की इन आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं इमरान

अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दैरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने अपनी अगली फिल्म के बारे में काफी कुछ बताया। हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इमरान ने कहा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे। अब वे सीधे फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' में लीड रोल प्ले करेंगे। फिल्म के बारे में आगे एक्टर ने कहा, 'मैंने अभी-अभी एक बेहद प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री, गुरफतेह पीरजादा के साथ काम किया है। दरअसल, यह वो फिल्म है जिसे मुझे 10 साल बाद बनाना ही था।' बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है।

इमरान खान का वर्कफ्रंट

इमरान खान ने 2008 में रिलीज हुई 'जाने तू या जानें ना' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स आफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई थी। इसके बाद इमरान ने 'लक', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'देल्ही बेली' और 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' जैसी कई हिट फिल्में दी थीं। इस साल जनवरी में इमरान ने अपने मामा आमिर खान के बैनर तले बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' में कैमियो किया था।

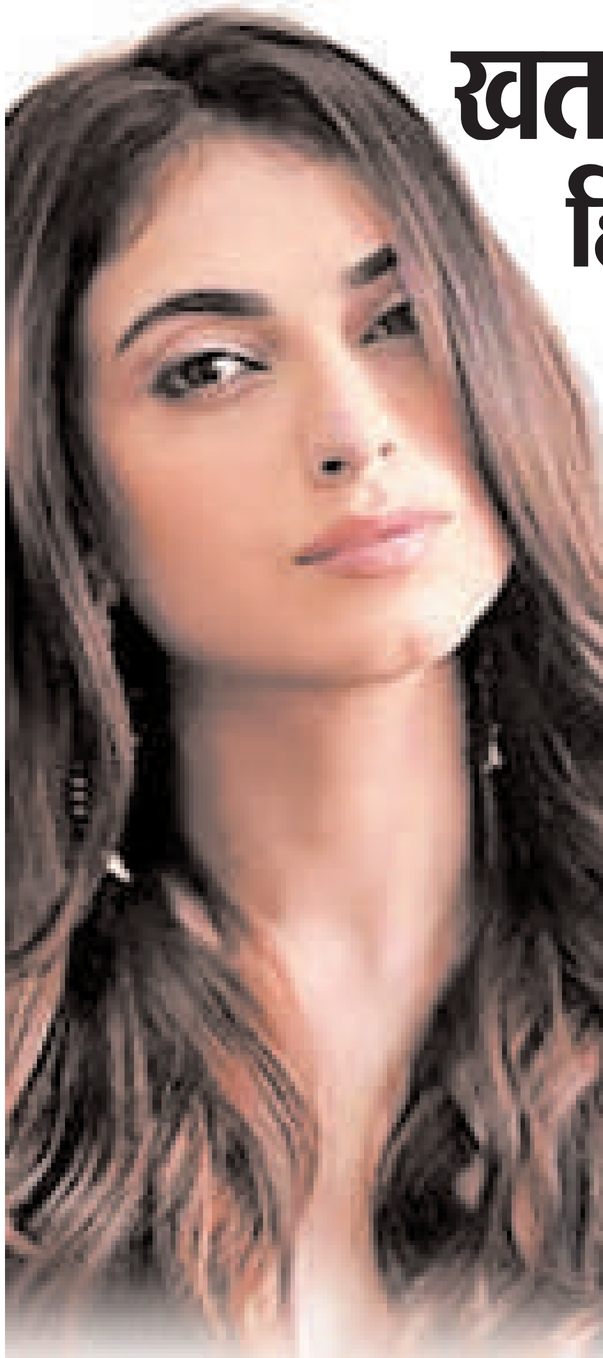

खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं रोहित शेट्टी

स्टंट आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। 'बिग बॉस 19' में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने खास बातचीत में रोहित शेट्टी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ''रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।'' शो को लेकर फरहाना ने कहा, ''इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है।'' फरहाना ने कहा, ''मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है।'' हाल ही में अभिनेता गौरव खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें स्टंट के दौरान लगी चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे। उन्होंने बताया था कि एक टास्क को पूरा करने के दौरान उनकी पीठ पर लेजर से जलने के निशान आ गए थे। 'खतरों के खिलाड़ी 15' का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर होता है।

शुरू हुई टाइगर श्रॉफ की नई फिल्म की शूटिंग, डेब्यू को तैयार एल्विश यादव;
अहम किरदार में होंगी नुसरत और पश्मीना

निर्देशक रेमो डिसूजा एक नई फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर टाइगर श्रॉफ होंगे। उनके साथ इस फिल्म में नुसरत भरूचा फीमेल लीड रोल में होंगी। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरूचा के बीच पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

अहम रोल में होंगे पश्मीना और एल्विश

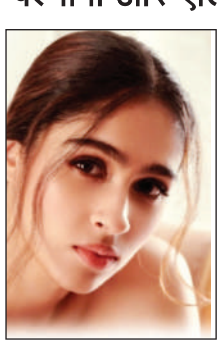

इस फिल्म से एल्विश यादव बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। खबर यह भी है कि ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म में पश्मीना रोशन, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी अहम भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म आगाज एंटरटेनमेंट, वीजे फ्रेम फिल्म्स और इंसोम्निया फिल्म्स के बैनर तले बनाई जा रही है। यह प्रोजेक्ट प्रोड्यूसर विक्की जैन के लिए भी एक बड़ा माइलस्टोन है, जो अपने नए लॉन्च किए गए बैनर, वीजे फ्रेम्स के तहत प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं।

प्रोडक्शन में डेब्यू करेंगे विक्की

बिग बॉस में अपने काम और एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति के तौर पर टीवी दर्शकों के बीच पहचाने जाने वाले विक्की ने हाल ही में फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखने की घोषणा की। यह फिल्म वीजे फ्रेम्स का पहला प्रोजेक्ट होगी।

टाइगर श्रॉफ का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो, टाइगर श्रॉफ को आखिरी बार 'बागी 4' में देखा गया था, जो उनकी हिट एक्शन फ्रेंचाईजी का लेटेस्ट चैप्टर है। ए. हर्षा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बाजवा भी अहम भूमिकाओं में थे।

नुसरत भरूचा का वर्कफ्रंट

वहीं, नुसरत भरूचा को आखिरी बार कॉमेडी थ्रिलर 'उफ ये सियापा' में सोहम शाह के साथ देखा गया था।

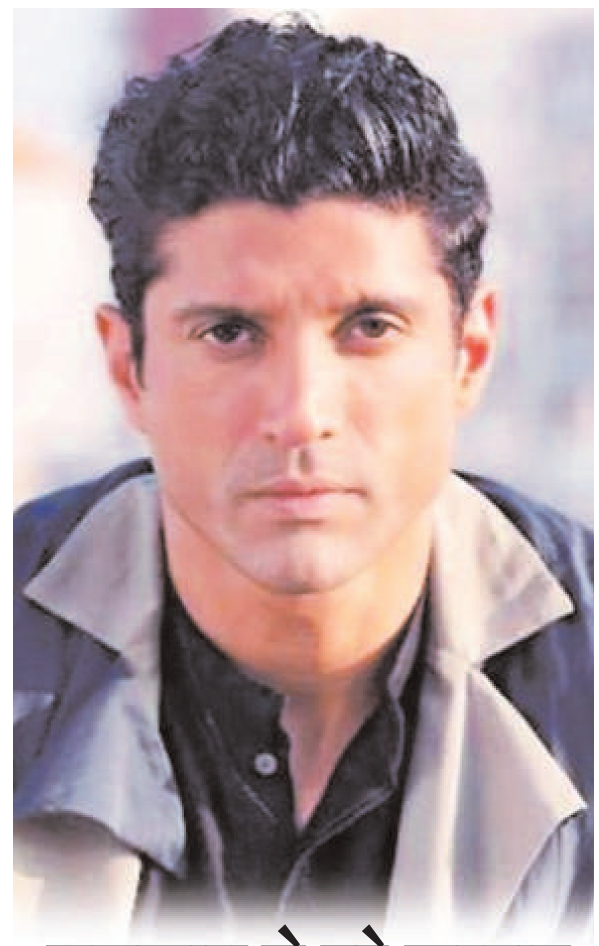

ललकारा से हटे फरहान अख्तर? अब सिद्धांत गुप्ता निभाएंगे अहम रोल

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं।

प्रोजेक्ट से क्यों हटे फरहान?

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था।

फरहान की जगह लेंगे सिद्धांत

अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धांत फिल्म में मुख्य किरदारों में से एक (पैरेलल लीड) निभाएंगे। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हालिया सफलता के बाद उनके करियर में यह एक और बड़ा पड़ाव होगा। खबर है कि एक्टर ने रोल के लिए तैयारी शुरू कर दी है, हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

किस पर आधारित है फिल्म

'ललकारा' क्रिकेटर लाला अमरनाथ की जिंदगी पर आधारित है, जो देश के लिए टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर थे। आमिर खान फिल्म में इस मशहूर खिलाड़ी का रोल निभाएंगे। फिल्म में आजादी से पहले और बाद के भारत की पृष्ठभूमि में मैदान के अंदर और बाहर उनके सफर को दिखाया जाएगा।

ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, ये युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी

कभी असल जिंदगी में सेना में जाने का ख्वाब देखने वाले ऐक्टर जिमी शेरगिल अपनी नई सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में कारगिल युद्ध के हीरो विंग कमांडर बीएस धनोवा की भूमिका निभा रहे हैं। जिमी का मानना है कि देश के जवानों की बहादुरी की ये कहानियां युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है, ताकि उन्हें अपने देश और जवानों पर गर्व हो और वो सैन्य सेवाओं को अपने करियर के तौर पर चुनें। यहां तक कि अगर उनका खुद का बेटा वीर भी अगर सेना में जाना चाहे तो उन्हें खुशी ही होगी। बकौल जिमी शेरगिल, 'ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़नी बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो एक वक्त पर जाकर ये बहादुरी खत्म हो जाएगी। जिस तरह की बहादुरी हमारे जवान, वो चाहे एयरफोर्स हो, मिलिट्री हो, नेवी हो, दिखाते हैं, उनके किस्से युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है।' ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़नी बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो एक वक्त पर जाकर ये बहादुरी खत्म हो जाएगी। जिस तरह की बहादुरी हमारे जवान, वो चाहे एयरफोर्स हो, मिलिट्री हो, नेवी हो, दिखाते हैं, उनके किस्से युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है।

90 पर्सेंट मार्क्स लाकर भी उस कट ऑफ के पार नहीं

जिमी आगे बताते हैं, 'जब हम स्कूल में थे, तब 99.9 पर्सेंट स्टूडेंट सेना में जाने की कोशिश करते थे। चूंकि उसमें कट ऑफ बहुत ज्यादा होता था तो मेरे जैसे लोग 90 पर्सेंट मार्क्स लाकर भी उस कट ऑफ को पार नहीं कर पाते थे। इसलिए, मेरा तो सपना ही रह गया लेकिन अगर किसी में वो जुनून, वो जज्बा है, वो क्षमता है, आप हर तरीके से फिट हैं तो आपको पहली चॉइस निश्चित तौर पर आर्म्ड फोर्सेस रखनी चाहिए क्योंकि जो जिंदगी वहां पर है, वो और कहीं नहीं है। मैं 2001 से एयर बेस पर जाकर शूट कर रहा हूं, आर्मी एरिया में जा रहा हूं। वो इतनी कमाल की जगह है। जो सुकून, अनुशासन वहां देखने को मिलता है, वो कहीं नहीं है। वो एक अलग ही दुनिया है।'

हमें आपस में लड़ना बंद करना चाहिए

वहीं, विंग कमांडर बीएस धनोवा की भूमिका निभाने को लेकर जिमी ने कहा, 'रियल लाइफ हीरो असल में बड़े आम और सिंपल लोग होते हैं। वे जमीन से जुड़े हुए बेहद विनम्र लोग होते हैं, मगर वो जो काम करते हैं वो हीरोइक होता है। इसलिए, हमने भी शो में सिंपलिसिटी, विनम्रता आदि तो मेंटेन करने की पूरी कोशिश की है। हमारी कोशिश रही है कि हम कहीं भी फैले हुए न लगे।' वहीं, क्या जिमी देश के लिए खुद कुछ करने की चाह रखते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'मैं तो सिर्फ इतना कहूंगा कि हमें आपस में लड़ना बंद करना चाहिए। हम लोग आपस में टूटते जा रहे हैं। हमें टूटना नहीं चाहिए, क्योंकि तब बाहर की ताकतें आकर ऐसी चीजों का फायदा उठाती हैं। इसलिए, हम आपस में एकजुट होकर रहें, वही हमारी सबसे बड़ी जीत होगी।'

बेटा जो करना चाहे, मैं साथ दूंगा

जिमी ने कहा कि युवा पीढ़ी को सैन्य सेवाओं को करियर चॉइस में सबसे ऊपर रखना चाहिए, तो क्या वे अपने बेटे वीर को भी यही सलाह देंगे? इस पर उन्होंने कहा, 'वीर अगर क्वॉलिफाई कर सकता है तो बिल्कुल। मैं उसे कभी नहीं रोकूंगा। मैंने हमेशा कहा है कि मेरे बच्चे को जो भी करना है, मैं उसे कभी नहीं रोकूंगा। उनको अगर स्पोर्ट्स में जाना है तो उसमें जाए। ऐसे ही, अगर वो आर्म्ड फोर्सेस में पहुंच सकते हैं, उनमें वो क्षमता है, बुद्धिमत्ता है तो जरूर जाए।'